जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 110 प्रभात उदयपुर, शनिवार 21 फरवरी, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ गैर कानूनी घोषित

अमेरिकन सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से यह फैसला सुनाया

- सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को बड़ा भारी झटका दिया और कहा कि ट्रंप को इन्टरनैशनल इमरजैंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत असीमित टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं है। चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने कहा कि यह कानून आपात स्थिति के लिए है, न कि टैरिफ लगाने के लिए।
- चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने कहा कि राष्ट्रपति एकतरफा टैरिफ लगाने की असाधारण शक्ति का दावा करते हैं, पर, इसके लिए संसदीय अनुमति की जरूरत है।
- सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ट्रंप के लिए बड़ा झटका साबित होगा, क्योंकि उन्होंने कई देशों पर भारी टैरिफ लगाए हैं।
- ट्रंप ने इस मसले पर जनवरी में कहा भी था, अगर कोर्ट ने टैरिफ के खिलाफ फैसला दिया तो अमेरिका को अरबों डॉलर लौटाने पड़ सकते हैं।
- हालांकि कोर्ट के आदेश से सभी टैरिफ खत्म नहीं हुए हैं। स्टील और एल्युमिनियम पर अलग कानूनों के तहत टैरिफ लगाए गए थे, जो अभी कायम रहेंगे, लेकिन रैसिप्रोकल टैरिफ, दंडात्मक टैरिफ खत्म कर दिए गए हैं।

वॉशिंगटन डीसी, 20 फरवरी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया कि ट्रंप द्वारा लगाए गए बड़े पैमाने पर टैरिफ (आयात शुल्क) गैरकानूनी हैं।

कोर्ट ने कहा कि ट्रंप इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) का इस्तेमाल करके राष्ट्रपति के रूप में असीमित टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं रखते।

चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने बहुमत की राय लिखी कि यह कानून आपात स्थिति के लिए है, न कि टैरिफ लगाने के लिए। यह फैसला ट्रंप की आर्थिक नीति को गहरा नुकसान पहुंचाता है, क्योंकि उन्होंने कई देशों पर आपातकाल के नाम पर भारी टैरिफ थोपे थे।

चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स ने कहा कि राष्ट्रपति असीमित और एकतरफा टैरिफ लगाने की असाधारण शक्ति का दावा कर रहे थे, लेकिन ऐसा करने के लिए साफ तौर पर संसदीय अनुमति जरूरी है। कोर्ट का यह फैसला ट्रंप की विदेश नीति और आर्थिक एजेंडे पर सीधा वार है।

गौरतलब है कि पिछले साल इसी कंजरवेटिव झुकाव वाली अदालत ने इमिग्रेशन, एजेंसी हैड्स की बर्खास्तगी और सरकारी खर्च में कटौती जैसे मामलों में ट्रंप का साथ दिया था। ऐसे में यह फैसला और भी अहम माना जा रहा है।

ट्रंप ने 12 जनवरी 2026 को सोशल मीडिया पर चेतावनी दी थी कि अगर कोर्ट ने टैरिफ के खिलाफ फैसला दिया तो अमेरिका को सैकड़ों अरब डॉलर लौटाने पड़ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर कंपनियों और देशों के निवेश दावों को जोड़ दिया जाए तो बोझ खरबों डॉलर तक पहुंच सकता है।

डॉनल्ड ट्रंप के ग्लोबल टैरिफ लगाने के फैसले को कोर्ट में चुनौती दी गई थी। बीते साल अगस्त में एक अमेरिकी अपील कोर्ट ने डॉनल्ड ट्रंप के कदम को गैरकानूनी करार दे दिया था, लेकिन अदालत ने टैरिफ को लागू रहने दिया था। इसके बाद वाइट हाउस की ओर से अदालत के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को झटका देते हुए टैरिफ को गलत बताया है।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा गया था कि अगर केस हारे तो देश बर्बाद हो जाएगा। कोर्ट ने ट्रंप के वकीलों की दलील को नहीं माना और टैरिफ रद्द करने का फैसला सुनाया। यह मामला डोनाल्ड ट्रंप के एजेंडे का पहला बड़ा मुद्दा है, जो सीधे सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा है।

कोर्ट के आदेश से ट्रम्प के सभी टैरिफ खत्म नहीं हुए हैं। स्टील और एल्युमिनियम पर लगाए गए टैरिफ अलग कानूनों के तहत लगाए गए थे, इसलिए वे अभी भी लागू रहेंगे।

हालांकि, दो बड़े कैटेगरी के टैरिफ पर रोक लग गई है। पहली कैटेगरी रेसिप्रोकल टैरिफ की है, जो ट्रम्प ने अलग-अलग देशों पर लगाए थे। इसमें चीन पर 34 प्रतिशत और बाकी दुनिया के लिए 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ तय किया गया था। कोर्ट के फैसले के बाद ये टैरिफ अमान्य हो गए हैं।

दूसरी कैटेगरी 25 प्रतिशत टैरिफ की है, जो ट्रम्प ने कनाडा, चीन और मैक्सिको से आने वाले कुछ सामान पर लगाया था। ट्रम्प प्रशासन का कहना था कि इन देशों ने अमेरिका में फेंटेनाइल की तस्करी रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए। कोर्ट के फैसले ने इस 25 प्रतिशत टैरिफ को भी निरस्त कर दिया है।

इस फैसले से भारत पर तुरंत क्या असर होगा

जयपुर, (का.सं), 20 फरवरी। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ को रद्द करने के फैसले का मतलब है कि भारत से अमेरिका को होने वाले 55 प्रतिशत निर्यात पर 18 प्रतिशत का पारस्परिक टैरिफ नहीं लगेगा।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के संस्थापक अजय श्रीवास्तव के अनुसार, अमेरिका की सर्वोच्च अदालत के फैसले से भारत को संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने व्यापार समझौते पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित होना चाहिए। जीटीआरआई के एक विश्लेषण के अनुसार, ''पारस्परिक टैरिफ को हटाने से अमेरिका को होने वाले भारत के लगभग 55 प्रतिश निर्यात 18 प्रतिशत शुल्क से मुक्त हो जाएंगे, और उन पर केवल मानक एमएफएन टैरिफ ही लागू होंगे।''

थिंक टैंक के अनुसार, कुछ पेचिदगियां मौजूद हैं इस वजह से इस्पात और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत और कुछ ऑटो घटकों पर 25 प्रतिशत रहेगी।

निर्यात मूल्य के लगभग 40 प्रतिशत हिस्से वाले उत्पाद, जिनमें स्मार्टफोन, पेट्रोलियम उत्पाद और दवाइयां आदि अमेरिकी टैरिफ से मुक्त रहेंगे।

'मेरे नाम से ही आए दिन नई साइट बन जाती हैं, मेरे फोटो अपलोड हो जाते हैं

जयपुर आए भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने देश में बढ़ते साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा

- जस्टिस सूर्यकांत ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से साइबर सुरक्षा विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला को संबोधित किया और कहा, साइबर फ्रॉड से 50,000 करोड़ रूपए तक ठगे गए हैं और करीब 66 लाख शिकायतें लंबित चल रही हैं।

जयपुर, 20 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने देश में बढ़ रहे साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए कहा कि उनके नाम से आए दिन नई साइट बन जाती है और उसमें मेरे फोटो अपलोड हो जाते हैं। इसी तरह की साइट से मेरी बेटी और बहन को मैसेज भेजे गए, लेकिन वो उनकी भाषा समझ गई। जब मैंने इसकी शिकायत साइबर पुलिस में की तो पता चला कि ये सभी साइट्स नाइजीरिया में बन रही हैं।

सीजेआई ने यह विचार शुक्रवार को आरआईसी में राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से साइबर सुरक्षा विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित न्यायिक अधिकारियों के समक्ष रखे। उन्होंने कहा कि हमें बचपन में सिखाया जाता है कि पहले सोचो, फिर बोलो, पहले विचार करो, फिर काम करो। डिजिटल अपराध से बचने के लिए हमें इसी को अमल में लाना होगा। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध इस चिंताजनक हालत तक बढ़ गया है कि साइबर फ्राड से पचास हजार करोड़ रुपए ठगे गए हैं और करीब 66 लाख शिकायतें लंबित चल रही हैं। सीजेआई ने कहा कि साइबर अपराध को रोकने के लिए आपसी समन्वय से काम करना होगा। ''हम डिजिटल युग में जी रहे हैं। डिजिटल तरीके से फ्रॉड कर अदालती दस्तावेज तक बन रहे हैं। ऐसे में जरूरत है कि सभी मिलजुलकर इससे लड़ने के लिए खड़े हों।''

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि तकनीक दोधारी तलवार बन चुकी है। एक तरफ डिजिटल तकनीक का अपना फायदा है तो दूसरी तरफ हमें सचेत रहना भी जरूरी है।

साइबर सुरक्षा आज के समय की मांग है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने प्रदेश में साइबर स्पेशल कोर्ट स्थापित करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि आज से दस साल पहले पीएम मोदी ने डिजिटल इंडिया का सपना देखा था,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान के विनोद जाखड़ एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 फरवरी। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के करीबी विनोद जाखड़ को नेशनल स्टूडेन्ट्स युनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया।

- विनोद जाखड़ को पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का करीबी माना जाता है।

यह पहला अवसर है, जब राजस्थान के किसी नेता को इस पद पर नियुक्त किया गया है।

एआईसीसी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने एक प्रैस विज्ञप्ति में कहा, पार्टी निवर्तमान अध्यक्ष वरुण चौधरी, जो बिहार से हैं, के योगदान की सराहना करती है।

हिंदुओं के तीन बच्चे होने मुद्दे पर शंकराचार्य ने भागवत का विरोध किया

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, समाज की प्रगति ज्यादा संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि संस्कृति व धार्मिक मूल्यों के आधार पर होती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 फरवरी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा हिंदू दंपतियों से कम से कम तीन बच्चे पैदा करने के आव्हान को बकवास बताते हुए कहा कि समाज केवल संख्या के आधार पर न तो जीवित रहता है और न ही प्रगति करता है, बल्कि उसकी संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक मूल्यों से उसका अस्तित्व और विकास तय होता है। उन्होंने तर्क दिया, ''कुत्तों की संख्या अधिक होती है, लेकिन जब शेर दहाड़ता है तो सब भाग जाते हैं।''

शंकराचार्य हाल के समय में भाजपा और आरएसएस नेताओं की आलोचना करते रहे हैं, विशेषकर जनवरी में प्रयागराज की घटना के बाद, जब जिला प्रशासन ने उनकी पालकी रोक दी थी और उन्हें संगम में स्नान के लिए पालकी से उतरकर, पैदल जाने को कहा था। पिछले कुछ सप्ताहों में उन्होंने धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर तीखे विचार व्यक्त किए हैं, जो प्राय: आरएसएस और भाजपा के प्रति आलोचनात्मक रहे हैं।

- शंकराचार्य ने कहा, ज्यादा बच्चे हों, पर उन्हें संस्कारों व मूल्यों का पाठ ना पढ़ाया जाए तो समाज प्रगति नहीं करता।
- ज्ञातव्य है कि आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने हाल ही में लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि हिंदुओं के तीन बच्चे होने ही चाहिए।

इस बार उन्होंने भागवत द्वारा लखनऊ में इस सप्ताह की गई उस टिप्पणी पर आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने नवविवाहित दंपतियों से कम से कम तीन बच्चे पैदा करने का आ ान किया था। भागवत ने कहा था कि विवाह का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत इच्छा नहीं, बल्कि सृष्टि को आगे बढ़ाना और सामाजिक दायित्व निभाना है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने पलटवार करते हुए कहा कि बिना उचित संस्कार दिए केवल अधिक बच्चे पैदा करने से समाज मजबूत नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे मजबूत धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ बडे हों, ताकि वे किसी भी परिस्थिति में अपने धर्म पर अडिग रह सकें। सौ तारे उतनी रोशनी नहीं देते, जितनी एक चाँद देता है।''

शंकराचार्य ने आगे चेतावनी दी कि (हिंदू समाज के भीतर) आंतरिक संघर्ष उसे कमजोर कर सकते हैं। हिंदू पौराणिक कथा का उल्लेख करते हुए उन्होंने भगवान कृष्ण के वंशजों का उदाहरण दिया, जो बाहरी शत्रुओं से नहीं, बल्कि आंतरिक कलह से नष्ट हुए थे। ''जब संख्या एकता और मूल्यों के बिना बढ़ती है, तो लोग आपस में ही लड़ने लगते हैं।''

दिलचस्प बात यह है कि मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना शहाबुद्दीन रिज़वी बरेलवी ने भी भागवत की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा है कि जनसंख्या वृद्धि एक गंभीर समस्या है और इसका राजनीतिकरण करने के बजाय, सभी समुदायों को इस पर जिम्मेदारी के साथ, विचार और चर्चा करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी संसाधनों पर दबाव डाल रही है और अनेक परिवार, जिनमें मुस्लिम परिवार भी शामिल हैं, बढ़ते खर्च और शिक्षा की लागत के कारण कम बच्चे पैदा करने का निर्णय ले रहे हैं।

भारत ने अमेरिका के नेतृत्व वाले ''पैक्स सिलिका'' गठबंधन की सदस्यता ली

पैक्स सिलिका का गठन दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर्स पर चीन के एकाधिकार को तोड़ने के लिए किया गया था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 फरवरी। चीन के सेमीकंडक्टर और दुर्लभ खनिजों पर एकाधिकार को तोड़ने के ठोस प्रयास में भारत आज औपचारिक रूप से अमेरिका-नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल हो गया। यह केवल एक तकनीकी साझेदारी से कहीं अधिक का संकेत है। ऐसे समय में जब सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखलाएँ आर्थिक प्रभाव और रणनीतिक स्वायत्तता को आकार दे रही हैं, नई दिल्ली ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को सुरक्षित करने और उन्नत विनिर्माण में कमज़ोरियों को कम करने के उद्देश्य से बने इस समूह में कदम रखा है।

- भारत के इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पैक्स सिलिका में भारत के प्रवेश एक ऐतिहासिक घटनाक्रम है। उन्होंने कहा, भारत में एक महत्वपूर्ण इकोसिस्टम उभर रहा है और पैक्स सिलिका इसके लिए जरूरी है, भारत के युवा वर्ग को इससे फायदा होगा।
- अमेरिका के अंडर सैक्रेटरी (इकोनॉमिक अफेयर्स) जैकब हैलबर्ज ने कहा कि जिस तरह से एक प्रमुख भारतीय शहर की दूसरे देश ने सायबर गड़बड़ी कर लाइट्स बंद कर दी थी, वह चेतावनी थी कि भारत को इस गठबंधन में आ जाना चाहिए।
- हैलबर्ज असल में 12 अक्टूबर 2020 में मुम्बई हुए पावर कट का हवाला दे रहे थ, कहा जाता है कि यह चीन की साइबर शरारत थी।
- एक बीबीसी रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर के दुर्लभ खनिज उत्पादन का 61 प्रतिशत व उनके संवर्धन का 92 प्रतिशत चीन के नियंत्रण में है और इससे दुनिया के अन्य बड़े देशों से सौदेबाजी में चीन का पलड़ा भारी रहता है। ज्ञातव्य है कि सेमीकंडक्टर चिप्स से लेकर इलैक्ट्रिक वाहनों तक सभी में दुर्लभ खनिजों का प्रयोग होता है।

इसी बीच, आर्थिक मामलों के लिए अमेरिकी अवर सचिव जैकब हेलबर्ग ने कहा, ''सीमा पार से एक की-स्ट्रोक द्वारा एक महान भारतीय शहर की बत्तियाँ बुझा दी गईं'' और यह नई दिल्ली के लिए इस समूह में शामिल होने का पर्याप्त संकेत था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फिर से राजस्थान हाई कोर्ट को बम की धमकी

जयपुर, 20 फरवरी। हाईकोर्ट को बम से उडाने की धमकी का यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, जिसके चलते राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ को शुक्रवार को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी दी गई।

- ई-मेल पर भेजी धमकी में सीजेआई का दौरा रद्द करवाने और 12 बजे तक हाई कोर्ट खाली करने की चेतावनी दी गई थी और कहा था कि कोर्ट में आरडीएक्स लगाया गया है। पर, जाँच व तलाशी में कुछ भी नहीं मिला।

इस बार धमकी भरे मेल में सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत के दौरे को रद्द करने की चेतावनी दी गई थी। मेल में लिखा था कि सीजेआई का दौरा कैंसिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रील के प्रबंध निदेशक बृजेश दीक्षित की नियुक्ति रद्द करने पर अंतरिम रोक

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 20 फरवरी। राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड (रील) के प्रबंध निर्देशक बृजेश दीक्षित की नियुक्ति को रद्द किए जाने के एकल पीठ के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी गई है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा और संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश इस मामले में दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए हैं। सुनवाई के दौरान मूल याचिकाकर्ता डॉ पुरुषोत्तम नारायण शर्मा की ओर से अदालत को कहा गया कि रील के प्रबंध निदेशक के चयन के लिए गठित बोर्ड में राज्य के मुख्य सचिव का होना आवश्यक है, क्योंकि रील में 49 प्रतिशत स्टेक रीको का है और रीको राजस्थान सरकार की एक कंपनी है, यानी यह 49 प्रतिशत प्रतिशत भागीदारी राजस्थान सरकार की ही है। उनकी तरफ से कहा गया कि इस संदर्भ में स्पष्ट गाइडलाइन भी है, जो यह कहती है कि किसी भी इकाई या कंपनी, जिसमें राज्य सरकार की भागीदारी हो, उसमें राज्य सरकार का पक्ष व हित देखने के लिए मुख्य सचिव पक्षकार होंगें और उनके पक्ष को सुने बगैर वरिष्ठ अफसरों या अधिकारी, जैसे किसी कंपनी के अध्यक्ष अथवा एम डी, की नियुक्ति नहीं की जा सकती।

- केन्द्र सरकार तथा दीक्षित की ओर से अदालत में कहा गया कि ''रील में रीको मात्र 49 फीसदी की निवेशक है, उसका हिस्सा राज्य सरकार का हिस्सा नहीं माना जा सकता। रील के प्रबंध निदेशक की चयन प्रक्रिया में कभी भी राज्य के मुख्य सचिव को पक्षकार नहीं बनाया गया।''
- सुनवाई के दौरान कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा ने भी यह टिप्पणी की कि गाइडलाइन केवल एक दिशा सूचक की तरह कार्य करती है, परंतु वह एक नियम या कानून नहीं है।

वहीं अपीलार्थी की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता ए के शर्मा और सुरुचि कासलीवाल की ओर से कहा गया कि उक्त मामले के संदर्भ में रीको को राज्य सरकार का पक्षधर नहीं माना जा सकता, क्योंकि रीको एक सरकारी कंपनी अवश्य है और उसके कर्मचारियों, अधिकारियों व प्राइवेट पार्टी किसी संवैधानिक अधिकार की पालना करने हेतु दायर रिट याचिका के मामलों में रीको को सरकार की परिभाषा में ले सकती है, क्योंकि अंतत: ऐसे मामलों में राज्य सरकार या राज्य सरकार के अधिकारियों को ही अदालत कानून की पालना करने के लिए आदेश दे सकती है, परंतु अन्य व्यवसायिक अनुबंधन के मामलों में रीको एक प्राइवेट कंपनी की भांति ही है, जिसको राज्य सरकार का विभाग नहीं माना जा सकता। इस मामले में केन्द्र सरकार की ओर से पैरवी कर रहे एडिशनल सॉलिसिटर जनरल व वरिष्ठ अधिवक्ता भरत व्यास ने भी अदालत को यही तर्क

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बच्चों को शिक्षा के साथ यह भी सिखाया जाना चाहिए कि वह मात्र एक व्यक्ति नहीं है, संपूर्ण राष्ट्र की थाती हैं। –स्वामी रामदेव

मोबाइल से बढ़ता मानसिक बीमारियों का खतरा

आज के दौर में मोबाइल फोन बच्चों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है, लेकिन जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनकी मानसिक सेहत पर बुरा असर डाल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक मोबाइल उपयोग से बच्चे चिड़चिड़े, गुस्सैल और ध्यान भटकाने वाले बनते जा रहे हैं। एक वैश्विक गैर सरकारी संस्था सेपियनलैब्स की एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक़, कम उम्र में जब बच्चों को स्मार्टफ़ोन दिए जाते हैं तो युवावस्था आते-आते उनके दिमाग़ पर विपरीत असर दिखने लगता है। यह रिपोर्ट 40 देशों के 2,76,969 युवाओं से बातचीत करके तैयार की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है जिन बच्चों को कम उम्र में स्मार्टफ़ोन दिए गए, उनमें आत्महत्या के विचार, दूसरों के प्रति ग़ुस्सा, सच्चाई से दूर रहना और हेलोसिनेशन होना शामिल है। लीलावती अस्पताल, मुंबई के मनोचिकित्सक डॉ. शोरुक मोटवानी बताते हैं कि ज्यादा स्क्रीन टाइम, ट्रॉमा और हिंसा देखने से बच्चों में आक्रामकता, डिप्रेशन और चिंता विकार बढ़ रहे हैं। वहीं, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. समीरा एस राव का कहना है कि स्क्रीन टाइम अधिक होने से बच्चों का मूडस्विंग्स, सिरदर्द और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता प्रभावित हो रही है।

भारत में कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के बेज़ा इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग अब जोर शोर से उठने लगी है। भारत सरकार ने भी देर आये दुरस्त आये अब सोशल मीडिया के बेज़ा इस्तेमाल से बच्चों को बचाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। आर्थिक सर्वे में इस पर भारी चिंता व्यक्त की गई थी। इसका अनुसरण करते हुए सरकार न्यूनत आयु तय करने का विचार कर रही है। आंकड़ों को देखे तो देश में 14-16 आयु वर्ग के 82 प्रतिशत बच्चे इस समय स्मार्ट फोन के समुद्र में डूबे हुए है। यह एक गंभीरतम स्थिति है।

आज घर घर में बच्चे और युवा धड़ल्ले से मोबाइल पर स्क्रीनिंग कर रहे है। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है की यह उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई के लिए कितना खतरनाक है। मीडिया में छोटे और किशोर आयु के बच्चों को मोबाइल लत के खतरे से लगातार आगाह किया जा रहा है। अनेक बच्चे इसके दुष्परिणामों के शिकार होकर अस्पतालों में अवसाद का इलाज़ करा रहे है। सेंसर टावर की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अपने देश में गत वर्ष मोबाइल पर 1.12 ट्रिलियन घंटे स्क्रीनिंग की गई जो दुनियाभर में सर्वाधिक आंकी गई है। इससे पता चलता है 18 वर्ष की आयु सीमा के 40 करोड़ बच्चे में से हर तीसरा बच्चा मोबाइल अवसाद का शिकार है, जिनकी संख्या 13 करोड़ से अधिक बताई जा रही है। इसी भांति एक अन्य नई रिसर्च के मुताबिक मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप जैसे गैजेट्स न केवल बच्चों के स्वास्थ्य अपितु उनके शैक्षिक जीवन के लिए भी खतरा बन रहे है।

एक वैश्विक गैर सरकारी संस्था सेपियनलैब्स की एक ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक़, कम उम्र में जब बच्चों को स्मार्टफ़ोन दिए जाते हैं तो युवावस्था आते-आते उनके दिमाग़ पर विपरीत असर दिखने लगता है। यह रिपोर्ट 40 देशों के 2,76,969 युवाओं से बातचीत करके तैयार की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है जिन बच्चों को कम उम्र में स्मार्टफ़ोन दिए गए, उनमें आत्महत्या के विचार, दूसरों के प्रति ग़ुस्सा, सच्चाई से दूर रहना और हेलोसिनेशन होना शामिल है।

टेक्नोलॉजी के इस दौर में बच्चे मोबाइल फोन, टैबलेट से ही अपनी पढ़ाई कर रहे हैं। खासकर कोविड में ऑनलाइन पढ़ाई के बाद उनके बीच स्क्रीन टाइम बहुत बढ़ा है। पांच हजार से ज्यादा कनाडाई बच्चों पर साल 2008 से 2023 तक चली एक रिसर्च बताती हैं कि बढ़ते स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में बेसिक मैथ्स और पढ़ने की समझ ठीक से विकसित नहीं हो पा रही है। यहां तक कि स्क्रीन टाइम की वजह से बच्चों के मार्क्स में 10 फीसदी तक कमी आई है। एक अन्य रिपोर्ट में यह सामने आया है कि 73 प्रतिशत स्कूली बच्चे अश्लील सामग्री देखते हैं। वहीं, 80 प्रतिशत बच्चे रोज़ाना सोशल मीडिया पर कम से कम 2 घंटे बिताते हैं। इसका सीधा असर उनकी पढ़ाई, सोचने-समझने की क्षमता और व्यवहार पर पड़ रहा है। मोबाइल आपका दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। एक स्टडी रिपोर्ट में एक बार फिर मोबाइल के खतरे से सावचेत किया गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है पैरेंट्स बिना सोचे-समझे सिर्फ दो-ढाई साल के बच्चों के हाथ में मोबाइल थमा देते हैं। इसके बाद बिना मोबाइल यूज किए बच्चा खाना तक नहीं खाता है। हालांकि इंफॉर्मेशन, टेक्नॉलोजी और एआई के दौर में मोबाइल का इस्तेमाल जरूरी है। लेकिन छोटे-छोटे बच्चों को मोबाइल देने की क्या जरूरत है? अगर आप भी मोबाइल एडिक्शन को सीरियसली नहीं ले रहे हैं, तो आपको बता दें कि सेलफोन आपके बच्चों का सबसे बड़ा दुश्मन बन रहा है। कच्ची उम्र में बच्चों को डिजिटल डिमेंशिया जैसी घातक बीमारी हो सकती है। टाइम ज्यादा होने का सबसे पहला असर बच्चों की आंखों की रोशनी पर पड़ रहा है। स्क्रीन को नजदीक और एकटक देखने से आंखें ड्राई होने लगती हैं यही हालात रहने पर आंखों की रोशनी कम होने लगती है। मोबाइल बच्चों का दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए अभिभावकों को इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है।

जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करना चाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भी इंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स को बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीके से दूर करना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 21 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र सायं 7:07 तक, शुभ योग दिन 3:51 तक, विष्टि करण दिन 1:01 तक, चन्द्रमा आज सायं 7:07 से मेष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग सायं 7:07 तक है। भद्रा दिन 1:01 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी है। पंचक सायं 7:07 पर समाप्त होंगे। आज महापात योग प्रात: 8:05 से दिन 12:02 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:27 से 9:52 तक, चर 12:41 से 2:05 तक, लाभ-अमृत 2:05 से 4:54 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 7:03, सूर्यास्त 6:18

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

कन्या
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तथाकथित सभ्य व जागरुक समाज में महिला पहलवानों के प्रति इतनी अनअपेक्षित बेरुखी क्यो?

महावीर सिंह

बहुत से लोगों को 2012 में दिल्ली में निर्भया के साथ हुई विभत्स घटना याद होगी। दिल्ली में आम लोगों नें, मीडिया नें, विभिन्न नागरिक-युवा संगठनों नें इतने जबरदस्त गुस्से का इजहार किया कि परिणाम स्वरूप उस लड़की को बढ़िया से बढ़िया इलाज उपलब्ध करवाया गया। त्वरित गति से मुक़दम्मा दर्ज हुआ, शीघ्रता व सावधानी पूर्वक मुक्कमल जांच पूरी हुई और दोषियों को सख्त सजा मिली।

इस घटना नें, अपवादस्वरूप ही सही दिल्ली के सत्तासीनों के जमीर को भी हिला कर रख दिया। परिणाम स्वरूप जस्टिस वर्मा की अध्यक्षता में इस घटना के परिपेक्ष में महिला के साथ होने वाली इस प्रकार की घटनाओं पर रोक लगे, इसलिए कानूनों का पुनरावलोकन भी करवाया, सुझाव मंगवाए और परिणाम स्वरूप महिलाओं के साथ आपराधिक छेड़छाड़ दुर्व्यवहार से सम्बंधीत कानूनों पर नए दृष्टिकोणों से विचार व परिवर्तन शुरू हुए।

मुख्य बात यह है कि उद्वेलित जनमानस के दबाव के चलते यह सब सम्भव हुआ।

इस घटना के विपरीत, महिला पहलवानों के साथ हुई सेक्सुअल हैरेसमेंट की घटना के जो आरोप लगाए गए उन पर विचार करें।

चूंकि इस मामले में आरोप कुश्ती संघ के अध्यक्ष जो सत्ताधारी पार्टी के एक बाहुबली-धनबली सांसद है, उनके विरुद्ध लगे है, इसलिए, सबसे पहले तो खेल मंत्रालय नें, पहलवानों द्वारा ज्ञापन देने, विरोध प्रकट करने के बावजूद, इस घटना को पर्याप्त गम्भीरता व त्वरितता से नहीं लिया।

परिणाम स्वरूप पहलवानों को दुबारा, संसद से 800-900 मीटर दूर पुन: धरने पर बैठना पड़ा।

फिर भी सत्ताधीशों के कानून पर जूं तक नहीं रेंगी। 21 अप्रैल 23 को थाने में कम्प्लेंट दर्ज कराने पर भी दर्ज नहीं हुई तो उन्हें सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ा। सुप्रीम कोर्ट की दखल पर ही 28 अप्रैल को दर्ज हुई। यह सम्पूर्ण सरकारी सिस्टम और हम सब लोगों के लिए लज्जाजनक है कि नागरिकों को दर्ज कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़े।

यह मामला तो ख्याति प्राप्त, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता महिला पहलवानों का है, जो सुप्रीम कोर्ट तक अपनी व्यथा पहुंचा सकी।

कल्पना करें जब आम आदमी के साथ ऐसी बेरुखी सिस्टम की हो (जो सामान्य बात हो चली) तो क्या वह सुप्रीम कोर्ट पहुँच सकता है?

छोड़िए कि इन आरोप-प्रत्यारोपों में कोन सही कोन गलत है, छोड़िये स्तरहीन व्हाट्सएप्प यूनिवर्सिटी से शिक्षित होने वाले टुच्चों को किन्तु, दुखद है कि अपवाद स्वरूप कुछ चुनिंदा पत्रकार-टीवी चैनल्स को छोड़ें तो कई पत्रकार, टीवी चैनल्स तो आरोपी के पक्ष में पूरे मामले को जातीय, राजनीति प्रेरित, तथाकथित सन्तो के समर्थन का रंग देने में कसर नहीं छोड़ा रहे, क्यों? एक अखबार की न्यूज के अनुसार तो आरोपी विभिन्न सनगठनों के दबाव से पोक्सो कानून बदलवाने की बात करता है। ऐसे बयानों पर सरकार-पुलिस-सत्ताधारी दल के राजनेताओं, नागरिक संगठनों की चुप्पी अच्छा संकेत नहीं।

गनीमत है कि इस बाहुबली द्वारा 5 जून को जो जनचेतना रैली की घोषणा कर रखी थी, जिसमें संतों को भी शामिल करने की असफल प्रयास हुए, को अब निरस्त कर दिया है। एक शुभ संकेत।

अगर कुछ राजनीतिक दलों, नागरिक संगठनों के नेता, किसान-ग्रामीण संगठनों के नेता, त्वरित, निष्पक्ष जांच की आवाज उठाने, पहलवानों से मिलने जंतर मंतर चले गए तो उसमें क्या राजनीति हुई? कोई यह तो कह नही रहा कि जो कुछ पहलवान कह रहे है, उसे ही सही मान लिया जाए।

क्या कुछ नेता, कुछ प्रतिगामी संगठन यह चाहते हैं कि इन महिला पहलवानों की व्यथा को कहीं से कोई समर्थन नहीं मिले और ऐसा क्यों, ओर क्या यह सम्पूर्ण समाज के लिए शुभ संकेत कहा जा सकता है??

सब से दुखद यह है कि सत्ताधारी दल के बडे नेता-पदाधिकारी खुल कर यह मांग भी नहीं कर पा रहे कि इस मामले में जल्दी से जल्दी न्यायपूर्ण जांच हो।

क्या पोक्सो एक्ट के दूसरे आरोपियों को इतनी छूट मिलते पढा-सुना ??

नीचता और धृष्टता की बानगी देखिए- किस किस प्रकार के प्रश्न उछाले जा रहे है--

मामला इतने दिनों बाद कैसे रिपोर्ट किया? पहलवानों के पास क्या प्रमाण है, बताए, जैसे कि जांच अधिकारी वे ही है?

कोई वीडियो या ओरल रिकार्डिंग हो तो बताएं? क्या कहा जाए इन बुद्धिहीनों के सवालों पर?यह बात तो उनके तभी समझ आए जब, दुर्भाग्यवस और ईश्वर न करे ऐसा हो किन्तु उनके किसी परिवार जन के साथ कोई ऐसी घटना घटित हो।

किसी महिला के साथ ज्यादती होगी तो वह पहले, उस राक्षस से यह कहेगी कि जरा रुकना, पहले मैं वीडियो रिकार्डिंग ओन कर देती हूं!!!

जैसा हमारा समाज है, एक महिला के लिए इस प्रकार की घटना को सार्वजनिक करना, लगभग असंभव है। उसके परिवार और उस महिला को भविष्य में होसकने वाली हजार बातें सोचनी पड़ती है। सरकारी सिस्टम भरोसे लाइक हो, परिवार और नागरिक संगठनों का साथ मीले और महिला में अदम्य साहस हो तभी वह खुल कर ऐसी घटनाओं को प्रकाश में लाएगी।क्या आप इसे नहीं मानते??? मीडिया वालों नें यह बयान तो छाप व बोल दिया कि नाबालिग महिला के किसी चाचा-ताऊ का कहना है कि वह बालिग है किंतु उसके पिता नें तो स्वयं एफआईआर दर्ज कराई है,उस से से पूछने की जहमत तक नहीं उठाते? घटना के वक्त की स्थिति देखनी है या वर्तमान उम्र देखनी है? अगर 28 मई को पुलिस पहलवानों व समर्थक जनता को संसद भवन तक मार्च की अनुमति नहीं देना चाहती थी तो बात समझ में आ सकती है किन्तु उनके धरना स्थल को क्यों तहस नहस किया? उनके साथ अमानवीय व्यवहार क्यों किया गया? लगता है चाकरों में मालिक को वफादारी दिखाने के लिए किसी हद तक जाने की होड़ मची है??? एक वार्त्ता में एक महिला पुलिस अधिकारी नें जनता के बीच, यह कहा कि 28 मई को लोगों को गिरफ्तार नहीं किया है, डिटेन किया है,कोई मुकद्दमा दर्ज नही हुआ है। तो फिर इनके विरुद्ध संगीन जुर्म वाली धाराओं में मुक़द्दमानकयों दर्ज और अगर जुर्म इतना ही संगीन तो फिर छोड़ा क्यों???

मंत्री कह रहे है, पहलवान जांच कार्यवाही में विश्वास रखें, नेक सलाह किन्तु जांच बिना समय सीमा के मंथर गति से,क्यों??? सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एफआईआर दर्ज करने के कितने दिन बाद पुलिस नें बयान दर्ज किए, कितने दिन बाद धारा 164 ऐड्ग के बयान दर्ज हुए, कितने दिन बाद गठित हुई--क्या यह विश्वास बढाते है??

क्या सामान्यत: पोक्सो एक्ट में दर्ज मामलों में पुलिस ऐसे ही कार्यवाही करती है--क्या जिस व्यक्ति के विरुद्ध नाबालिग से योन शोषण सम्बन्धी गम्भीर आरोप हों, उनके साथ पुलिस इसी तरह पेश आती है? उसे घूम-घूम कर प्रेस के माध्यम से अपनी पैरवी करने की छूट देती है, अन्य लोगों से भावनात्मक आधार पर समर्थन मांगने या प्रभावित करने की छूट देती है?? मंत्री जी से अंतिम प्रश्न--जैसे अन्य पोक्सो आरोपियों से साक्ष्य एक्टर करने के लिए जांच होती है, वैसी इस मामले में क्यों नही?? और अब सुनेन्वेक ठेठ ग्रामीण की टिप्पणी--क्यों जी, राहुल गांधी नें 4 साल पहले किसी सभा में एक टिप्पणी कर दी, उस पर तो उसकी सदस्यता खत्म, बंगला भी छीन गया, यह कोन ऐसा महाबली है कि सारी सत्तासीन जमात चुप है? एक थोड़े पढ़े-लिखे नें समझाने की कोशिश कि दोनों अलग अलग मामले हैं। बात उसके गले नहीं उतरी, वह बोला में तो केवल यह कह रहा हूँ सरकार सुनती है, मन भाती बात। राहुल के केस का पीछा नहीं किया जाता तो वह भी एमपी रहता किन्तु उसका मामला मन भाता नहीं था। इस बाहुबली के मामले में न बोलना मन भाती बात है। है न यह फर्क??

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस, ओरोविल, संविधान और राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020

सूर्यप्रतापसिंह राजावत

21 फरवरी को दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस तारीख के पीछे एक इतिहास है। ऐतिहासिक महत्व यह है कि बांग्लादेश धर्म के आधार पर बनाया गया था, लेकिन बांग्लादेश के लोगों ने उर्दू को भाषा के तौर पर थोपने का विरोध किया। उन्होंने बंगाली भाषा की मांग की और आखिरकार बंगाली को उस देश की दूसरीराष्ट्र भाषा बनाने में जीत हासिल की। इस संघर्ष के दौरान बंगालियों ने दर्जनों लोगों को खो दिया। यूनाइटेड नेशंस ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया है, ताकि बांग्लादेशियों के अपनी मातृभाषा के लिए किए गए बलिदान को याद किया जा सके। इसे 1999 के यूनेस्को जनरल कॉन्फ्रेंस में मंज़ूरी दी गई थी और 2000 से यह पूरी दुनिया में मनाया जा रहा है।

21 फरवरी श्री अरविन्द की आध्यात्मिक सहयोगी, श्रीमाँ के जन्मदिन की भी याद दिलाता है। उनके सपनों के प्रोजेक्ट को ऑरोविल-उषानगरीके रूप में जाना जाता है। ऑरोविल को 1966, 1968, 1970, 1983, 2007 में यूनेस्को के आम सम्मेलन का समर्थन प्राप्त हुआ है। ऑरोविल को अंतरराष्ट्रीय शहर के रूप में भी जाना जाता है जहाँ 30 से अधिक देशो के लोग एक साथ रहते हैं। ऑरोविल के निवासी अतिमानसिक योग का अभ्यास करते हैं। अतिमानसिक योग रूपांतरण से संबंधित है। श्रीअरविन्द के अनुसार मानव विकासवादी प्रक्रिया में संक्रमणकालीन चरण से संबंधित है। मनुष्य अंतिम रचना नहीं है, मनुष्य के बाद सुपरमेंटल शक्ति का आविर्भाव होगा। श्री माँ के निम्नलिखित शब्द ऑरोविले के उद्देश्य और लक्ष्य को बेहतर ढंग से समझने में मदद करते हैं - हम किसी पंथ, किसी धर्म के खिलाफ नहीं लड़ते हैं। हम किसी भी सरकार के खिलाफ नहीं लड़ते हम बँटवारे, बेहोशी, अज्ञानता, जड़ता और झूठ से लड़ रहे हैं। हम धरती पर एकता, ज्ञान, चेतना, सत्य को स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, और हम उन सभी चीज़ों से लड़ते हैं जो प्रकाश, शांति, सत्य और प्रेम की इस नई रचना के आने का विरोध करती हैं। ऑरोविल अपनी एक खास बात के लिए भी जाना जाता है कि यहां लोगों के बीच पैसे का लेन-देन नहीं होता। 28 फरवरी, 1968 को, ऑरोविल के चार्टर को फ्रेंच में पढ़ा गया। इसके बाद, चार्टर को 16 भाषाओं में इस क्रम में पढ़ा गया: तमिल, संस्कृत, इंग्लिश, अरबी, चीनी, रशियन, स्पैनिश, स्वीडिश और तिब्बती। भारत के संविधान का पार्ट सात ऑफिशियल भाषा से जुड़ा है, जिसे चैप्टर एक में बांटा गया है, जो यूनियन -संघ की भाषा से जु है। चैप्टर दो क्षेत्रीय-रीजनल भाषाओं से जुड़ा है। चैप्टर तीन सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट वगैरह की भाषा से जुड़ा है। चैप्टर चार भाषा से जुडे खास निर्देशों से जुडा है। भारत के संविधान के शेड्यूल आठ में 22 भाषाओं की लिस्ट है जो मल्टीलिंगुअलिज़्म दिखाती हैं। यह जानना दिलचस्प है कि सातवां संशोधन अनुच्छेद 350ए प्राइमरी लेवल पर मातृभाषा में पढ़ाई की सुविधा देता है।यह बताना ज़रूरी है कि हिंदी भाषा के विकास के लिए आर्टिकल 351 के तहत एक खास निर्देश है कि जहाँ भी वोकैबुलरी के लिए ज़रूरी या ज़रूरी हो, उसे संस्कृत से लिया जाना चाहिए।

दुनिया भर में हुई साइंटिफिक स्टडीज़ से पता चला है कि बच्चे के विकास में मातृभाषा बहुत ज़रूरी भूमिका निभाती है। इसलिए, इस खास पहलू को बाद में संविधान सभा ने सराहा और यही बात भारत के संविधान में भी दिखाई देती है, यहाँ तक कि मौजूदा नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 (एनइपी 2020) भी इसी का सपोर्ट करती है। एनइपी 2020 इस बात पर चिंता जताती है कि भारतीय भाषाओं पर सही ध्यान और देखभाल नहीं दी गई है, अकेले पिछले 50 सालों में देश ने 220 से ज़्यादा भाषाएँ खो दी हैं। यूनेस्को ने 197 भारतीय भाषाओं को खतरे में घोषित किया है। कई बिना लिखी हुई भाषाएँ खास तौर पर खत्म होने के खतरे में हैं। जब ऐसी भाषाएँ बोलने वाले किसी कबीले या समुदाय के बड़े सदस्य गुज़र जाते हैं, तो ये भाषाएँ अक्सर उनके साथ खत्म हो जाती हैं। इन समृद्ध भाषाओं/संस्कृति के भावों को बचाने या रिकॉर्ड करने के लिए कोई ठोस कदम या उपाय नहीं किए जाते हैं। एनइपी 2020 में कहा गया है कि भारत की वे भाषाएँ भी जो ऑफिशियली ऐसी खतरे वाली लिस्ट में नहीं हैं, जैसे कि भारत के संविधान के आठवें शेड्यूल की 22 भाषाएँ, कई मोर्चों पर गंभीर मुश्किलों का सामना कर रही हैं। भारतीय भाषाओं को पढ़ाने और सीखने को हर लेवल पर स्कूल और हायर एजुकेशन के साथ जोड़ने की ज़रूरत है। भाषाओं को रेलिवेंट और वाइब्रेंट बनाए रखने के लिए, इन भाषाओं में टेक्स्टबुक, वर्कबुक, वीडियो, नाटक, कविताएँ, नॉवेल, मैगज़ीन वगैरह सहित हाई-क्वालिटी लर्निंग और प्रिंट मटीरियल की एक रेगुलर स्ट्रीम होनी चाहिए। भाषाओं की वोकैबुलरी और डिक्शनरी में भी लगातार ऑफिशियल अपडेट होने चाहिए, जो बड़े पैमाने पर फैले, ताकि इन भाषाओं में सबसे नए मुद्दों और कॉन्सेप्ट पर असरदार तरीके से चर्चा की जा सके। दुनिया भर के देश इंग्लिश, फ्रेंच, जर्मन, हिब्रू, कोरियन और जापानी जैसी भाषाओं के लिए ऐसे लर्निंग मटीरियल, प्रिंट मटीरियल और दुनिया की भाषाओं से ज़रूरी मटीरियल का ट्रांसलेशन, और वोकैबुलरी को लगातार अपडेट करने का काम कर रहे हैं। हालाँकि, भारत अपनी भाषाओं को पूरी ईमानदारी के साथ सबसे अच्छे तरीके से वाइब्रेंट और करेंट रखने में मदद करने के लिए ऐसे लर्निंग और प्रिंट मटीरियल और डिक्शनरी बनाने में काफी धीमा रहा है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 में मल्टीलिंगुअलिज़्म को बढ़ावा देने के लिए तीन-भाषा फ़ॉर्मूले को जल्दी लागू करने, जहाँ तक हो सके घर/लोकल भाषा में पढ़ाने, और ज़्यादा एक्सपीरिएंशियल भाषा सीखने का इंतज़ाम किया गया है।

–सूर्यप्रतापसिंह राजावत,
सचिव, श्री अरविन्द सोसाइटी राजस्थान

विश्व मातृभाषा दिवस-2026

समृद्ध और समर्थ राजस्थानी भाषा को कब मिलेगा मान्यता का सम्मान

राजेन्द्र जोशी

विश्व मातृभाषा दिवस मतलब की मातृभाषाओं को पल्लवित और पोषित करने का समय माना जाता है । इस दिन विश्वभर की मातृ भाषाओं के ही हिमायती अपनी-अपनी मातृभाषा को समर्थ सार्थक करने का प्रयास करते हैं। सभी मातृभाषाएं सांस्कृतिक महत्व और संस्कृति के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

भाषाओं को पोषित करने का काम संबंधित सरकारों का रहता हैं।

हम राजस्थानी समुदाय के लोग राजस्थानी भाषा को जीते हैं और संकल्पित होकर भाषाई दुनिया में अपना योगदान दे रहे हैं।

भाषा व्यक्ति की पहचान होती है। भाषा और संस्कृति व्यक्ति को बनाने का काम करती है। और यह भी सत्य है कि बड़ी भाषाओं की बोलियां भी अधिक होती है,यह भाषा की खूबसूरती है कि राजस्थानी भाषा की बोलियों की संख्या भी कम नहीं है। हिंदुस्तान में प्रत्येक प्रदेश की अपनी भाषा है और लगभग वह भाषा प्रदेश तक सीमित है लेकिन राजस्थानी भाषा ऐसी भाषा है जो दुनिया भर में अपना मुकाम बनाए हुए हैं।

दुनिया का कोई ऐसा देश नहीं है जहां राजस्थानी भाषा नहीं बोली जाती। हम जानते हैं कि दुनिया भर में अपना व्यापारिक, सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टि से फैले हुए मारवाड़ी राजस्थानी ही बोलते हैं। एक अनुमान के मुताबिक लगभग 12 करोड़ लोगो के बोलचाल की भाषा राजस्थानी भाषा हैं।

विश्व मातृभाषा दिवस जब दुनिया भर के लोग बड़ी खुशी हंसी-खुशी से मना रहे हैं और भाषा का मान बढ़ाते हैं। परंतु राजस्थानी भाषा के लोग यह दिवस उदासी भरे माहौल में आठाह मान मनवार और विरोध स्वरूप बनाते हैं।

दुर्भाग्य इस बात का है की राजस्थानी भाषा को आज भी आजादी के साढे सात दशक बाद भी केंद्र सरकार राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं सूची में शामिल नहीं कर पाई है।

राजस्थानी भाषा समृद्ध भाषा है, इसका विपुल साहित्य भंडार है, यह करोड़ों लोगों की कंठहार है, विश्वकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर महामना मदनमोहन मालवीय, इतालवी विद्वान डा.एल.पी. टैस्सीटोरी, सुप्रसिद्ध भाषाविद् डॉ. सुनीति कुमार चाटुर्जा सहित विश्व के ख्यातनाम विद्वानों ने राजस्थानी भाषा एवं इसके समुन्नत समृद्ध साहित्य की प्रशंसा की है। राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता हेतु राजस्थान विधान सभा में लिए गए सर्वसम्मत संकल्प प्रस्ताव वर्ष 2003 में केन्द्र सरकार को प्रेषित किया जा चुका है किन्तु अब तक राजस्थानी भाषा अपनी संवैधानिक मान्यता हेतु प्रतीक्षारत है।

राजस्थानी भाषा को 8 वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग वर्षों से सम्पूर्ण राजस्थानियों द्वारा प्रदेश व प्रवास से जोर-शोर से उठाई जाती रही है।

जनगणना 2011 में भी राजस्थान के 4 करोड़ 83 लाख लोगों ने अपनी मातृ भाषा राजस्थानी दर्ज करवाई है। प्रवासी राजस्थानियों की संख्या भी कम नहीं है। घूमर लोकनृत्य को दुनिया के टॉप 10 स्थान मिलना, कालबेलिया नृत्य को द्वारा विश्व विरासत घोषित किया जाना, प्रधानमंत्री जी के जापान दौरे में विदेशी कलाकारों ने भी राजस्थानी लोक गीत की प्रस्तुती, अमेरिका की लाईब्रेरी ऑफ कांग्रेस द्वारा राजस्थानी दुनिया की तेरह समृद्धतम भाषाओं में शुमार किया जाना, अमेरिका की शिकागो, रूस की मास्को, लंदन की कैंब्रिज के समान श्रेष्ठ यूनिवर्सिटियों में राजस्थानी का अध्ययन-अध्यापन, अमेरिका सरकार की नौकरियों के लिए राजस्थानी को मान्यता दिए जाने सहित कई ऐसे प्रमाण हैं जो राजस्थानी को समृद्ध और बड़े समुदाय की भाषा ठहराते हैं।

विश्व मातृभाषा दिवस पर हम विनम्र अनुरोध करते है कि राजस्थानी भाषा की मान्यता हेतु केन्द्र सरकार शीघ्र निर्णय ले कर राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलवाएं।

मुक्ति संस्था,बीकानेर द्वारा एक दशक पहले नवंबर 2016 में प्रारंभ की गई राजस्थानी भाषा मान्यता संकल्प यात्रा के दौरान यह तथ्य भी सामने आए जब बंगाल, तमिलनाडु जैसे प्रदेशों में भाषा मान्यता संकल्प यात्रा लोगों से रूबरू हुई। हजारों लोगों ने गत एक दशक से राजस्थानी भाषा मान्यता के पक्ष में हस्ताक्षर कर समर्थन देते हुए केंद्र सरकार से इस भाषा को मान्यता देने की मांग रखी। मुक्ति संस्था बीकानेर द्वारा भाषा मान्यता आंदोलन सतत रूप से जारी है।

राजस्थान-राजस्थानियों को विश्वास है कि राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने का पुनित एवं ऐतिहासिक काम केन्द्र सरकार करेंगी।

राजस्थानी भाषा की मान्यता का आंदोलन 1944 में दीनापुर सम्मेलन से प्रारंभ हुआ था। राजस्थानी भाषा को मान्यता का आश्वासन सरकारों द्वारा दिया तो जाता रहा है लेकिन मान्यता देने में सरकार सदैव पीछे रही है। राजस्थानी भाषा 1200 वर्षों से पुरानी है और इस भाषा का विशाल शब्दकोश जो अन्य भाषाओं से भी बहुत बड़ा है। इस शब्दकोश में लगभग दो लाख दस हजार शब्द विद्यमान हैं।

जबकि छोटी भाषाओं को सरकार ने मान्यता दे रखी है। राजस्थानी भाषा को राजनैतिक कारण से मानता नहीं देना यह हजारों राजस्थानियों का अपमान हैं।

भारत सरकार ही ऐसा करने में सक्षम हैं। इस ऐतिहासिक काम के लिए संपूर्ण राजस्थान और राजस्थानी समाज चिरकाल आभारी रहेगा और इस फैसले से माननीय सर्वत्र सराहना के भागीदार होंगे।

विश्व मातृभाषा दिवस हमें हमारी भाषा के प्रति सम्मान सम्मान के संकल्प को याद दिलाता है हम इस अवसर पर राजस्थान सरकार से भी आग्रह करते हैं की राजस्थानी भाषा को दूसरी राजभाषा बनाने की घोषणा करें।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

नेरोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी पर दी जानकारी

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, उदयपुरद्वाराइंडियन मेडिकल एसोसिएशन(आईएमए,उदयपुर शाखा) के सहयोग से सीएमई (सतत् चिकित्सीय शिक्षा) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विख्यात चिकित्सकों ने भाग लिया गीतांजली हॉस्पिटल के जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. हरप्रीत सिंह नेरोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरीविषय पर विस्तार से जानकारी विडियो के माध्यम से दी।

एक्टिविटी फेस्टिवल का आयोजन

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के निर्देशानुसार जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र डूंगरपुर जिला खेल अधिकारी नरेश डामोर के मुख्य आतिथ्य में कोच रफीक सिंधी के नेतृत्व में विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर डूंगरपुर में मुस्कान संस्थान परिसर में एक दिवसीय एक्टिविटी फेस्टिवल का आयोजन किया।

यह जानकारी देते हुए संस्थान के भारत गौरव सेवा आचार्य भरत नागदा ने बताया कि यह विशेष कार्यक्रम बलवाडा स्थित मुस्कान संस्थान (रेलवे फाटक के पास), डूंगरपुर में आयोजित किया गया, जहाँ 5० से अधिक बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में सामाजिक समावेश को बढावा देना और उनका आत्मविश्वास बढाना था। इसके साथ ही, बच्चों को खेल और गतिविधि के अनुकूल माहौल का एक आरामदायक और सकारात्मक अनुभव प्रदान करना भी इसका मुख्य लक्ष्य था। यह आयोजन पूरी तरह से गैर-प्रतिस्पर्धी, मनोरंजक और भागीदारी पर आधारित था,जिसमें हर श्रेणी के बच्चें शामिल किये गये थे। मुस्कान संस्थान में आयोजित इस उत्सव में 5० से अधिक बच्चों ने जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र डूंगरपुर जिला खेल अधिकारी नरेश डामोर के मुख्य अतिथि में कोच रफीक सिंधी के कुशल मार्गदर्शन में विभिन्न खेल और मनोरंजक गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया। इस एक्टिविटी फेस्टिवल के आयोजन के लिए राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के अध्यक्ष और युवा मामले एवं खेल विभाग के सचिव, श्री नीरज के. पवन द्वारा सभी जिला कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

रघुनाथपुरा में एक करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण

उदयपुर/राजसमन्द, (कासं)। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, राजपुरा दरीबा कॉम्प्लेक्स द्वारा सीएसआर पहल के तहत सिंदेसर कलां पंचायत के ग्राम रघुनाथपुरा में ग्रामीण सामुदायिक विकास के अतंर्गत विभिन्न महत्वपूर्ण सामुदायिक इंफ ास्ट्रक्चर परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। 1 करोड रुपये से अधिक की लागत वाले इन कार्यों से गांव और आस-पास के 400 से अधिक लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

गांव के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए इन कार्यों में राजकीय प्राथमिक विद्यालय, रघुनाथपुरा का नवीनीकरण, कनेक्टिविटी और सुरक्षा के तहत् डामर सडक का निर्माण और पूरे गांव में रोशनी के लिए सोलर हाई मास्ट लाइट, जल संरक्षण के तहत नए जीएलआर जल जलाशय का निर्माण और गांव के तालाब का गहरीकरण व विकास एवं सामुदायिक सुविधाओं के लिए श्मशान घाट पर शेड का निर्माण शामिल है।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा रघुनाथपुरा गांव में 1 करोड से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर यूनिट हेड आरडीएम देबांशु चटर्जी, हेड सीएसआर आरडीसी अभय गौतम एवं प्रशासक, सिंदेसर कलां, कुंवर लाल भील उपस्थित थे। साथ ही प्रशासक समिति के सदस्य, प्रधानाचार्य, सिंदेसर कलां विद्यालय विनोद कुमार यादव, प्रधानाचार्य, रघुनाथपुरा विद्यालय डॉ. प्रहलाद सोनी एवं समाजसेवी अंबा लाल जाट भी मौजूद रहे।

अज्ञात युवक का शव सौंपा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर सुखेर थाना पुलिस ने रोड किनारे मृत हालत में मिले युवक की शिनाख्त नहीं होने पर उसका पोस्टमार्टम करवा अमित संस्कार करवा दिया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 फरवरी को सुखरे थाना क्षेत्र बेदला गोजरामाता मंदिर के पास अज्ञात व्यक्ति के अेचत अवस्था में पड़ा होने की सूचना मिली।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ./नामा./2026/18122 दिनांक : 18.2.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुद्वा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया हैं। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति कापता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्रीमती निकिता गोलानी पत्नि श्री चन्द्र प्रकाश गोलानी, निवासी- नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-15 क्षैत्रफल- 1208.34 वर्गफिट, अवध आवासीय कॉलोनी, बिच्छु मंगरी नाथद्वारा	40 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-16	60 फिट रोड	30 फिट रोड
		भूखण्ड संख्या-16 क्षैत्रफल- 1250 वर्गफिट, अवध आवासीय कॉलोनी, बिच्छु मंगरी नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-15	भूखण्ड संख्या-17	60 फिट रोड	30 फिट रोड

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यशाला का आयोजन

नाथद्वारा, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में जिलेभर में चल रहे अभियान के तहत नाथद्वारा नगर पालिका सभागार में साइबर जागरूकता एवं साइबर स्वच्छता विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में ब्लॉक स्तरीय राजकीय अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

नगरपालिका आयुक्त सौरभ कुमार जिंदल के आतिथ्य में आयोजित कार्यशाला में साइबर थाना राजसमंद के प्रोठाामर खैरूल वसीम ने वर्तमान में तेजी से बढ रहे साइबर अपराधों-फिशिंग, ओटीपी फ्रॉड, फेक कस्टमर केयर, डिजिटल अरेस्ट, डीपफेक और एआई वॉइस क्लोनिंग-के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इन अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपाय भी सरल भाषा में समझाए। कार्यक्रम में बताया गया कि राजकीय कार्यालयों में संवेदनशील डेटा के साथ कार्य किया जाता है, जिसकी सुरक्षा प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी की जिम्मेदारी है। इनसाइडर थ्रेट, रैनसमवेयर, अनाधिकृत एक्सेस व सोशल इंजीनियरिंग जैसे खतरों से सतर्क रहने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को कंप्यूटर, ईमेल, विभागीय वेबसाइट, राउटर और मोबाइल उपकरणों का उपयोग करते समय साइबर स्वच्छता के नियमों का पालन करने की सलाह दी गई।

क्रॉसवर्ड व आदित्यम रियल स्टेट्स ने मुकाबले जीते

उदयपुर, (कासं)। फील्ड क्लब मैदान पर चल रही पिम्स मेवाड कप क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को खेले गए मुकाबलों में क्रॉसवर्ड एवं आदित्यम रियल स्टेट्स की टीमों ने अपने खिलाडियों के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर प्रतिद्वंद्वी टीमों को परास्त कर अगले दौर में प्रवेश किया। पिम्स सिटी हॉस्पिटल की ओर से आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता में गुरुवार को खेले गए पहले मुकाबले में पिम्स यूनाईटेड ने पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर प्रियम गर्ग के 32 बॉल में बनाए 64 रन की बदौलत 211 रन बनाए। नमन ओझा ने 41 रन का योगदान दिया । दोनों बल्लेबाजों ने धुंआधार बैटिंग का प्रदर्शन कर दर्शकों को रोमांचित किया। क्रॉसवर्ड के शिवम शुक्ला ने तीन विकेट लिए। जवाब में क्रॉसवर्ड इंटरनेशनल स्कूल की टीम ने मात्र 12.2 ओवर में योजश आर शर्मा के 36 बॉल में 11 छक्कों और 10 चौकों की मदद से बनाए 116 रन की मदद से चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। योजश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

दोपहर बाद खेले गए दूसरे मुकाबले में मेवाड टूरिज्म क्लब ने 20 ओवर में चार विकेट खोकर 232 रन का पहाड जैसा स्कोर खडा किया। इसमें तेजेंद्र सिंह ढिल्लो ने 24 बॉल में दो छक्कों व छह चौकों की मदद से 50 रन, साहिल उल्लास पारख ने 33 बॉल में तीन छक्कों व पांच चौकों की मदद से 57 रन का योगदान दिया। जवाब में आदित्यम रियल स्टेट्स की टीम ने मात्र 18.4 ओवर में चार विकेट खोकर जीत के आवश्यक रन बना लिए। आदित्यम के अजय रोहेरा ने पांच छक्कों व 15 चौकों की बदौलत 55 गेंदों में 114 रन का योगदान दिया। अजय का मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

पुस्तक विमोचित

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान विद्यापीठ के कुलाधिपति कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने कुलपति सचिवालय में डॉ. प्राची शाकद्विपीय, डॉ. मिहीर शाकद्विपीय, डॉ. हिमांशु धुप्पड़, डॉ. सौम्या दर्शना द्वारा लिखित पुस्तक होम्योपेथी: बियोंड मिथ्स इन टू ट्रूथ पुस्तक का विमोचन किया।

प्रतियोगिता का आयोजन

राजसमन्द, (निसं)। बीएन पीजी गर्ल्स कॉलेज में भूगोल विभाग में भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्राचार्या प्रो. अपर्णा शर्मा ने बताया कि कुल 4० छात्राओं ने 8 टीमों के रूप में भाग लिया। टीमों के नाम नदियों के नाम के उपर थे जैसे टीम गंगा, टीम चम्बल, टीम बनास इत्यादि। संचालन कर रहे भूगोल विभाग के सह प्रभारी डॉ. कमलेश पालीवाल ने बताया कि प्रथम स्थान पर टीम गंगा, द्वितीय स्थान पर टीम यमुना और तृतीय स्थान पर टीम सिन्धु रही। प्रतियोगिता में विजेता रही छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिए गए।

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ/तामिर/2026/18239 दिनांक : 20.2.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टा शुद्वा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर भवन निर्माण में कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति कापता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्रीमती ललिता पानेरी पत्नि नन्दलाल पानेरी निवासी- जाट खिडकी मन्दिर, पीछे, नाथद्वारा	भूखण्ड क्षैत्रफल- 1208.76 वर्गफिट, जाट खिडकी मन्दिर, पीछे, नाथद्वारा	श्री शिवनारायण डाबी का मकान	आम रास्ता	आम रास्ता	श्रीमती पुष्पादेवी का मकान

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ/नामा./2026/18221 दिनांक : 20.2.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुदा/पट्टा शुदा के आधार पर भूखण्डों का नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति कापता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री नितिन श्रीमाली पिता श्री नर्वदाशंकर निवासी- श्रीनाथ कॉलोनी, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-38 क्षैत्रफल-1250 वर्गफिट, श्रीजी रेजीडेन्सी भलावतों का खेडा, नाथद्वारा	40 फिट रोड	भूखण्ड संख्या-55	भूखण्ड संख्या-37	भूखण्ड संख्या-39

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

दिया नशा नहीं करने का संदेश

उदयपुर, (कासं)। विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर दिव्यांगजन के लिए एक्टिविटी फेस्टिवल 2026 का आयोजन मीरा गर्ल्स कॉलेज खेल मैदान पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिव्यांगजन व्यक्तियों एवं बच्चों के लिए खेल, गीत- संगीत, खाना- नाश्ता डांस का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभागके संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर के साथ जिला खेल अधिकारी महेश पालीवाल की टीम द्वारा समस्त व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराया। दिव्यांगजन द्वारा पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ समस्त गतिविधियों में भाग लिया और इस आयोजन का आनंद उठाया। इस अवसर पर मुक बधिर बालक बालिकाओं ने अपने मौन को तख्तियों के सहारे प्रदर्शित कर आमजन को नशे के विरूद्ध अपना संदेश दिया।

आनुवंशिकी व पादप प्रजनन विभाग का अवलोकन किया

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी) के कुलपति डॉ. प्रताप सिंह ने शुक्रवार को राजस्थान कृषि महाविद्यालय के आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग में संचालित शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर राजस्थान कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एम.के. महला, विभागाध्यक्ष डॉ. हेमलता शर्मा, विभाग के संकाय सदस्य डॉ. अमित दाधीच, डॉ. अभय दशोरा, डॉ. पी.बी. सिंह सहित अन्य संकाय सदस्य डॉ. रविकांत शर्मा, सह निदेशक (अनुसंधान), डॉ. के.के. यादव एवं डॉ. सुभाष चंद्र मीणा एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों से संवाद कर विभाग में संचालित अनुसंधान एवं शिक्षण गतिविधियों की जानकारी ली।

उन्होंने संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों से उनके अनुसंधान कार्य को आवश्यकता-आधारित शोध पर केंद्रित करने का आ ान किया। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर कहा कि आज के तीव्र प्रतिस्पर्धी युग में केवल परंपरागत ज्ञान पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है।

समय की मांग है कि विद्यार्थी नवाचार की भावना, तकनीकी प्रवीणता तथा व्यावहारिक समझ को विकसित करें। उन्होंने बल देते हुए कहा कि स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण, निरंतर परिश्रम, दृढ अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। इस दौरान कुलगुरु ने विद्यार्थियों से अनुसंधान कार्यों तथा छात्रावास संबंधी समस्याओं पर विस्तृत संवाद किया।

डॉ. एम.के. महला ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु उपलब्ध सुविधाओं पर चर्चा की तथा भविष्य में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए बेहतर शैक्षणिक एवं अनुसंधान सुविधाएं उपलब्ध कराने की संकल्पना पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ. हेमलता शर्मा ने कुलपति, अधिष्ठाता एवं उपस्थित सभी संकाय सदस्यों के प्रति विभाग की ओर से आभार व्यक्त किया।

'हैंड्स ऑन एमआईएस पीडियाट्रिक व नियोनेटल वर्कशॉप' का समापन

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के शिशु शल्य चिकित्सा विभाग और इंडियन एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स (आईएपीएस) राजस्थान चौप्टर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय 'हैंड्स ऑन एमआईएस पीडियाट्रिक एंड नियोनेटल वर्कशॉप' शुक्रवार, 20 फरवरी को सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। इस कार्यशाला में देशभर से आए बाल शल्य चिकित्सकों (पीडियाट्रिक सर्जन्स) ने हिस्सा लिया और नवजात शिशुओं व बच्चों की जटिल बीमारियों के इलाज की सबसे उन्नत मिनिमली इनवेसिव सर्जरी (एमआईएस) तकनीकों का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि चिकित्सा विज्ञान में एमआईएस (दूरबीन और छोटे चीरे वाली सर्जरी) बच्चों के लिए एक बहुत बडा वरदान साबित हो रही है। पहले जिन जटिल ऑपरेशनों के लिए नवजात शिशुओं के शरीर पर बडे चीरे लगाने पडते थे, आज वही काम महज कुछ मिलीमीटर के सुराख (की-होल) के जरिए अत्याधुनिक उपकरणों और कैमरे की मदद से किया जा रहा है। इससे बच्चों को न केवल दर्द कम होता है, बल्कि अस्पताल में भर्ती रहने का समय भी घट जाता है, रिकवरी अत्यंत तेजी से होती है और शरीर पर बडे निशान भी नहीं रहते।

पीएमसीएच में 'हैंड्स ऑन एमआईएस पीडियाट्रिक व नियोनेटल वर्कशॉप' का समापन हुआ।

आयोजन सचिव डॉ. प्रवीण झंवर ने बताया कि कार्यशाला के इन पांच दिनों के दौरान थोरैकोस्कोपिक सीडीएच रिपेयर (डायाफ्रामेटिक हर्निया), लैप्रोस्कोपिक पायलोप्लास्टी (किडनी की नली की रुकावट), लैप्रोस्कोपिक आंशिक नेफ्रेक्टॉमी और लैप्रोस्कोपिक पुल थ्रू जैसी बेहद जटिल और संवेदनशील सर्जरियों का लाइव डेमोन्स्ट्रेशन किया गया।

ऑपरेशन थियेटर से सीधा प्रसारण सभागार में किया गया, जहां बैठे युवा सर्जन्स ने विशेषज्ञों से सीधे सवाल-जवाब किए और सर्जिकल बारीकियों को गहराई से समझा। कार्यशाला में अमेरिका (वर्जीनिया) से आए मुख्य अतिथि डॉ. अश्विन पिंपलवार के अलावा देश के अन्य ख्यातिनाम चिकित्सकों ने अपना ज्ञान साझा किया। एम्स जोधपुर के डॉ. राहुल सक्सेना, जयपुर के डॉ. रमेश टिंगल, कोटा के डॉ. समीर मेहता और वाराणसी की डॉ. चारु यादव ने लाइव ऑपरेशन कर आधुनिक सर्जिकल कौशलों का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने केस स्टडीज के माध्यम से ऑपरेशन के दौरान आने वाली संभावित चुनौतियों और उनके त्वरित समाधान पर भी विस्तार से चर्चा की।

पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने इस भव्य आयोजन की सफलता पर बाल शल्य चिकित्सा विभाग और पूरी आयोजन समिति को बधाई दी।

मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)। ओगणा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ महिला को आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने का प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित उदा पुत्र होमा कपाया निवासी महुला आम्बा ने आरोपी अम्बा निवासी सुमा पुत्र जटा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करकवाया।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर (राज.)

क्रमांक:- क.ब./2025-26/79 दिनांक:- 16.2.26
ऑनलाईन आवेदन नं. 155328

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि कच्ची बस्ती आवास सर्वे संख्या 110 जो डि-नोटिफाइड कच्ची बस्ती, इंद्रिरा कॉलोनी गोवर्धन विलास कच्ची बस्ती, उदयपुर में स्थित है। जिसका आकार 236.72 वर्गगज होकर आवासीय पट्टा जारी है। इस आवास को प्रार्थी श्रीमति मीरा देवी रावत पति/पिता श्री सज्जन सिंह रावत निवासी- इंद्रिरा कॉलोनी गोवर्धन विलास कच्ची बस्ती उदयपुर ने अपने नाम पर नामान्तरण जारी करने हेतु इस कार्यालय में दिनांक 10.10.2025 को आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका पड़ौस निम्नानुसार है :-

पूर्व- डालचन्द साहू का मकान
पश्चिम- सड़क एवं अन्य मकान
उत्तर- रावत फेमेली के मकान
दक्षिण- सड़क 30 फीट चौड़ी

पूर्व में उक्त सर्वे संख्या 110 जो डि-नोटिफाइड कच्ची बस्ती, इंद्रिरा कॉलोनी गोवर्धन विलास कच्ची बस्ती, उदयपुर कार्यालय नगर निगम उदयपुर के द्वारा दिनांक 19.09.2022 को श्री डालचंद साहु पिता रतनलाल के नाम आवासीय नियमन किया गया। वर्तमान में उक्त आवास श्री डालचंद साहु पिता रतनलाल के नाम आलेख दर्ज है।

प्रार्थी ने उक्त आवास स्व: घोषणा पत्र, पहचान पत्र, एवं विक्रय पत्र दिनांक 27-03-2025 के दस्तावेज के आधार पर अपने नाम पर नामान्तरण चाहा जा रहा है।

अत: समस्त आम खास को सूचित किया जाता है कि उक्त आवास प्रार्थी के नाम करने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिनों के भीतर इस कार्यालय में लिखित में प्रमाणित दस्तावेजों के साथ कच्ची बस्ती शाखा में प्रस्तुत करें, बाद समाप्त अवधि नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जायेगी।

सूचित हो। आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ./तामिर/2026/18116 दिनांक : 18.2.2026

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टा शुद्वा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर भवन निर्माण में कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो 7 दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी :-

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति कापता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री घनश्याम कुमावत पिता श्री चुन्नीलाल कुमावत, निवासी- नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या- 06/1D क्षैत्रफल-1246.87 वर्गफिट पावटी रोड श्रीनाथ कॉलोनी, विनायक विहार के पास, नाथद्वारा	विनायक विहार के मकानात	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या- 05/1E	भूखण्ड संख्या- 07/1C
1.	श्री घनश्याम कुमावत पिता श्री चुन्नीलाल कुमावत, निवासी- नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या- 05/1E क्षैत्रफल-1222.91 वर्गफिट पावटी रोड श्रीनाथ कॉलोनी, विनायक विहार के पास, नाथद्वारा	विनायक विहार के मकानात	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या- 04/1E	भूखण्ड संख्या- 06/1D
1.	श्री रितीक कुमावत पिता श्री घनश्याम कुमावत, निवासी- नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या- 04/1F क्षैत्रफल-1156.25 वर्गफिट पावटी रोड श्रीनाथ कॉलोनी, विनायक विहार के पास, नाथद्वारा	विनायक विहार के मकानात	30 फिट रोड	भूखण्ड संख्या- 03/1G	भूखण्ड संख्या- 05/1E

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय कार्यक्रम अधिकारी, महात्मा गांधी नरेगा पंचायत समिति गिर्वा, जिला-उदयपुर

क्रमांक: पंसगि/महानरेगा/लेखा/2025-26/1312 दिनांक: 20.02.2026

खुली बोली-निविदा सूचना 01-02/2025-26

इस कार्यालय अन्तर्गत कार्यालय उपयोग हेतु कम्प्युटर, लेपटॉप, प्रिन्टर एवं फर्नीचर आपूर्ति हेतु निर्धारित स्पेशिफिकेशन अनुसार इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओ/निवदादाताओं से दिनांक 26.02.2026 को दोपहर 12:00PM तक निविदाए आमंत्रित कि जाती है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय पर कार्य दिवस में प्रात: 9.30 से सांय 6.00 तक एवं htpp://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN Number- ZUD2526GSOB04658, ZUD2526GSOB04659

विकास अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी
महात्मा गांधी नरेगा
पंचायत समिति, गिर्वा

कार्यालय ग्राम पंचायत सारोठ जिला राजसमन्द (राज.)

क्रमांक: ग्राप/लेखा/ई-टेन्डर/2025-26/13 दिनांक:- 20.02.2026

ई-निविदा सूचना 02/2025-26/03/2025-26

ग्राम पंचायत सारोठ में निर्माण कार्यो को करवाने के लिए नियम 181 के तहत वाणिज्यिक कर विभाग में राजस्थान GST अधिनियम 2017/GST के अन्तर्गत पंजीकृत प्रतिठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट से ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा का पूर्ण विवरण, शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवंDowanload कर प्राप्त की जा सकती है। साथ ही कार्यालय के नोटिस बोर्ड से कार्य दिवसों में देखी जा सकती है।

NIB Code- ZRR2526A0641, ZRR2526A0640
UBN Code- ZRR2526WSRC0187 to 89

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत सारोठ
पंचायत समिति, भीम

कार्यालय ग्राम पंचायत बालातो की गुआर, पंचायत समिति भीम, जिला राजसमंद

क्रमांक: निविदा/ग्रा.पं.स/2025-26/SPL-26 दिनांक:- 19.02.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2025-26

ग्राम पंचायत बालातो की गुआर में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यो/संकर्म हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आनलाईन निविदाये आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।

NIB NO- ZRR25260647
UBN NO- ZRR2526WSRC01100

प्रशासक
ग्राम पंचायत बालातो की गुआर

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बालातो की गुआर

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति गिर्वा, जिला-उदयपुर

क्रमांक: निविदा/2025-26/ दिनांक:- 20.02.2026

-: खुली निविदा सूचना- 17/2025-26 :-

इस कार्यालय के अधीनस्थ में उपस्वास्थ्य केन्द्र नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्य हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत स्तर पर खुली-निविदाएं आमंत्रित कि जाती है अत: उक्त कार्य हेतु इच्छुक संवेदको/फर्मो से खुली बोली निविदाएं दिनांक:- 27.02.2026 को प्रात:- 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण/जानकारी sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

NIB- ZUD2526A3924
UBN No- ZUD2526WSOB04670 TO ZUD2526WSOB04675

विकास अधिकारी
पंचायत समिति, गिर्वा

पालरा औद्योगिक क्षेत्र में सॉस फैक्ट्री पर कार्रवाई

अजमेर । खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त टी. शुभमंगला, राजस्थान जयपुर के निर्देश तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर ज्योत्सना रंगा के आदेशों की अनुपालना में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत जिले में विशेष कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने पालरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मैसर्स डी के एस फूड्स का निरीक्षण किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी केसरी नंदन शर्मा और राजेश कुमार त्रिपाठी

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने पालरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मैसर्स डी के एस फूड्स का निरीक्षण किया।

■ **7600 किलो स्टॉक सीज किया**

द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान स्नेक सॉस (एपिक ब्रांड) के दो नमूने जांच के लिए लिए गए। जयपुर मुख्यालय से पूर्व में इसी ब्रांड की स्नेक सॉस का नमूना अनसेफ पाए जाने के बाद संबंधित सामग्री को रिकॉल करने और बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश जारी किए गए थे। निरीक्षण के दौरान शेष 7600 किलोग्राम सॉस को जांच रिपोर्ट आने तक बिक्री हेतु रोकते हुए सीज कर दिया गया। संबंधित बैच का पूर्व में अनसेफ पाया गया स्टॉक मौके पर नहीं मिला। निर्माता को निर्देशित किया गया कि वह संबंधित बैच की समस्त सामग्री को होलसेलर एवं रिटेलर से तत्काल वापस मंगवाए।

मौके पर फूड हैंडलर्स के मेडिकल सर्टिफिकेट, पेस्ट कंट्रोल और अन्य आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाए गए, जिस पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया जाएगा। विभाग द्वारा जिले में खाद्य नमूनीकरण और निरीक्षण की कार्रवाई निरंतर जारी है।

दूषित मिल्क केक नष्ट करवाया

सीकर (निसं)। खाटूश्यामजी के लक्खी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं का शुद्ध व ताजा खाद्य सामग्री उपलब्ध हो, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार खाद्य वस्तुओं के प्रतिष्ठानों का निरीक्षण एवं खाद्य सामग्री की जांच की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा लगातार वस्तुओं की जांच व प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने रींगस में 394 किलोग्राम मिल्क केक और 70 किलोग्राम अवधिपार खाद्य सामग्री नष्ट करवाई । खाद्य सुरक्षा अधिकारी फूल सिंह बाजिया और सुरेश कुमार शर्मा ने पिकअप गाड़ी द्वारा खाटू मेले में सप्लाई किए जा रहे मिल्क केक एवं मावे की मिङ्काई के सैम्पल लेकर मिलावट की आशंका पर 394 किलोग्राम मिल्क केक व मावा मिङ्काई को वाहन चालक निहानचंद निवासी घासौली जिला खैरथल तिजारा की सहमति से जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर नष्ट करवाया। साथ ही मिल तिराह, बीकानेर बस स्टैण्ड पर खाद्य वस्तुओं की दुकानों का निरीक्षण किया।

पंजाब ने दिया पानी का झटका, जैसलमेर तक असर, किसान धरने पर

बीकानेर । पश्चिमी राजस्थान में फसलें पकाव पर हैं और ऐसे में अचानक से पंजाब ने राजस्थान के किसानों को पानी का जोर का झटका दिया है। इसका असर हनुमानगढ़ - श्रीगंगानगर से लेकर बीकानेर और जैसलमेर तक पहुंचा है। जैसलमेर में तो पानी की मांग को लेकर किसान धरने तक आ गए।

दरअसल इन दिनों गेहूं, जौ, चना, सरसों समेत रबी की तमाम फसलें पकाव हैं।पछेती फसलों को आखिरी पानी की जरूरत है। उसके लिए पानी की मांग भी बढ़ गई। किसानों को 3 समूह की बारी में पानी मिल रहा है मगर बीते एक सप्ताह से पानी का ऐसा झटका लगा कि किसान तिलमिला गया। किसानों की बारियां पिट गई। वो भी ऐसे मौके पर जब फसलों को आखिरी पानी चाहिए। पानी कम मिलने की वजह पंजाब की सरहिंद फीडर की मरम्मत बताई जा रही है। दरअसल पंजाब इन दिनों सरहिंद फीडर की मरम्मत कर रहा है। इसलिए वो नहर पूरी तरह खाली करनी पड़ी। क्योंकि दोनों नहरें बराबर पर चलती है इसलिए दूसरी नहर में पानी का ज्यादा दबाव दिया नहीं जा सकता इसलिए पंजाब ने राजस्थान फीडर में अचानक पानी कम कर दिया। इतना कम कर दिया। राजस्थान को तीन समूह के लिए 7600 क्यूसेक की जगह आधा ही पानी मिला। 3हजार से 3500 क्यूसेक के करीब ही पानी मिला। ऐसे में बारियां पिटनी थी।

कई दिनों तक बारियां पिटने का असर ये हुआ कि किसान सड़क पर आ गया क्योंकि पूरी मेहनत के बाद जब फसल पकाव पर हो और उस वक्त पानी कम होने से फसलें सूखती हैं तो किसान की पूरी मेहनत बेकार जाती है। हालांकि गुरुवार से पानी की स्थिति में सुधार तो हुआ है मगर हरिके से छोड़े गए पानी का तत्काल असर अंतिम छोर तक नहीं होता। धीरे-धीरे असर होना शुरू तो हुआ मगर पूरी तरह होने में दो-चार दिन और लगेंगे।

20 फरवरी से नहर की अंतिम बारी सिंचाई का पानी मिलना शुरू होगा। इससे प्रत्येक किसान को एक-एक बारी ही पानी मिलेगा। क्योंकि अब सरसों, चना की कटाई शुरू हो गई इसलिए ज्यादातर गेहूं और जौ के लिए ही पानी की जरूरत पड़ेगी। फिर भी भले ही जरूरत आगे हो मगर 20 फरवरी के बाद सिंचाई का पानी नहीं मिलेगा। सिंचाई का पीन तो नहरबंदी से एक सप्ताह पहले ही इसलिए बंद हो जाएगा क्योंकि फिर पीने के पानी का भंडारण होगा। 20 मार्च से नहरबंदी है ऐसे में तब पीने के पानी की प्राथमिकता रहेगी।

कुकर्म करने वाले को 20 साल की सजा

चूरू, (कासं)। पोक्सो कोर्ट चूरू के न्यायाधीश अनिल कुमार गुप्ता (जिला न्यायधीश संवर्ग) ने आज एक फैसला सुनाते हुए 13 वर्षीय बालक के साथ कुकर्म करने वाले गिरधारी लाल को 20 साल के कङ्गोर कारावास की सजा से दंडित किया है।अभियुक्त गिरधारी लाल पुत्र भैराराम उम्र 31 साल निवासी दूंकर पुलिस थाना बीदासर ने 6 अक्टूबर 2024 को शाम 5 बजे एक नाबालिग को बुलाकर अपनी गाडी में बैङ्गा लिया और उसे कोडासर रोड पर एक खेत में ले गया। वहां उसे जबरदस्ती शराब पिलाई। उसके बाद मारपीट करके उसके साथ कुकर्म किया। गिरधारी लाल के साथ एक छोटी लड़की थी। गिरधारी लाल फोन पर बात कर रहा था, तब वह गाडी से उतर गया। पीड़ित के परिजनों ने बीदासर थाना में गिरधारी लाल के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।आज न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए गिरधारी लाल पुत्र भैराराम निवासी दूंकर पुलिस थाना बीदासर को 20 साल के कङ्गोर कारावास से दंडित किया है। राज्य सरकार की ओर से पैरवी विशिष्ट लोक अभियोजक हेम सिंह शेखावत ने की।

जाली नोट गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

■ **पांच-पांच सौ रुपये के 103 जाली नोट बरामद**

जयपुर/झालावाड़ (निसं)। राजस्थान में जाली मुद्रा के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान को झालावाड़ जिले के की मनोहर थाना पुलिस टीम ने गश्त और नाकाबंदी के दौरान जाली नोटों का चलन करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 500-500 के कुल 103 जाली नोट बरामद किए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि सफलता यह कार्रवाई उस समय हुई जब मनोहर थानाधिकारी महेंद्र कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम दांगीपुरा जोड़ पर मुस्तैदी से नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान अकलेरा रोड की तरफ से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस की मौजूदगी देख आरोपियों ने भागने की कोशिश की और मोटरसाइकिल घुमाने लगे, लेकिन सतर्क पुलिस जाब्ते ने घेराबंदी कर उन्हें मौके पर ही डिटेन कर लिया।

संदेह होने पर जब तीनों युवकों की गहनता से तलाशी ली गई तो उनके पास से भारतीय मुद्रा के 500 मूल्य के 103 जाली नोट बरामद हुए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नकली नोटों की खेप और परिवहन में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कमल सिंह तंवर (30), रामचरण उर्फ कालू तंवर (35) निवासी दांगीपुरा और देव सिंह तंवर (30) निवासी मनोहर थाना के रूप में हुई।

इस पूरे मामले में कांस्टेबल तेजाराम की विशेष और सक्रिय भूमिका रही, जिनके इनपुट से इस नेटवर्क को तोड़ना संभव हो सका। फिलहाल थाना झालरापाटन में संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन नकली नोटों की छपाई कहाँ हो रही थी और इनके तार और किन-किन गिरोहों से जुड़े हैं।

फिरौती मांगने के 5 आरोपी पकड़े

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना पुलिस ने अपहरण कर फिरौती मांगने के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वारदात में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली है। दोवडा थानाधिकारी ने बताया कि 25 अक्टूबर 2025 को एक महिला की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसमें बताया की उनका पुत्र 23 अक्टूबर की शाम पाटीदार समाज की कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने कोलखण्डा गया था। मैच खत्म होने के बाद सफेद कार में आए कुछ युवकों ने उसे जबरन अगवा कर लिया। आरोप है कि उसे अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर मारपीट की गई और फोन पर परिजनों से 1.20 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। डरे परिजनों ने आरोपियों की ओर से भेजे गए स्कैनर पर 70 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए। बाद में आरोपी युवक को रायणा गांव के पास घायल अवस्था में छोडकर फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मनीष कुमार ने जांच के निर्देश दिए। थानाधिकारी दोवडा के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भावेश पाटीदार और ललित पाटीदार को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। उनकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त कार जब्त की गई है। इसके बाद लोकेशए वैभव और जितेन्द्र उर्फ जितु को भी गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है।

Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com फोन न. 02962-280070 फेक्स न. 02962-260013 (का.)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001

क्रमांक : एफ () / कृअके/स्टोर/2026/270-74 दिनांक : 19/02/2026

चना की नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा पर ग्रेडेड चना लगभग 75.20 क्विंटल मय बारदान की नीलामी हेतु दरे बंद लिफाफे में दिनांक 25/02/2026 को दोपहर 01.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है तत्पश्चात उसी दिन कमेटी के समक्ष दोपहर 02:00 बजे लिफाफे खोले जाएगे। अतः इच्छुक व्यक्ति / ठेकेदार धरोहर राशि रू 6000/- नगद के साथ बंद लिफाफे में दरे भरकर निश्चित तिथि, समय एवं स्थान पर नीलामी में उपस्थित होवे। उच्चतम दर जिस निविदादाता की होगी, उसे निविदा की कुल राशि का 50 प्रतिशत तुरन्त जमा करवाना होगा एवं शेष 50 प्रतिशत राशि का चैक देना होगा। सम्पूर्ण राशि जमा होने के बाद ही उक्त चना को ले जाने की स्वीकृति प्रदान कि जायेगी। विस्तृत जानकारी हेतु कार्यालय समय में सम्पर्क करे।

संभागीय निदेशक अनुसंधान

Office of Krishi Upaj Mandi Samiti (F&V) Udaipur

Ref No./ e-NAM / 2025-26 / 883-91 Dated:- 13/02/2026

NIB NO.: 02 / 2025-26 DATED : 13-02-2025

E-Bids are invited from **Manufacturers/ Direct importers/ Authorized Dealer up to 5.00 P.M. of 24.02.2026** for procurement of **Cleaning, Grading Unit for Fruits and Vegitable for E-nam Scheme** on behalf of office of the **Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti (F&V) Udaipur.** Details may be seen in the Bidding Document at the office of the **Krishi Upaj Mandi Samiti (F&V)** Udaipur or State Public Procurement Portal website **"sppp.raj.nic.in"** or **"https://eproc.rajasthan.gov.in"** or website **"www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in"** The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 500/- through banker's cheque /demand draft in favour of **Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti (F&V) Udaipur** at Udaipur Details of bid are following:-

S.No.	BID Title	UBN No
1	Cleaning, Grading Unit For Fruits And Vegetables	DAM2526GLOB01209

Raj.Samwad/C/25/20863

Secretary
Krishi Upaj mandi
Samiti (F&V) Udaipur

राजस्थान सरकार

कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-F.32 (B) (After Policy 2026-27)/EX/L/2026-06481-9018219/713

दिनांक-20 02.2026

मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-नीलामी आमंत्रण सूचनाः-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4 (1) वित्त/आब/2026 दिनांक 27 जनवरी, 2026 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 में संशोधन के प्रावधानानुसार मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) की ऑनलाईन ई-नीलामी के लिये विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर निम्नानुसार ई-बोली आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.सं.	नीलामी की दिनांक	नीलामी का समय
1	06-03-2026	प्रातः 11.00 बजे से सांय 4.00 बजे तक

1. ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक बोलीदाता द्वारा विभागीय वेबसाइट https://iems.rajasthan.gov.in से अपने SSO ID के माध्यम से लॉगइन करते हुए विभागीय ई-ऑक्शन पोर्टल में निर्धारित प्रक्रियानुसार दिनांक 20.02.2026 प्रातः 11.00 बजे से एक बारीय पंजीकरण करने उपरान्त ऑनलाइन नीलामी में भाग लिया जा सकेगा। इच्छुक बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व सर्वप्रथम राजस्थान सरकार के पोर्टल https://sso.rajasthan.gov.in पर "Citizen" केटेगरी के अन्तर्गत SSO ID बनाना होगा।
2. नीलामी एक कार्य दिवस में न्यूनतम पांच घण्टे की होगी एव उसके पश्चात् जब तक बोली लगती रहे तब तक 10 मिनट के अनन्त विस्तार (indefinite extension) तक जारी रहेगी।
3. बोलीदाता को कम से कम रू. 10,000/- अथवा रू. 10,000 के गुणांक मे बढाकर बोली लगानी होगी।
4. बोलीदाता एक बार में रिजर्व प्राइस/पिछली बोली से 10 प्रतिशत से अधिक राशि बढाकर बोली नही लगा सकेगा।
5. कलस्टर का जिलेवार एवं उनके आवेदन शुल्क, न्यूनतम रिजर्व प्राईस एवं अमानत राशि का विवरण विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगा।
6. ऑनलाईन नीलामी में SSO ID के माध्यम से भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा कलस्टर का चयन कर आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि यथासंभव नीलामी की तिथि से एक दिवस पहले रात 11.59 तक https://iems.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर बोलीदाता के ऑनलाईन भुगतान द्वारा इस वेबसाईट पर जमा हो जानी चाहिये। ऐसा करने से बोलीदाता विभिन्न प्रकार की तकनीकी समस्याओं से बच सकेगे। ऑनलाईन भुगतान नही होने या अन्यथा तकनीकी कारणों से निर्धारित राशियां जमा नही होने के कारण बोली में भाग नहीं ले पाने के लिये आवेदक स्वंय जिम्मेदार होगा।
7. प्रत्येक कलस्टर के लिये ऑनलाईन निलामी में भाग लेने हेतु निर्धारित न्यूनतम रिर्जव प्राईस की 2 प्रतिशत राशि अमानत राशि के रूप में आवेदन के साथ जमा करायी जानी है। बिड राशि के अनुसार अतिरिक्त अमानत राशि (Dynamic Earnest Money) भी जमा करानी होगी।
8. सफल बोलीदाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेन्स फीस ई-नीलामी के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तों, जो विभागीय वेबसाईट पर उपलब्ध है, के अनुसार जमा करानी होगी।
9. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा-धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
10. वर्ष 2026-27 के पात्र अनुज्ञाधारियों को वर्ष कमशः 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तों पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
11. बोलीदाता को ई-नीलामी में भाग लेने से पूर्व विभागीय वेबसाईट https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा समस्त दिशा-निर्देश, प्रक्रिया एवं शर्तों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लिया जाना चाहिये।
12. मदिरा कलस्टर के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-नीलामी में भाग ले सकेंगें, जो राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस सम्बन्ध में विस्तृत दिशा निर्देश https://iems.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
13. ई-नीलामी के संबंध में अन्य सभी प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व नीति में संशोधन दिनांक 27.01.2026 तथा राजस्थान आबकारी अधिनियम, 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेगे।

DIPR/C/3631/2026 आबकारी आयुक्त, राजस्थान

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राज. जयपुर (राईस) द्वारा संचालित

कार्यालय प्रधानाचार्य देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय देवलेन जिला करौली

ई-मेल-SHRAWANGARGSITAPUR@GMAIL.COM, Mob. 9166232666

क्रमांक-निविदा/2025-26/583 दिनांक- 12.02.2026

खुली निविदा सूचना संख्या- 08/2025-26

राजस्थान रेजिडेन्सियल एजुकेशन इन्सटीट्यूशनल सोसायटी (राईस) जयपुर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संचालित देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय, देवलेन जिला करौली में Rajasthan Transparency in Public Procurement Act 2012 तथा Rajasthan Transparency In Public Procurement Rule 2013 एवं मानव संसाधन की सेवाओं के उपापनों के संबंध में वित विभाग के आदेश कमांक एफ.2 (1) वित्त / एसपीएफसी/2017 जयपुर दिनांक 30.04.2018, 09.07.2021 एवं एफ2 (1)/एफडी/एसपीएफसी/2017 दिनांक 14.11.2018 के तहत् विविध मानव सेवा (चौकीदार, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन, मैस कर्मी (हेड कुक, कुक), सफाईकर्मी, बागवान, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एवं प्रयोगशाला सेवक कार्य) की सेवाएं कार्यादेश जारी होने की दिनांक से एक वर्ष के लिए जॉब बेसिस पर उपलब्ध क्रवाये जाने हेतु इच्छुक श्रम आपूर्ति कर्ताओं/स्वयं सहायता समूहों / संवेदकों से निम्नानुसार ई निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं	जॉब बेसिस कार्य का नाम	स्वीकृत छात्रा संख्या	कार्मिकों की संख्या	अनुमानित राशि (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रोसेसिंग राशि	अमानता राशि (2 प्रतिशत)
1	चौकीदार-4, प्लम्बर व इलेक्ट्रिशियन-1, गैस कर्मी (हेड कुक-1, कुक-4), सफाईकर्मी-3. बागवान-1 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी-3 एवं प्रयोगशाला सेवक-2	280	19	27 लाख	1000/-	500/-	54000/-
2	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट इत्यादि डाउनलोड करने की तिथि व समय					13.02.2026 बजे दोपहर 01	
3	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रस्तुत करने की प्रारंभ तिथि व समय					13.02.2026, बजे दोपहर 01	
4	ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रपत्र बिड डेटाशीट अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय					23.02.2026 बजे दोपहर 02	
5	अमानता राशि, निविदा शुल्क, आर.आई.एस.एल. प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय					23.02.2026 सांय 04 बजे	
6	तकनीकि निविदा खोलने की तिथि व समय					24.02.2026 प्रातः 11 बजे	

ऑनलाइन बिडिंग के लिये निविदादाता का सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के अनुसार डिजिटल हस्ताक्षर होना आवश्यक है। निविदा दस्तावेज मय शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। तकनीकी निविदा उन्हीं निविदादाताओं की खोली जायेगी जिनके द्वारा दिनांक 23.02.2026 को सांय 04 बजे तक निविदा प्रतिभूति राशि 54000/- रु. के डिमाण्ड ड्राफ्ट (Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devlen, Karauli के नाम) एवं निविदा प्रपत्र शुल्क राशि 1000/-रू के डिमाण्ड ड्राफ्ट / ई-ग्रास भुगतान चालान (Principal Devnarayan Govt. Girls Residential School Devlen, Karauli के नाम) तथा ई. निविदा प्रोसेसिंग प्रक्रिया शुल्क 500/-रु के डिमाण्ड ड्राफ्ट/ई-ठास भुगतान चालान Managing Director RISL jaipur (payable at jaipur) के नाम कार्यालय में बंद लिफाफे में डाक द्वारा अथवा व्यक्तिशः मूल जमा करवाये हो। तकनीकी / वित्तीय निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित हो जाने अथवा तकनीकी समस्या होने पर अगले कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। उक्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्तारकर्ता को होगा। निविदा प्रपत्र में वांछित समस्त कॉलमो की पूर्ति अनिवार्य होगी। किसी भी निविदा को स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार उपापन समिति को होगा। निविदा प्रपत्र को वेबसाइट htpp://eproc.rajasthan.gov.in एवं htpp://sppp.rajsthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। इन निविदाओ में भाग लेने वाले संवेदकों को निविदा इलैक्ट्रोनिक फार्मेट में वेबसाइट htpp://eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवानी होगी। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्ते कार्यालय में कार्यालय समय एवं www.eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO- SOC2526SLOB00412
NIB - SOC2526A0383
DIPR/C/3493/2026

प्रधानाचार्य
देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय
देवलेन, जिला करौली

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

ई- अल्पकालिक निविदा सूचना संख्या- 21 (2025-26)

केंद्र / राज्य सरकार के विभागों एवं रा. रा. वि. प्र.नि.लि. के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत / मान्य व अनुभवी निविदाकारो से ई अल्पकालिक निविदा सूचना संख्या-21(2025-26) के क्र0 स0 01 अधिशाषी अभियन्ता (सिविल), रा0रा0वि0प्रसा0नि0लि0 हनुमानगढ के अन्तर्गत कार्यो हेतु प्रोक्यूरमेंट प्रकिया हेतु ऑनलाईन निविदा, आमंत्रित की जाती हैं। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा शुल्क, निविदा बेचे जाने तथा खुलने की तारीख, धरोहर राशि व निविदा विशिष्टियां आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in & www.rvpn.co.in पर देखा जा सकता है।

VPN2526WSOBO2879
Raj.Samwad/C/25/20905 RRVPN/TR-7389/2026 अधीक्षण अभियन्ता (सिविल) बीकानेर

राजस्थान सरकार

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

जोधपुर 342304 राजस्थान, भारत

ई-निविदा 26/2025-26

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Lab Equipment for CoA, Jodhpur की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN NO. : JAU2526GLOB00213 EPROC ID: 2026_AGUJD_538750_1

नियंत्रक(वित्त)

राज.संवाद / सी / 25 / 20859 कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय

(कृषि विश्वविद्यालय, कोटा)

पोस्ट ऑफिस, झालरापाटन - 326 023 झालावाड़ (राजस्थान)

COLLEGE OF HORTICULTURE & FORESTRY

(Agriculture University, Kota)

Post Office Jhalarapatan- 326 023, Jhalawar (Rajasthan)

Mob: 9887095532 E-mail - chf@aukota.org

No. F.11 ( )/CHF/JWR/tender/2026/1968 Date : 13.02.2026

ई-बोली सूचना

अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में स्मार्ट क्लासरूम के नवीनीकरण के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट http://aukota.org अथवा राजस्थान राज्य पोर्टल www.sppp//.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं भरा जा सकता है। टेंडर की अनुमानित कीमत 20.00 लाख रू. है।

NIB Code: AUK2526A0134
UBN: AUK2526GLOB00139

राज.संवाद / सी / 25 / 20853 अधिष्ठाता

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

AGRICULTURE UNIVERSITY, KOTA

बोरखेड़ा, बारां रोड़, कोटा 324001 (राज.)

Borkhera, Baran Road, Kota 324001 (Raj.)

Tel : 0744-2324530 Email:eoaukota@gmail.com

No.F.4( )/ AUK/VIGHYAPTI/EO/2026/533 Date : 13.02.2026

निविदा सूचना संख्या 09/2025-26

NIB code AUK2526A0137 and UBN is: AUK2526WSOB00142
NIB code AUK2526A0137 and UBN is: AUK2526WSOB00143
NIB code AUK2526A0137 and UBN is: AUK2526WSOB00144

कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के अभियान्त्रिकी विभागों में वेद्य पंजीकृत एवं आवश्यक योग्यताधारी संवेदकों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबवाईट http://aukota.org, eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। यह निविदा दिनांक 13.02.2026 को 6:00 बजे पूर्वान्ह से 23.02.2026 अपरान्ह 12.00 बजे तक बेची जावेगी।

राज.संवाद / सी / 25 / 20856 सम्पदा अधिकारी

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण

ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांकः- 4510-4525 दिनांकः- 13.02.2026

ई-निविदा सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति (फल सब्जी) जयपुर द्वारा मुख्य मण्डी प्रांगण टर्मिनल मार्केट मुहाना में इन्क्यूबेशन सेन्टर स्थापित किये जाने हेतु निविदा अनुसार प्रयोगशाला (Food Testing Labouratory) उपकरण क्रय किये जाने हेतु ऑनलाईन निविदा संख्या 26 / 2025-26 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र व शर्ते sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in/ https://agriculture.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है व eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा संख्या 26 / 2025-26 हेतु दिनांक 16.02.2026 से दिनांक 26.02.2026 सांय 6:00 बजे तक निविदा दरे प्रस्तुत कर भाग लिया जा सकता है।

UBN No.- DAM2526GLOB01211

सचिव

राज.संवाद / सी / 25 / 20909 कृ.उ.म.स.(फ.स.)जयपुर

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति 'विशिष्ट' श्रेणी, नागौर. (राज.)

क्रमांक : 20571218 दिनांक : 16.02.2026

निविदा आमंत्रित सूचना वर्ष 2026-27(कम्प्यूटर ऑपरेटर)

कृषि उपज मण्डी समिति, नागौर में निम्न निविदाओं की जिसकी अनुमानित लागत 25.00 लाख रूपये है। राजस्थान अनुबंधित श्रमिक (नियमन एवं उन्मूलंन) अधिनियम 1970, कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम, 1952, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948, वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी), आयकर (पैन नम्बर), राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम 1958 या इण्डियन पार्टनशिप एक्ट 1932 के अन्तर्गत या इण्डियन कम्पनी एक्ट 1956 के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों / संस्थाओं से ठेका पद्धति पर वार्षिक दर अनुबन्ध के आधार पर शर्तरहित निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका NIB NO. DAM2526A0735 व **UBIN NO. DAM2526SLRC01224** है।

जिससे सम्बन्धित विस्तृत विवरण http://www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा व डाउनलोड की जा सकता है।

राज.संवाद / सी / 25 / 20912 सचिव

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति समरानियां जिला बारां (राज.)

क्रमांक :- 587-94 दिनांक :- 16.02.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मण्डी समिति, समरानियां द्वारा चौकीदारी व्यवस्था, सफाई व्यस्था, जल व्यवस्था, कम्पयूटर ऑपरेटर विद मशीन व्यवस्था, प्रकाश रखरखाव व्यवस्था एवं कियोस्क ठेका हेतु रजिस्टर्ड प्रतिष्ठित फर्मो / अधिकृत डीलरों / विक्रेताओं से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्योरमेंट / एस.पी.पी.पी पोर्टल (www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in) के माध्यम से ऑनलाईन / ऑफलाईन निविदाऐं दिनांक 04.03.2026 को सायं 6:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in/www.eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय पोर्टल agriculture.rajasthan.gov.in/mandi पर भी देखी जा सकता है। निविदा की अनुमानित कुल लागत 55.50 लाख रु0 है।

NIB Code No. -: DAM2526A0727
UBN NO -: DAM2526WSOB01216 NIB Code No. -: DAM2526A0728
UBN NO -: DAM2526WSOB01217 NIB Code No. -: DAM2526A0729
UBN NO -: DAM2526WSOB01218
NIB Code No. -: DAM2526A0730
UBN NO -: DAM2526WSOB01219 NIB Code No. -: DAM2526A0731
UBN NO -: DAM2526WSOB01221 NIB Code No. -: DAM2526A0732
UBN NO -: DAM2526WSOB01222

राज.संवाद / सी / 25 / 20910 सचिव

THE BAR COUNCIL OF RAJASTHAN

Rajasthan High Court Campus, Jhalamand, Jodhpur - 342016

Email: secretary@barcouncilofrajasthan.org, Web: www.barcouncilofrajasthan.org

Phone : 0291-2545066, 2545251

Ref.No. BCR/Not.1/Elect/Ju/2026/01 Dated : 20-02-2026

Bar Council Rajasthan Election Notification, 2026

The Bar Council Rajasthan is hereby notified in terms of Order dated 18th November, 2025 of the Hon'ble Supreme Court of India in Writ Petition (Civil) No.1319/2023 titled as M. Varadhan vs. Union of India and Ors. The Schedule of the Election is as under: -

1	Date of Election Notification	20th February, 2026
2	Preparation and Publication of Provisional electoral rolls	07th March, 2026
3	Inviting objections to the electoral rolls	08th March, 2026 to 14th March, 2026
4	Publication of final electoral rolls	21st March, 2026
5	Receipt of Nominations at the Office of Bar Council of Rajasthan at Jodhpur (Physical mode or by Regd. AD/Speed Post mode)	22nd March, 2026 to 28th March, 2026 10:00AM to 05:00 PM
6	Scrutiny of nomination documents	29th March, 2026 & 30th March, 2026
7	Publication of list of candidates	30st March, 2026
8	(I) Total number of seats (ii) Number of seats for which election is to be held (iii) To be co-opted (iv) Minimum number of seats that have to be filled from amongst the advocates who have been on the State Rolls for at least 10 years (v) Minimum number of seats that have to filled from amongst the Women candidates	25 seats 23 seats 02 seats 12 seats 05 seats
9	Last date of withdrawal of candidature	31st March, 2026 to 2nd April, 2026 upto 05:00 PM
10	Publication of the final list of candidates	2nd April, 2026 After 05:00 PM
11	Elections as per preferential system of votes (Date of Polling)	22nd April, 2026 10:00 AM to 05:00 PM
12	Assembling of Ballot Boxes	22nd April, 2026 to 28th April, 2026
13	Scrutiny of Ballot Boxes and counting of votes	29th April, 2026
14	Publication of result	On completion of counting

Rajasthan Bar Council is directed to take appropriate steps for publication of this notice in the Official Gazette and two newspapers. Rajasthan Bar Council shall put this notification on the website of the Bar Council of Rajasthan as well as on the notice board of Bar Council of Rajasthan and Bar Associations.

Note : (i) Nomination forms shall be available for sale at the office of Bar Council of Rajasthan at Jodhpur on payment of Rs. 5,000/- (Rupees Five Thousand Only). Maximum 4 (four) nomination papers will be issued per candidate.
(ii)Every nomination paper shall be accompanied by a non-refundable fee. of Rs. 1,25,000/-(Rupees One Lakh Twenty-Five Thousand Only) by way of Bank Draft/ Bankers Cheque in favour of "BAR COUNCIL OF RAJASTHAN' payable at Jodhpur or online.
(iii)An Advocate belonging to the specially abled category contesting the Election of the Bar Council shall be required to pay a symbolic nomination fee of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen Thousand Only) by way of Bank Draft/ Bankers Cheque in favour of "BAR COUNCIL OF RAJASTHAN" payable at Jodhpur or online instead of Rs. 1,25,000/- (Rupees One Lakh Twenty-Five Thousand Only), as per Order dated 5th January, 2026 passed by the Hon'ble Supreme Court of India, in Pankaj Sinha vs. Bar Council of India & Ors. in Writ Petition(s) (Civil) No.(s) 1261/2025.
(iv)There shall be no separate ballot paper for the women advocates contesting the Election of Bar Council of Rajasthan, as per Order dated 16th January, 2026 of the Hon'ble Supreme Court of India.

Approved by Committee on 18th February, 2026

Acting Secretary,
Bar Council of Rajasthan
Issued with the approval of
High-Powered Election Committee

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, नगर खण्ड प्रथम कोटा

क्रमांक/अ.अ./न.ख.प्र./क्रय/2025-26/3631-3650 दिनांक-12/02/2024

निविदा 16/2025-26 संशोधन सूचना संख्या 02

UBN Code:- (PHE2526WSOB11492)

इस कार्यालय के पत्रांक 3351-71 दिनांक 23.01.2026 से निविदा संख्या 16/2025-26 के आईटम संख्या 1 से 4 नगर खण्ड प्रथम कोटा के अधीन समानान्तर दर संविदा के आधार पर पेयजल परिवहन के कार्य (मय जीपीएस) की तकनीकी बोली प्रपत्रों में शर्त संख्या 07 संवेदक को सम्बन्धित कार्य करने का अनुभव प्रमाण पत्र की शर्त को निरस्त किया जाता है साथ ही निविदाओं की दिनांकों में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है।

ऑन लाईन निविदा				संशोधित दिनांक			
डाउन लोड प्रारम्भ की दिनांक व समय	अपलोड करने की अंतिम दिनांक व समय	निविदा शुल्क/ निविदा प्रपत्र जमा की दिनांक व समय	बिड खोलने की दिनांक व समय	डाउन लोड प्रारम्भ की दिनांक व समय	अपलोड करने की अंतिम दिनांक व समय	निविदा शुल्क/ निविदा प्रपत्र जमा की दिनांक व समय	बिड़ खोलन की दिनांक व समय
02.02.26 10.00 AM	02.02.26 to 12.02.26 6.00 PM तक	13.02.26 01.00 PM	13.02.26 02.00 PM	02.02.26 10.00 AM	02.02.26 10.00 AM to 23.02.26 6.00 PM तक	24.02.2026 01.00 PM	24.02.2026 2.00 PM

NIB Code:- PHE2526A1354
UBN Code:- (PHE2526WSOB11492)
Mobile No.: 8949857178
R.O. No. 1749/05-02-2026

शेष शर्ते यथावत रहेगी।

(अभिषेक मिश्रा)
अधिशाषी अभियंता
जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
नगर खण्ड प्रथम कोटा

DIPR/C/3569/2026

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद जालोर

क्रमांक : एफ( )/निविदा/2025-26/4480-4487 दिनांक 13.02.2026

NOTCE INVITING BID

NIT NO 60-67/ 2025-26

Bids for NRM Works Under PMKSY-2.0 project area in Jaswantpura, Chitalwana, Sanchore of Ahore, estimated Value INR 27.46 Lacs are invited from interested bidders Up to 1.00 PM 23-02-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal https://Sppp.rajasthan.gov.in/) of the state.

NIT NO.	Work Name & Block	NIB NO.	UBN NO.
NIT-60/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY JASWANTPURA I AND CB Study Tour Within the State	WSC2526A1674	WSC2526SSRC02900
NIT-61/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY SANCHORE I AND CB Study Tour Within the State	WSC2526A1675	WSC2526SSRC02901
NIT-62/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY CHITALWANA I AND CB Study Tour Within the State	WSC2526A1676	WSC2526SSRC02902
NIT-63/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY AHORE I AND CB Study Tour Within the State	WSC2526A1677	WSC2526SSRC02903
NIT-64/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY JASWANTPURA I AND CB Study Tour outside the State	WSC2526A1678	WSC2526SSRC02904
NIT-65/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY Sanchore I AND CB Study Tour outside the State	WSC2526A1679	WSC2526SSRC02905
NIT-66/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY Chiatalwana I AND CB Study Tour outside the State	WSC2526A1680	WSC2526SSRC02906
NIT-67/2025-26 PMKSY 2.0	PMKSY AHORE I AND CB Study Tour outside the State	WSC2526A1681	WSC2526SSRC02907

Raj.Samwad/C/25/20900

SE & PMWCDC, ZILA PARISHAD, JALORE
DDO CODE NO. 28606

जल महल पर सूर्य किरण और सारंग ने हैरतअंगेज करतबों से किया रोमांचित

आसमान में सधे हुए अंदाज़ में उड़ते हेलिकॉप्टरों ने जटिल संरचनाएँ बनाईं और हैरतअंगेज एरियल मूवमेंट्स का प्रदर्शन किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर में शुक्रवार को जल महल पर भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन हुआ। भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित ब्रांड एंबेसडर सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने हैरतअंगेज करतबों से हजारों दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की उपस्थिति रही। उनके साथ प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, सेना के वरिष्ठ अधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कूली विद्यार्थी तथा बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

जल महल की पाल से खुले आसमान में सारंग हेलिकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने अपने पांच रंग-बिरंगे हेलिकॉप्टरों के साथ सटीकता और सामूहिक समन्वय का अद्भुत प्रदर्शन किया। आसमान में सधे हुए अंदाज़ में उड़ते हेलिकॉप्टरों ने जटिल संरचनाएँ बनाईं और हैरतअंगेज एरियल मूवमेंट्स प्रस्तुत कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

हेलिकॉप्टरों की सटीक दूरी, संतुलन और तालमेल भारतीय वायु सेना के अनुशासन एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का जीवंत उदाहरण रहा, जिसकी दर्शकों ने जमकर सराहना की।

इसके पश्चात जब लाल-सफेद रंग के आकर्षक एचएडब्ल्यूके एमके-132 जेट विमानों ने उडान भरी तो वातावरण तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सूर्य किरण एरोबैटिक टीम ने लूप, बैरल रोल, उलटी उडान, फॉर्मेशन फ्लाइंग तथा लोकप्रिय 'डीएनए' संरचना जैसे जटिल और रोमांचक करतबों का प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। आकाश में लहराते तिरंगे रंगों ने दर्शकों के मन में गर्व और देशभक्ति का भाव भर दिया।

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम के तीन प्रतिभाशाली पायलट विंग कमांडर राजेश काजला, विंग कमांडर अंकित वशिष्ठ और स्क्वाड्रन लीडर संजेश सिंह जयपुर के ही निवासी हैं। अपने गृह नगर में साहस, हुनर और कौशल का प्रदर्शन करना उनके लिए विशेष गौरव का क्षण रहा। दर्शकों ने जांबाज पायलटों के सम्मान में खड़े होकर तालियों से उनका अभिनंदन किया।

यह आयोजन विशेष रूप से युवाओं और एनसीसी कैडेट्स के लिए प्रेरणास्त्रोत बना। कार्यक्रम ने उनमें देशभक्ति, साहस और सैन्य सेवा के प्रति उत्साह का संचार किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। रविवार को जल महल पर एरोबैटिक डिस्प्ले का मुख्य एवं विस्तृत आयोजन किया जाएगा, जिसमें और भी भव्य हवाई करतब देखने को मिलेंगे।

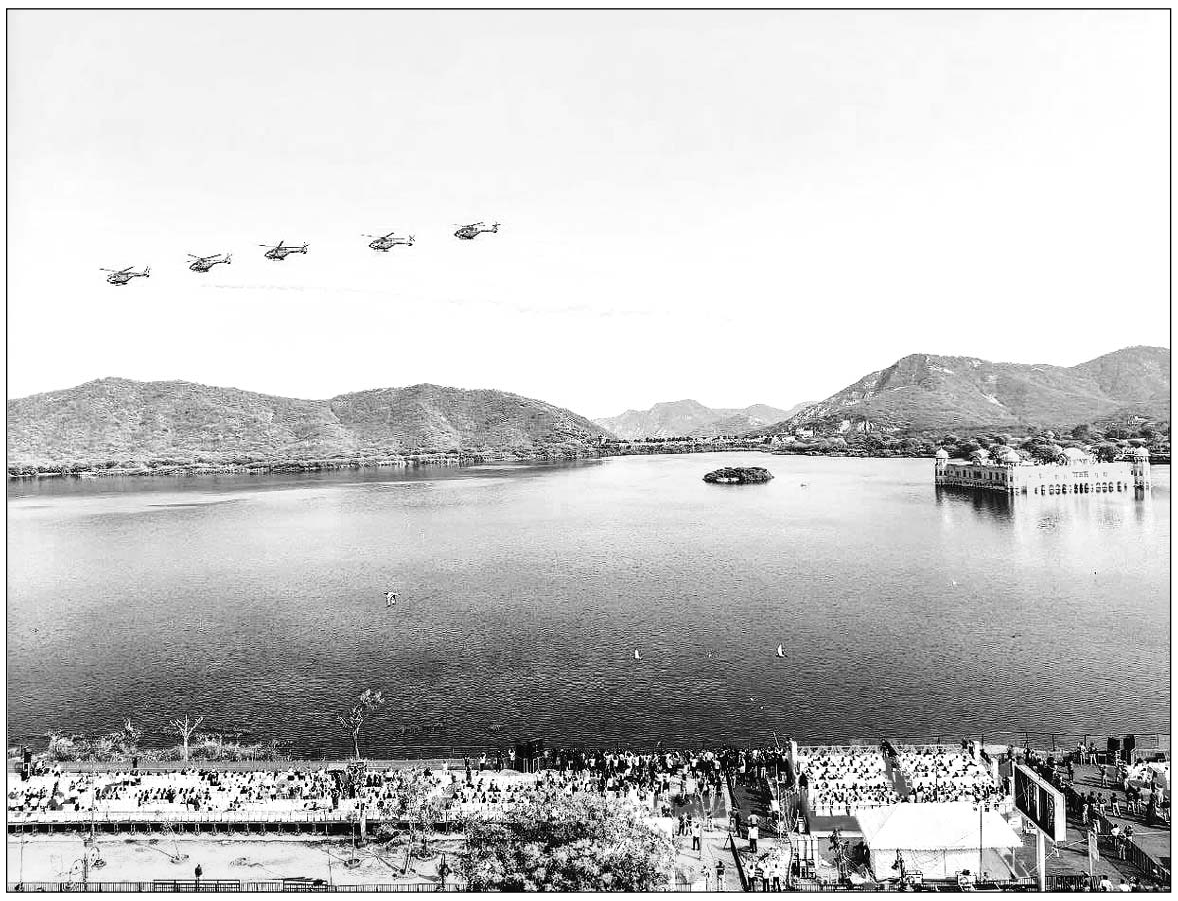

जयपुर में शुक्रवार को जल महल पर भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और शौर्य का अद्भुत प्रदर्शन हुआ।

आयकर छापेमारी में कान्हा ग्रुप के पास मिली करोड़ों रु. की ज्वैलरी

आयकर टीम को खुफिया स्ट्रॉन्ग रूम मिले जेवरात, एक करोड़ रु. नकद सहित 10 लॉकर चिन्हित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान की प्रसिद्ध फूड चेन कान्हा रेस्टोरेंट समूह पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट (आयकर विभाग) की कार्रवाई शुक्रवार तीसरे दिन भी जारी रही। बुधवार सुबह शुरू हुई इस समन्वित छापेमारी में जयपुर सहित छह शहरों और मुंबई तक फैले 33 ठिकानों पर सर्च किया जा रहा है। जयपुर में सर्वाधिक 26 परिसरों-कार्यालय, गोदाम और अन्य प्रतिष्ठानों-की जांच चल रही है।

आयकर विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान एक ठिकाने पर दीवार के पीछे बना खुफिया कक्ष मिला। संदेह होने पर दीवार तोड़ी गई तो भीतर मजबूत स्ट्रॉन्ग रूम मिला। जहां से करीब पांच करोड़ रुपये मूल्य की

- **शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन कान्हा ग्रुप के 33 ठिकानों पर छापेमारी जारी रही**

ज्वैलरी बरामद हुई। सरकारी मूल्यांकनकर्ता आभूषणों का आंकलन कर रहे हैं। अब तक करीब एक करोड़ रुपये नकद भी जब्त किए जा चुके हैं। उससे यह साफ है कि यह टैक्स चोरी का आंकड़ा 100 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा।

इसके अलावा आयकर टीम को 10 बैंक लॉकरों की और जानकारी मिली है, जिन्हें खुलवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार लॉकरों में बेनामी संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और सोना मिलने की आशंका है। सूत्रों की मानें तो आयकर विभगा की जांच का दायरा रेस्टोरेंट कारोबार से आगे बढ़कर रियल एस्टेट निवेश तक पहुंच गया है। आमेर स्थित ताज होटल और कूकस के कुंदन वन होटल में निवेश की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। विभाग को संदेह है कि लाभ कम दिखाकर धन को आलीशान संपत्तियों में लगाया गया। आयकर टीमें बैंक खातों, डिजिटल रिकॉर्ड, नकद लेन-देन, प्रॉपर्टी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक डेटा की गहन जांच कर रही हैं। बड़ी मात्रा में फाइलें व डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए हैं। कार्रवाई की गंभीरता को देखते हुए छापेमारी आगे भी जारी रहने की संभावना है।

रैलिंग तोड़कर स्कॉर्पियो में घुसी लोहे की रॉड

जयपुर (कासं)। मुरलीपुरा क्षेत्र में शुक्रवार अलसुबह हुए भीषण सड़क हादसे में 28 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बनी लोहे की रैलिंग और जाली तोड़ते हुए उसमें जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि लोहे का एंगल वाहन का शीशा चीरता हुआ चालक के सीने में जा धंसा।

हैड कांस्टेबल रविंद्र कुमार ने बताया कि हादसे में आनंद सिंह शेखावत (28) निवासी सुंदर विहार करधनी की मौत हुई है। वह स्कॉर्पियो चला रहा था। उसके साथ उसका दोस्त शक्ति प्रताप (22) निवासी मुरलीपुरा बैठा था। जो इस हादसे में बाल-बाल बच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों दोस्त गुरुवार रात किसी कार्य से निकले थे।

रात करीब 2:40 बजे दादी का फाटक से मुरलीपुरा की ओर जाते समय केडिया चौराहे के पास वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह रेलिंग से जा टकराया। सूचना पर मुरलीपुरा थाना पुलिस और दुर्घटना थाना पश्चिम की टीम मौके पर पहुंची।

रीको भर्ती की अंतिम तिथि 7 मार्च तक बढ़ी

जयपुर। राज्य के प्रतिष्ठित उपक्रम राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) में विभिन्न संवर्गों में चल रही भर्ती प्रक्रिया के तहत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 मार्च 2026 कर दी गई है। साथ ही चार संवर्गों में कुल 23 पदों की वृद्धि की गई है।

पदों में की गई बढ़ोतरी के अनुसार सहायक लेखाधिकारी ग्रेड-द्वितीय का 1 पद, कनिष्ठ विधि अधिकारी के 10 पद, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय के 11 पद तथा प्रारूपकार का 1 पद बढाया गया है। पदों की संख्या में वृद्धि के चलते आवेदन की अंतिम तिथि को विस्तारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि रीको ने 20 जनवरी 2026 को कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक, प्रोग्रामर, सहायक लेखाधिकारी-द्वितीय, कनिष्ठ विधि अधिकारी, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय, प्रारूपकार एवं कनिष्ठ सहायक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की थी। पद वृद्धि के बाद अब कम्पनी सचिव, सहायक नगर नियोजक एवं प्रोग्रामर के 1-1 पद, सहायक

- **विभाग ने इस भर्ती में 23 पदों की बढ़ोतरी की**

लेखाधिकारी-द्वितीय के 22 पद, कनिष्ठ विधि अधिकारी के 14 पद, निजी सहायक ग्रेड-द्वितीय के 19 पद, प्रारूपकार के 9 पद तथा कनिष्ठ सहायक के 54 पदों पर भर्ती की जा रही है। अभ्यर्थी सभी पदों के लिए सात मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

जिन उम्मीदवारों ने पूर्व में विज्ञापित पदों के लिए आवेदन किया है, उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे अभ्यर्थियों को पूर्व आवेदन के आधार पर पात्र माना जाएगा, बशर्ते वे विज्ञापन की शर्तों की पालना करते हों। रीको में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर माना जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया, नियम एवं शर्तों तथा परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी रीको की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

181 हैल्पलाइन पर 35 आईएएस सुनेंगे समस्याएं

जयपुर (कासं)। प्रदेश में आमजन की शिकायतों के समय पर निपटारे को लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर 35 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर सीधे ड्यूटी देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सचिव से लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव स्तर तक के अधिकारी अब सचिवालय स्थित कॉल सेंटर में बैठकर खुद लोगों के फोन उठाएंगे। प्रत्येक अधिकारी प्रतिदिन कम से कम 10 कॉल रिसीव करेगा और समस्याओं का यथासंभव त्वरित समाधान सुनिश्चित करेगा। इस संबंध में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने आदेश जारी किए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे संपर्क पोर्टल पर दर्ज पुरानी लंबित शिकायतों में से कम से कम 10 मामलों का चयन करें, जिनका समाधान आसानी से संभव है लेकिन वे लंबे समय से अटके हुए हैं। इन मामलों का निस्तारण कर संबंधित व्यक्तियों को जवाब देना अनिवार्य होगा। अक्सर प्रमाण पत्र जारी करने, बिजली-पानी आपूर्ति, सफाई और अन्य बुनियादी सेवाओं से जुड़ी शिकायतें लंबित रहती हैं, जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं भी 181 कॉल सेंटर का दौरा कर रहे हैं और आमजन से सीधे संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रमों में भी शिकायतों के त्वरित समाधान पर जोर दिया जा रहा है।

इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में कांग्रेस का आचरण दुर्भाग्यपूर्ण : मुख्यमंत्री

'अंतर्राष्ट्रीय मंच से देश की छवि को धूमिल करने का कांग्रेस का प्रयास निंदनीय'

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 के प्रतिष्ठित और गौरवशाली अंतरराष्ट्रीय मंच पर कांग्रेस के आचरण को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि जब पूरा विश्व भारत की तकनीकी प्रगति, नवाचार क्षमता और उज्ज्वल भविष्य की सराहना कर रहा है, उस समय कांग्रेस द्वारा देश की छवि को धूमिल करने का यह प्रयास निंदनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट में विश्वभर से आए विदेशी प्रतिनिधि, निवेशक और दिग्गज तकनीक विशेषज्ञ भारत की बढ़ती वैश्विक साख, डिजिटल क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उभरती नेतृत्वकारी भूमिका पर सकारात्मक चर्चा कर रहे थे। ऐसे अवसर पर भी कांग्रेस ने अंतरराष्ट्रीय मंच से देश की छवि को नीचा दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया नया नहीं है। कांग्रेस ने व्यापार समझौतों पर भ्रम फैलाने से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' और गलवान में वीरता दिखाने वाले सैनिकों के शौर्य पर प्रश्नचिह्न लगाने तक, अनेक अवसरों पर राष्ट्रहित से ऊपर अपने राजनीतिक स्वार्थ को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस ने करोड़ों भारतीयों के स्वाभिमान को चुनौती दी है। भारत की प्रतिष्ठा किसी दल की नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की सामूहिक अस्मिता से जुड़ी है। इसे आहत करने का अधिकार किसी को नहीं है।

- **कांग्रेस ने हमेशा राजनीतिक स्वार्थ को राष्ट्रिहत से ऊपर रखा : भजनलाल शर्मा**

उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व को बिना विलंब देशवासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। जनता कांग्रेस की इस नकारात्मक और अवसरवादी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी।

विधानसभा में भजनलाल सरकार के 2 वर्ष बनाम कांग्रेस के 5 वर्ष पर चर्चा आज

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सदन में बताया कि शनिवार को राजस्थान विधान सभा की बैठक होगी और इस दिन प्रश्नकाल और शून्यकाल दोनों ही नहीं होंगे। देवनानी ने बताया कि शनिवार को राजस्व की मांगों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि शनिवार को सरकार के 2 वर्ष प्रगति एवं उत्कर्ष 2024-25-2026 के प्रतिवेदन पर भी चर्चा होगी। ज्ञात रहे कि पिछले दिनों सदन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपनी सरकार के कार्यकाल की तारीफ करते हुए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के 5 वर्षों की खामियों को उजागर किया था।

- **सदन में आज प्रश्नकाल-शून्यकाल नहीं होंगे : देवनानी**

उन्होंने सदन में कांग्रेस को खुली चुनौती दी थी कि, वे अपने 2 वर्ष के कार्यकाल और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के 5 वर्ष के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों पर चर्चा करने को तैयार है। इसके बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सदन में इसकी व्यवस्था दी थी।

इंटर डिस्कॉम तबादलों पर बनेगी उच्च स्तरीय समिति

जयपुर (विसं)। प्रदेश के पावर सेक्टर में इंटर डिस्कॉम तबादलों के मुद्दे पर सरकार ने उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए ऊर्जा राज्यमंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि विद्युत वितरण निगमों में कार्यरत कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित स्थानांतरण संबंधी समस्याओं पर विचार करने के लिए एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाई जाएगी।

किरोड़ीलाल को हैसियत के अनुरूप पद नहीं मिला : रामकेश मीणा

सदन में उपनेता प्रतिपक्ष ने मंत्री किरोड़ीलाल की तारीफ में कसीदे गढ़े

जयपुर (विसं)। कांग्रेस विधायक एवं उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने विधानसभा में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की तारीफ करते हुए कई टिप्पणियां कीं, जिससे सदन का माहौल गर्मा गया। जिस पर सभापति ने आपत्तिजनक टिप्पणी को कार्यवाही से निकालने के निर्देश दिए।

रामकेश मीणा ने अनुदान मांगों पर बहस के दौरान कहा कि, डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने भाजपा के लिए काफी काम किया, लेकिन उन्हें उनकी हैसियत के अनुरूप पद नहीं मिला। उन्हें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या गृहमंत्री बनाया जाना चाहिए था।

इस पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने तंज कसते हुए कहा कि कहीं डॉ. किरोड़ी गंगापुर से चुनाव न लड़ लें, इसलिए उनकी तारीफ की जा रही है। जवाब में रामकेश मीणा ने कहा कि डॉ. किरोड़ी उनके समाज के बड़े नेता हैं और यदि वे गंगापुर से चुनाव लड़ते हैं तो वे स्वयं सीट खाली करने को तैयार हैं।

- **मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने चुटकी लेते हुए कहा कि ''कहीं डॉ. किरोड़ी गंगापुर से चुनाव न लड़ लें, इसलिए उनकी तारीफ की जा रही है।'' जिसके जवाब में रामकेश मीणा ने कहा कि डॉ. किरोड़ी उनके समाज के बड़े नेता हैं और यदि वे गंगापुर से चुनाव लड़ते हैं तो वे स्वयं सीट खाली करने को तैयार है।''**

रामकेश ने कहा कि भाजपा पर जब भी कोई संकट आया तो इस बीजेपी को संकट से निकलने का काम किसी ने किया तो उसका नाम डॉ. किरोडी लाल मीणा है। ईआरसीपी को लेकर डूंगरी बांध का मामला चल रहा है। जहां आंदोलन में लाखों लोग इकट्ठे हुए है। बीजेपी का एक व्यक्ति डूंगरी बांध आंदोलनकारियों के बीच जाकर अपनी बात कह दे, तो मान लूंगा। आप किरोड़ीलाल मीणा को भेजेंगे, वहां बैठने के लिए कहेंगे। लेकिन जब अधिकार लेने के बात आती है तो उन्हें आखिरी पंक्ति में बैठा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि किरोड़ीलाल लाल मामूली व्यक्ति नहीं है, क्या समझ रहे हो भाजपा की ताबूत में आखिरी कील ठोकेगा तो वह किरोड़ीलाल मीणा है। आपने उनकी सारी शक्तियां छीन ली।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम ने आपत्ति जताते हुए कहा कि किरोड़ीलाल को कौन सी शक्ति नहीं दी, यह कौन सी डिमांड है? जोगेश्वर गर्ग ने कहा दौसा में उपचुनाव हुए तब भूल क्यों गए थे, किरोड़ी को क्यों हारे ? बहस के दौरान हुई तीखी टिप्पणियों से सदन का माहौल गरमा गया, हालांकि बाद में सभापति ने आपत्तिजनकर शब्दों को सदन की कार्यवाही से बाहर निकालने के निर्देश दिए। कांग्रेस विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि सदन में जमाना कितना भी डिजिटल हो जाए लेकिन रोटी गूगल से डाउनलोड नहीं हो सकती। किसानों के ऋण वितरण समय पर होने चाहिए। ऋण माफ कर किसानों को परजीवी मत बनाओ। इसका स्थाई समाधान निकाला जाना चाहिए।

आमेर मावठे में नौका विहार का लुत्फ उठा सकेंगे पर्यटक

20 वर्षों के इंतजार के बाद गुलाबी नगरी में पुनः शुरू हुई व्यवस्था

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। विश्व प्रसिद्ध आमेर महल की तलहटी स्थित मावठा सरोवर में करीब दो दशक बाद फिर से बोटिंग सेवा शुरू की जा रही है। लगभग 20 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यहां ट्रायल संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। जिससे आमेर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। परियोजना प्रभारी सुमित सिंह ने बताया कि 22 फरवरी को दोपहर 2 बजे से ट्रायल शुरू होगा। ट्रायल सफल रहने पर इसी दिन से आम पर्यटकों के लिए आधिकारिक संचालन आरंभ कर दिया जाएगा। बोटिंग संचालन का अनुबंध पर्यटन विभाग ने जसराज इंफ्रा को दिया है। कंपनी ने सरोवर पर दो जेटी स्थापित की हैं।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में 25 पैडल बोट, 5 कश्मीरी शैली की शिकारा, 20 सीटर और 30 सीटर लग्जरी बोट संचालित की जाएंगी। 30 सीटर लग्जरी बोट विशेष आकर्षण रहेगी, जबकि हेरिटेज लुक वाली नावें भी जल्द शामिल की जाएंगी। किराया दरें शीघ्र घोषित की जाएंगी। वहीं अधिकारियों की निगरानी में सुरक्षा मानकों, जेटी प्रबंधन और रेस्क्यू सिस्टम का परीक्षण किया जा रहा है। सभी पर्यटकों को लाइफ जैकेट दी जाएगी तथा प्रशिक्षित नाविक, गोताखोर और रेस्क्यू बोट तैनात रहेंगी। हरी-भरी अरावली पहाड़ियों के बीच शांत जल में आमेर महल का प्रतिबिंब और तैरती नावें पर्यटकों को विशेष अनुभव देंगी। पर्यटन विभाग ने कालबेलिया नृत्य जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम और भविष्य में लाइट एंड साउंड शो की भी योजना बनाई है। सरोवर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी जाएगी।

पर्यटन विभाग के अधिकारियों के अनुसार पर्यटकों के लिए बोटिंग करने का किराया भी जल्द तय किया जाएगा। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लाइफ जैकेट, प्रशिक्षित नाविक और आपातकालीन व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। इसके साथ ही मावठा सरोवर की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

आमेर महल की तलहटी स्थित मावठा सरोवर में करीब दो दशक बाद फिर से बोटिंग सेवा शुरू की जा रही है। लगभग 20 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद यहां ट्रायल संचालन प्रारंभ कर दिया गया है।

सीवरेज प्लांट्स पर मंत्री के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों का वॉकआउट

यूडीएच मंत्री खर्रा ने अपने जवाब में इन प्रोजेक्ट्स की देरी के लिए पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराया था

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में प्रदेश में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के अधूरे कार्यों को लेकर पूछे गए सवाल पर हंगामा हो गया। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

इससे पहले उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा ने प्रश्न उठाया कि शहरों में व्यापक खुदाई की गई है, लेकिन सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स के काम अब भी अधूरे हैं। उन्होंने पूछा कि इन कार्यों को कब तक पूरा किया जाएगा।जवाब में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने पिछली सरकार के समय हुए टैंडरों में खामियां बताते हुए कहा कि कई परियोजनाओं में ऑपरेशन एंड मैनेजमेंट की शर्तों का पालन नहीं हुआ। सीवरेज पाइपलाइन डालते समय इनलेट और आउटलेट का स्तर सही नहीं रखा गया, जिससे तकनीकी दिक्कतें आईं। उन्होंने कहा कि इन त्रुटियों को सुधारने के प्रयास किए जा रहे है। मंत्री के जवाब पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और हंगामा शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए स्पीकर ने अगला प्रश्न ले लिया। इसके बाद नाराज कांग्रेस विधायक सदन से वॉकआउट कर गए।संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के रवैये की निंदा करते हुए कहा कि अनुकूल जवाब नहीं मिलने पर वॉकआउट करना उचित नहीं है। वहीं बसपा विधायक मनोज न्यांगली ने भी आपत्ति जताते हुए कहा कि हंगामे और वॉकआउट से अन्य सदस्यों का समय प्रभावित होता है।

- **मंत्री के जवाब पर कांग्रेस विधायकों ने आपत्ति जताई और हंगामा शुरू कर दिया, स्थिति को देखते हुए स्पीकर ने अगला प्रश्न ले लिया। इसके बाद नाराज कांग्रेस विधायक सदन से वॉकआउट कर गए।**

संक्षिप्त

110 जरूरतमंद बच्चों को मिला पोषण सामग्री का लाभ

अजमेर। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा अजमेर ग्रामीण क्षेत्र में पोषण सामग्री वितरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राजपुरोहित डेयरी, नाचन बावरी, बंजारा बस्ती एवं तालाब बस्ती में आयोजित किया गया, जिसमें 5 से 15 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 110 बच्चों को लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झुग्गी-बस्ती क्षेत्र में जरूरतमंद बच्चों को आवश्यक पोषण सामग्री उपलब्ध कराना तथा उन्हें संतुलित आहार, विटामिन एवं प्रोटीन के महत्व के प्रति जागरूक करना था, जिससे उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार हो सके। इस अवसर पर बच्चों को संतुलित आहार की थाली का महत्व समझाया गया तथा दाल, चना, मूंग, दूध, फल एवं हरी सब्जियों के लाभ बताए गए। आयरन एवं विटामिन युक्त भोजन की उपयोगिता पर विशेष जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पौष्टिक नाश्ता, फल एवं प्रोटीन युक्त सामग्री सुव्यवस्थित रूप से वितरित की गई। कार्यक्रम के प्रभाव स्वरूप बच्चों में पौष्टिक भोजन के प्रति जागरूकता बढ़ी तथा नियमित संतुलित आहार लेने की प्रेरणा मिली। संस्था के प्रतिनिधि श्याम सुंदर सर, जितेन्द्र मेघवंशी, पल्लवी मारोठिया, सुमन एवं मनोरमा का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग रहा।

युवक से 25 लाख की ठगी

जोधपुर (कासं)। प्रतापनगर सदर स्थित यूआईटी क्वार्टर में रहने वाले एक युवक ने 25-26 लाख की धोखाधड़ी का प्रकरण पुलिस में दर्ज कराया है। पीड़ित को कुछ लोगों ने इंवेस्टमेंट के नाम पर धोखे का शिकार बनाया। मुनाफा और मूल रकम डूब गई। फिलहाल पुलिस ने रात को केस दर्ज किया है, जिसकी जांच अब की जा रही है। प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि यूआईटी क्वार्टर में रहने वाले यशपाल सिंह पुत्र किशोरसिंह राजपुरोहित ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि साल भर पहले जनवरी माह में उसकी मुलाकात अनिल वैष्णव, सुजल जैन एवं राजू गहलोत नाम के शख्स से हुई थी। तब उन लोगों ने बताया कि वे एक फर्म चलाते है। जिसमें इंवेस्टमेंट किए जानेपर बड़ा मुनाफा हो सकता है। इस झांसे में आए यशपाल ने उन लोगों को धीरे- धीरे 25-26 लाख रूपए नेटबैंकिंग और ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए थे। रूपए कुछ चैनल्स के माध्यम से भेजे गए थे। कुछ समय तो प्रोफिट दिखाते रहे मगर बाद में टालमटोल जवाब देने लगे। इन लोगों ने सांठगांठ कर उस को ठगी का शिकार बना दिया और रकम को हड़प कर लिया।

केले से भरे ट्रक में आग लगी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बनाड़ रोड सारण नगर में शुक्रवार की तड़के तीन बजे एक केले से भरे ट्रक में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि ट्रक जलकर नष्ट हो गया। बाद में पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दमकली गाड़ी को बुलाया कर आग को बुझाया जा सका। पुलिस ने इस बारे में केस दर्ज होने से इंकार किया गया है। आग संभवत: ट्रक में शार्ट सर्किट से लगी थी। जानकारी के अनुसार बनाड़ रोड सारण नगर में शुक्रवार की तड़के तीन बजे एक केले भरे ट्रक में आग लगी थी। हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। बनाड़ थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि आग को रात में ही काबू कर लिया गया था। हालांकि आग से ट्रक बुरी तरह जलकर नष्ट हो गया। कोई हताहत जैसी बात सामने नहीं आई है।

रामगंजमंडी में छात्रा ने की आत्महत्या

रामगंजमंडी, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक छात्रा ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतका की पहचान अंकिता प्रजापति पुत्री कन्हैयालाल निवासी मायला के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रा ने अपने ही मकान में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को जब घटना की जानकारी मिली तो घर में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही रामगंजमंडी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने शव को रामगंजमंडी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस पर हमले करने के आरोपी हिस्ट्रीशीटर की जमीन से अतिक्रमण हटाया

कोटा में वन विभाग ने कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया है।

- वन विभाग ने 40 बीघा जमीन से हटाया अतिक्रमण, 22 बीघा पर काबिज था हिस्ट्रीशीटर कालू भड़क
- पांच घंटे कार्रवाई से पहले नोटिस देकर खुद अवैध कब्जा हटाने को कहा था

कोटा, (निसं)। पुलिस पर हमले समेत विभिन्न मामलों के आरोपी हिस्ट्रीशीटर कालू भड़क पर वन विभाग ने भी कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम ने रानपुर थाना इलाके में लखावा ए 1 वन खंड से शुक्रवार को अतिक्रमण हटाया। कोटा सिटी पुलिस और फॉरेस्ट विभाग ने संयुक्त रूप से कार्यवाही को अंजाम दिया है, इसमें करीब 40 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया गया है। इनमें पशु बाड़े और फार्म हाउस बनाया हुआ था। खेती भी वन विभाग की जमीन पर की जा रही थी। कोटा के उपवन संरक्षक अपूर्व कृष्ण श्रीवास्तव ने बताया कि कालू भड़क के अतिक्रमण को हटाने के लिए पहले नोटिस दिया था। उसने खुद अतिक्रमण नहीं हटाया तो विभाग ने अतिक्रमण गिरा दिए। कार्रवाई 4 से 5 घंटे चली, पक्के निर्माण भी गिराए गये है। लाडपुरा रेंजर इंद्रेश कुमार ने कहा कि मवेशियों को रखने के लिए बाड़ा बनाया था, जिसे टीनशेड से कवर किया था। कुछ जगह हट्स बनाकर फार्म हाऊस जैसा डेवलप किया था। बाकी एरिया में बाउंड्री वॉल कर कृषि कार्य किया जा रहा था। अतिक्रमण काफी लंबे समय से था। इसमें 40 बीघा एरिया से अतिक्रमण हटाया। पूरे अतिक्रमण में 22 बीघा कालू भड़क का था जबकि शेष पर अन्य लोगों ने अतिक्रमण किया था। कोटा सिटी एसपी तेजस्विनी गौतम ने बताया कि आरोपी कालू भड़क से पुलिस ने 7 हथियार और 27 जिंदा कारतूस बरामद किये थे। यह सब उसने किसी घटना को अंजाम देने को जुटाए थे। भड़क पर 34 मुकदमे हैं। पुलिस पर फायरिंग के भी मुकदमे हैं। एसपी गौतम ने कहा कि हार्डकोर अपराधियों को सीधा मैसेज है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। अवैध संपत्ति अर्जित की है। नए क्रिमिनल कानून के आधार पर आरोपी की अवैध संपत्ति पर कार्रवाई होगी। उसके खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हुआ है कि निजी खातेदारी के जमीन पर कब्जा करने का किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि हथियार दिखाकर लोगों को डरा धमकाकर अवैध कब्जे करना चाह रहा था, साथ ही कुछ वारदातों को भी अंजाम देने वाला था।

सड़क हादसे में जेल प्रहरी की दर्दनाक मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती सुरपुरा, भोपालगढ़ रोड पर शुक्रवार की अलसुबह कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में जेल प्रहरी की दर्दनाक मौत होने के साथ कार में सवार जेल अधिकारी हनुवंतसिंह एवं चालक पप्पाराम बुरी तरह घायल हो गए। जिन्हें बाद में एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना पर करवड़ पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई की। शव का दोपहर में पोस्टमार्टम करवाया गया। करवड़ पुलिस जांच में जुटी है। हैडकांस्टेबल संपत ने बताया कि जोधपुर केंद्रीय कारागार के अधिकारी हनुवंत सिंह, जेल प्रहरी गोपाराम पुत्र भगाराम राइका और चालक पप्पाराम निजी वाहन से जोधपुर लौट रहे थे। यह लोग स्टाफ में शादी समारोह के चलते कुचेरा गए थे। यह लोग निजी वाहन कार में सवार थे। जब सुरपुरा के पास भोपालगढ़ रोड पर पहुंचे तब उनकी कार के सामने अचानक कोई जानवर आ गया। उसे बचाने के चक्कर में यह हादसा हुआ। इसमें जेल प्रहरी साथिन पीपाड़शहर निवासी 59 साल के गोपाराम पुत्र भगाराम राइका की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि जेल अधिकारी हनुवंत सिंह और चालक पप्पाराम घायल हो गए। हैडकांस्टेबल संपत ने बताया कि जेल अधिकारी हनुवंत सिंह और चालक पप्पाराम का एमडीएम अस्पताल में उपचार चल रहा है। चोटें ज्यादा लगी है।

पोस्टर का विमोचन

पावटा। स्वर्गीय घीसाराम बोहरा की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर 28 फरवरी 2026, शनिवार को कुनेड में विशाल नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर के पोस्टर का विमोचन स्वामी सोमेंद्र महाराज, पंचखंड पीठ विराटनगर के आचार्य ने किया। इस अवसर पर स्वामी सोमेंद्र महाराज ने कहा कि सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हुए आयोजित किया जा रहा यह शिविर स्व. घीसाराम जी बोहरा को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि समाजसेवा की भावना से किए गए ऐसे कार्य ही दिवंगत आत्माओं के प्रति वास्तविक सम्मान हैं। आयोजक जी.एल. यादव ने बताया कि 28 फरवरी को प्रात: 10 बजे से कुनेड़ स्थित श्रीकृष्ण द्वार के पास, बोहरा फार्म हाउस में शिविर आयोजित होगा। शिविर का आयोजन जी.एल. यादव एवं बोहरा परिवार द्वारा जनसेवा की भावना से किया जा रहा है। शिविर प्रबंधक हवलदार ओमप्रकाश एवं रामस्वरूप बोहरा ने बताया कि शिविर में विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के जरूरतमंद मरीजों को एक ही स्थान पर जांच, परामर्श दिया जायेगा।

अलवर में एनीकट व तालाब निर्माण कार्य प्रगति पर

अलवर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में जल संचयन के उद्देश्य से वर्षा जल को सहेज कर भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए तीव्र गति से जोहड, एनीकट, बांध, तालाब आदि जल संचय संरचनाओं का निर्माण करा रही है। इससे बूंद-बूंद जल का संचयन होने के साथ-साथ भूजल स्तर में बढ़ोतरी होकर प्रदेश की जल की समस्या के समाधान के लिए मार्ग प्रशस्त हो रहा है। इसी कड़ी में अलवर शहर में पेयजल समस्या के निदान हेतु केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा के सार्थक प्रयासों से अलवर शहर में वर्षा जल व्यर्थ ना बहकर वर्षा जल संरक्षित हो सके तथा भूजल लेवल रिचार्ज होकर शहर का भूजल स्तर बढ़ सके, इसी उद्देश्य से शहर के विभिन्न स्थानों पर नगर निगम द्वारा वर्षा जल संरक्षण हेतु एनीकट एवं पॉण्ड का निर्माण कराया जा रहा है।

नगर निगम आयुक्त सोहन सिंह नरूका ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन पर नगर निगम क्षेत्र में करीब 10 करोड़ की राशि से एनीकट, पॉण्ड, चैनल आदि निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, जिनकी कुल क्षमता 76260 घनमीटर है। जिनमें अलवर शहर में भूरासिद्ध मंदिर, प्रतापबंध एवं जरखवाला नाला के पास एनीकट व पॉण्ड निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इन जल संरचनाओं के निर्माण से इनमें वर्षा जल की आवाक होगी तथा शहर के बडे हिस्से में जल स्तर बढेगा, साथ ही वन्य जीवों, पशु-पक्षियों इत्यादि के लिए पीने के पानी की उपलब्धता सुलभ होगी। एक जगह पानी के ठहराव की वजह से आसपास के क्षेत्र में नमी बनेगी, जिससे पेड-पौधों के साथ घास व झाडियां हरी-भरी होकर मवेशियों व जानवरों के लिए भी चारे की उपलब्धता हो सकेगी।

उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा अलवर शहर में वर्षा जल संरक्षण हेतु 2 करोड़, 22 लाख, 64 हजार 536 रूपये की लागत से भूरासिद्ध मंदिर के पास 2 पॉण्ड एवं एनीकट निर्माण कार्य कराया जा रहा है। दोनों पॉण्डों की खुदाई एवं डैम स्ट्रक्चर का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा फिनिशिंग कार्य प्रगतिरत है। यह प्रोजेक्ट 10 हैक्टेयर कैचमेंट एरिया के लिए डिजाइन किया गया है, इसकी 28860 घन मीटर पानी की क्षमता है। इसी प्रकार प्रतापबंध के पास 4 करोड़ 94 लाख 88 हजार 497 रूपये की लागत से एक पॉण्ड एवं सोनानाथ की बावडी तक चैनल की खुदाई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

चैनल की मैसनरी का कार्य एवं पॉण्ड की रिटेनिंग वॉल के लिए खुदाई कार्य प्रगतिरत है। यह प्रोजेक्ट 17 हैक्टेयर कैचमेंट एरिया के लिए डिजाइन किया गया है, इसकी 21 हजार घनमीटर पानी क्षमता है। वहीं जरखवाला नाला के पास 3 करोड़ 61 लाख 84 हजार 254 रूपये की लागत से दो पॉण्ड एवं एनीकट निर्माण कार्य कराया जा रहा है। दोनों पॉण्ड की खुदाई का कार्य पूर्ण हो चुका है। पॉण्ड पर पिचिंग कार्य चल रहा है तथा डैम स्ट्रक्चर का कार्य 1.50 मीटर प्लिन्थ के ऊपर तक पूर्ण हो चुका है। यह प्रोजेक्ट 40 हैक्टेयर कैचमेंट एरिया के लिए डिजाइन किया गया है, जिसकी 26400 घन मीटर पानी की क्षमता है।

सलीम खान के लिए दुआओं का दौर जारी

अजमेर। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के पिता और हिंदी सिनेमा के मशहूर लेखक सलीम खान की तबीयत खराब होने पर उनके चाहने वालों में मायूसी देखी जा रही है। 90 वर्षीय सलीम खान इन दिनों मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि उन्हें ब्रेन हेमरेज की शिकायत हुई है, जिसके बाद उन्हें तत्काल चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया और राजस्थान के अजमेर स्थित विश्व प्रसिद्ध अजमेर शरीफ दरगाह में भी सलीम खान की सेहतयाबी के लिए विशेष दुआ की जा रही है। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की इस दरगाह में जहां देश-विदेश से लाखों जायरीन हाजिरी देने पहुंचते हैं। परिवार, करीबी मित्रों और प्रशंसकों को उम्मीद है कि वे जल्द स्वस्थ होकर घर लौटेंगे। सोशल मीडिया पर भी उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए लगातार दुआएं और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। दरगाह के खादिम और बॉलीवुड दुआगो सैय्यद कुतुबुद्दीन सखी की सरपरस्ती में आयोजित इस खास दुआ में बडी संख्या में जायरीन ने शिरकत की।

खाटूश्यामजी का फाल्गुनी मेला 21 से

- 28 फरवरी तक 35 लाख श्रद्धालुओं के आने के आसार

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित विश्वविख्यात तीर्थ खाटू श्याम जी मंदिर में 21 से 28 फरवरी तक आयोजित होने वाला फाल्गुनी मेला इस वर्ष आस्था, अनुशासन और आधुनिक प्रबंधन का अद्भुत संगम बनने जा रहा है। लगभग 35 लाख श्रद्धालुओं के आगमन के अनुमान के बीच पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस, जिला प्रशासन और श्री श्याम मंदिर कमेटी, खाटूश्याम धाम ने आपसी समन्वय से सुरक्षा, यातायात, दर्शन व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर व्यापक तैयारियां की हैं, ताकि हर भक्त सुरक्षित, सहज और श्रद्धामय अनुभव के साथ बाबा के दरबार तक पहुंच सके। इस वर्ष की रणनीतियों में तकनीकी नवाचार और श्रद्धालुओं के प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है। पदयात्रियों की परंपरा को सम्मान देते हुए रिंगस से खाटू तक 17 किलोमीटर लंबा विशेष पैदल कॉरिडोर तैयार किया गया है। यह पैदल मार्ग पूरी तरह वाहनों से मुक्त रहेगा और अनधिकृत प्रवेश पर सख्त रोक रहेगी। पूरे रास्ते में पेयजल, प्रकाश, शौचालय और विश्राम की सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जबकि पुलिस बल की सतत निगरानी से सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। यह कॉरिडोर न केवल भीड़ के सुव्यवस्थित प्रवाह को बनाए रखेगा, बल्कि पदयात्रा को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाएगा। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर वी.के.सिंह ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा की दृष्टि से राजस्थान पुलिस ने पूरे क्षेत्र को 22 मुख्य सेक्टर और 350 सब-सेक्टर में विभाजित किया गया है वहीं 5 हजार से अधिक पुलिस अधिकारियों व जवानों को तैनात किया गया है। प्रमुख बिंदुओं पर अतिरिक्त पुलिस जाब्ता, अस्थायी चौकियां और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है। पूरे मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और केंद्रीकृत कंट्रोल रूम से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए राजस्थान पुलिस के सोशल मीडिया यथा इंस्टाग्राम, फेसबुक व एक्स पर मेले से संबंधित समस्त प्रकार की सूचनाओं को प्रसारित किया जाएगा।

सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि मंदिर परिसर और प्रमुख प्रवेश द्वारों पर 44 डिजिटल एलईडी स्क्रीन स्थापित की गई हैं, जिन पर दर्शन की अनुमानित प्रतीक्षा अवधि, पार्किंग उपलब्धता, सुरक्षा निर्देश, आपातकालीन नंबर, आरती समय और मौसम अलर्ट प्रदर्शित होंगे। गुमशुदा व्यक्तियों और सामान की जानकारी भी लाइव प्रसारित की जाएगी। इसके साथ ही क्यूआर कोड आधारित मार्गदर्शन प्रणाली श्रद्धालुओं को आसान नेविगेशन में मदद करेगी। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार मेला परिसर में 12 स्थानों पर पुलिस सहायता बूथ स्थापित किए गए हैं जो कि आपस में लेंडलाइन फोन और वायरलेस सुविधायुक्त रहेंगे।

झांसा दें बीजेपी नेता की बेटी से साढ़े 3 लाख रुपए ठगे

अलवर। शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र में शेयर मार्केट में निवेश का लालच देकर बीजेपी नेता की बेटी से साढे 3 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने रिपोर्ट दर्ज करा दी।

शिवाजी पार्क निवासी निर्मल प्रकाश सूरा ने बताया कि उसकी बेटी हेमलता की फेसबुक पर लोकेश कुमार सक्सेना उर्फ लोकेन्द्र नाम के युवक से जान-पहचान हुई। जिसने खुद को आईएफएस अधिकारी और आगरा निवासी बताया। शेयर मार्केट में भी काम करने की जानकारी दी। पहले युवती ने मना किया, लेकिन आरोपी के बार-बार कहने पर उसने विश्वास कर अपना पैन कार्ड, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज भेज दिए। इसके बाद 24 जून 2025 से आरोपी ने अलग-अलग तारीखों में खाता खोलने और निवेश के नाम पर रकम मांगनी शुरू कर दी। युवती ने ऑनलाइन माध्यम से 521 रुपये से शुरुआत कर 3,500 रुपए, 26 हजार रुपए, 45 हजार 500 रुपए, 47 हजार रुपए, 15 हजार रुपए, 10 हजार रुपए की कई किश्तों में बड़ी राशि भेजी। शिकायत के अनुसार कुल रकम करीब साढ़े तीन लाख भेज दिए।

आरोप है कि आरोपी हर बार फर्जी शेयर अकाउंट दिखाकर भारी मुनाफा होने का दावा करता रहा, लेकिन वास्तविक खाता संख्या उपलब्ध नहीं कराई। जब युवती ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी टालमटोल करने लगा और बाद में फोन उठाना भी बंद कर दिया। शिकायत में आरोपी का बैंक खाता कोटक महिंद्रा बैंक, आगरा शाखा में होना बताया गया है। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) व 316(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच एएसआई समरदीन को सौंपी है।

रामद्वारा भवन का रामदयाल जी महाराज के कर कमल से उद्घाटन

शाहपुरा। बनेडा से 5 किलोमीटर उत्तर में गांव राक्षी के समस्त गांव निवासियों के द्वारा नवीन रामद्वारा भवन का श्री अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामदयाल जी महाराज के कर कमल से उद्घाटन हुआ। तीन दिवसीय कार्यक्रम में रात्रि को नानी बाई का मायरा संत मनोरतराम जी आलोट मध्य प्रदेश द्वारा कार्यक्रम में संत ने राष्ट्र चिंतन, गो भक्त का जिक्र करते हुए सभी को आ ान किया कि गो भक्त बने। 19 फरवरी को हरि बोल प्रभात फेरी का आयोजन 69 गांव की प्रभात फेरिया ने भाग लिया। कार्यक्रम में सम्मानित भी किया गया।

तीन दिवसीय रात्रि में मायरा नरसिंह जी के मायरा की कथा आयोजन चल रहा है जिसमें रात्री 8 से 10 का समय रखा गया है बड़ी संख्या में श्रोतागण भाग ले रहे हैं आयोजन सरपंच, वार्ड मेंबर, का एवं श्रद्धालु भक्तों के सहयोग से यह कार्यक्रम हो रहा है। मायरा की कथा में आचार्य श्री स्वामी रामदयाल जी महाराज ने फरमाया की सत्संग संस्कारों को जागृत करता है और तात्कालिक आनंद लेने वाली जो जागरण की सभाएं होती है वे दक्षिण आनंद देकर विसर्जित हो जाती है संस्कार सत्संग में अनेक सद्गुणों को समाज में जागृत करते हैं गांव और समाज को समंजन पूर्ण बनाते हैं। ऋषियों ने परंपराओं की धरोहर हमको प्रदान की जिससे हम अपने गांव को स्वर्ग बना सकते हैं स्वच्छता अभियान को गांव की गलियों में लागू कर सकते हैं राष्ट्र चमक रहा है हमारे गांव भी खुशाल होने चाहिए हर बच्चे में पारिवारिक आत्मीयता संपूर्ण गांववासियों में होनी चाहिए।

विकास के प्रति एक नजरिया हर नागरिक में रहना चाहिए तो हम देवताओं की तरह अपने जीवन में दिव्यताएं प्राप्त कर सकते हैं। प्रवचनों के माध्यम से ग्रामीण जनता को प्रेरणास्पति वाणी से उद्बोधन दिया गया जो 20 की रात्रि को 21 की रात्रि को लगातार चालू रहेगा। अधिक से अधिक लोगों तक सत्संग का लाभ पहुंच रहा है। नवीन रामद्वारा भवन का श्री अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय पीठाधीश्वर रामदयाल जी महाराज द्वारा उद्घाटन किया

शाहपुरा के बनेड़ा में नवीन रामद्वारा भवन का श्री अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय पीठाधीश्वर रामदयाल जी महाराज ने उदघाटन किया।

वाटर फिल्टर कंपनी व कलेक्टर को नोटिस

अलवर। जिले की माचडी पंचायत समिति के अलापुर गांव में ग्रामीणों के विरोध के बावजूद अपने रसूख पर चल रही एक्वा फिल वाटर फिल्टर कंपनी व जिला कलेक्टर को न्यायालय ने नोटिस जारी किए है जिसकी पेशी आने वाली 28 मार्च को है। यहां आपको बता दें अलापुर गांव डार्क जोन में है यहा पानी की हमेशा से समस्या बनी हुई है वही खसरा नम्बर 1128-613 ओर खसरा संख्या 1130-614 की जमीन पर गाजियाबाद उत्तर प्रदेश की एक्वाफील्स ट्रैडस प्रा.लि. ने पानी फिल्टर करने की कंपनी लगा दी जिसका वहां के ग्रामीणों ने भरपूर विरोध किया लेकिन उनके विरोध पर जिला प्रशासन ने कोई संज्ञान नही लिया। ग्रामीणों का आरोप है कि वे दो बार जिला कलेक्टर से भी इस विषय पर मिले कि अगर यह कंपनी यहा बनी तो हमारा सारा पानी सौख लेगी लेकिन ग्रामीणों के प्रार्थना पत्र पर जिला प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नही की आखिर में ग्रामीणों ने अदालत की शरण ली।

सार-समाचार

सीता देवी को चैक प्रदान

ब्यावर। मण्डल के अधीक्षक डाकघर कमलेश प्रजापत ने ग्रामीण डाक जीवन बीमा के मृत्यु दावे की त्वरित स्वीकृति जारी करते हुये सीता देवी को बतौर नोमिनी रू. 3,05,384/- रू. का चैक प्रदान किया गया। बीमाधारक स्व. गोपाल सिंह द्वारा 2.70 लाख रू. की डाक जीवन बीमा पॉलिसी जुलाई 2023 में ली गई थी। जिसका मासिक प्रीमियम मात्र 1893/- रू. था। दुर्भाग्यवश बीमा धारक स्व. श्री गोपाल सिंह की मृत्यु हो गयी। इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुये सीता देवी को 19 फरवरी को रू. 3,05,384/- का चैक प्रदान कर पॉलिसी धारक के परिवार को आर्थिक सम्बल प्रदान किया गया। इस प्रकार भारतीय डाक विभाग ने आम जन के सेवार्थ "डाक सेवा-जन सेवा" के सिद्धांत पर निरन्तर कार्य कर रहा है। बीमाधारक द्वारा मात्र 34074/ की प्रीमियम जमा कराई गई जिसके विरूद्ध दावाकर्ता को रू. 3,05,384/ की राशि प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा भारत सरकार की कम प्रीमियम पर सर्वाधिक बोनस प्रदान करने वाली आकर्षक बीमा योजना है जिसमें जमा राशि पर आयकर में छूट भी प्राप्त होती है। पूर्व में मात्र सरकारी एवं अर्धसरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारियों हेतु ही उक्त योजना उपलब्ध थी परन्तु भारत सरकार द्वारा उक्त योजना का दायरा बढा दिया गया है। अब स्नातक डिग्रीधारी व्यक्ति भी डाक जीवन बीमा पॉलिसी ले सकते है। इसी प्रकार ग्रामीण डाक जीवन बीमा का लाभ ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत कोई भी आमजन ले सकते है। इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठाते हुये अपने परिवारजनों को उनके जाने के बाद की स्थिति में आर्थिक सम्बल प्रदान करना सुनिश्चित करावें इस अवसर पर बाबूलाल मीणा, सहायक अधीक्षक मुख्यालय ब्यावर एवं विकास प्रजापति, इन्चार्ज सीपीसी उपस्थित थे।

टैंकर-ट्रेलर भिड़ंत से राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगा

पावटा। जयपुर दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग 48 आंतेला पुलिया के पास अनियंत्रित होकर एक ट्रेलर अचानक अपनी लेन छोड़ते हुए डिवाइडर पार कर जयपुर से दिल्ली जाने वाले दूसरे रोड पर जा पहुंचा और सामने से आ रहे केमिकल से भरे टैंकर से भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर असंतुलित होकर पलट गया। वही पीछे से आ रहा एक वाहन भी इसकी चपेट में आ गया। टक्कर के साथ ही केमिकल से भरे टैंकर में छेद होने के कारण उसमें भरी हाइड्रोजन पेरोक्साइड का रिसाव शुरू हो गया। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। हादसे में दो लोग ट्रेलर चालक भागचंद पुत्र रामनाथ उम्र 42 साल निवासी किशनगढ़, टैंकर चालक राजकुमार पुत्र जगमोहन निवासी ऊंचाहार जिला रायबरेली यूपी घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। वही मौके पर मौजूद लोगों ने जान बचाकर इधर-उधर भागकर खुद को सुरक्षित किया। सूचना मिलते ही भाबरु थाना पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की कई गाडियां मौके पर पहुंचीं। एहतियातन दमकलों से केमिकल से भरे टैंकर पर पानी का छिड़काव कर स्थिति को काबू किया गया। दोनों ओर का यातायात पूरी तरह बंद कर दिया गया। काफी मशक्कत के बाद क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया गया और यातायात बहाल किया गया। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घटनास्थल के आसपास न जाएं और सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें। नेशनल हाईवे व प्रमुख मार्गों पर लगातार हो रहे हादसे जिसमें पहले भांकरोटा, फिर पावटा, विराटनगर और अब आंतेला में केमिकल टैंकर पलटा राष्ट्रीय राजमार्ग 48 सहित आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों भारी वाहनों के लगातार हो रहे हादसों ने आमजन की चिंता बढ़ा दी है। कुछ ही दिनों में चार बडे हादसे सामने आए हैं, जिनमें केमिकल टैंकर और एलपीजी सिलेंडरों से भरे ट्रक शामिल हैं। गनीमत रही कि अधिकांश घटनाओं में बड़ी जनहानि टल गई, लेकिन हर बार हालात गंभीर बने रहे। सबसे पहले जयपुर के भांकरोटा क्षेत्र में केमिकल से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यातायात बाधित रहा। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल पहुंचकर स्थिति को संभाला। इसके बाद पावटा क्षेत्र में केमिकल से भरा टैंकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सड़क पर केमिकल फैलने से खतरे की स्थिति बन गई। प्रशासन ने एहतियातन मार्ग को कुछ समय के लिए बंद कर यातायात डायवर्ट किया। विराटनगर-तेवडी मार्ग पर एलपीजी गैस सिलेंडरों से भरा ट्रक पलट गया। ट्रक में सैकडों सिलेंडर भरे होने के कारण बड़ा धमाका होने की आशंका बनी रही। हालांकि समय रहते स्थिति नियंत्रण में आ गई और बड़ा हादसा टल गया। ताजा मामला राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर आंतेला पुलिया का है, जहां जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहा हाइड्रोजन पेरोक्साइड से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। टैंकर पलटने से हाईवे पर लंबा जाम लग गया और यातायात घंटों प्रभावित रहा। लगातार हो रहे इन हादसों ने सड़क सुरक्षा, भारी वाहनों की फिटनेस और ड्राइवरों की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे और संपर्क मार्गों पर तेज रफ्तार व ओवरलोडिंग के कारण ऐसे हादसे बढ़ रहे हैं। प्रशासन ने सभी वाहन चालकों से सावधानी बरतने, गति सीमा का पालन करने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में बड़ा हादसा हो सकता है।

हेल्थ डिपार्टमेंट ने दर्ज कराई एफआईआर

बीकानेर। यहां एक निजी डायग्रोस्टिक सेंटर के खिलाफ राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम के तहत बिलों के भुगतान में अनियमितता को लेकर मामला दर्ज किया गया है। हेल्थ डिपार्टमेंट की ओर से की गई शिकायत के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. लोकेश गुप्ता ने एफआईआर में बताया कि डॉ. बोथरा डायग्रोस्टिक एंड इमेजिंग सेंटर के खिलाफ आरजीएचएस के प्रोजेक्ट डायरेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। 1 सितंबर 2024 से 15 सितंबर 2025 के बीच प्रस्तुत किए गए क्लेम की जांच में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। जांच में पाया गया कि मरीजों की आवश्यकता से अधिक जांच करवाई गई। इस समय अंतराल के बिलों की विशेष तौर पर जांच की गई थी। गड़बड़ी मिलने पर बीकानेर के उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को एफआईआर दर्ज कराने के आदेश दिए गए। एक ही परिवार के सभी सदस्यों के एचआईवी टेस्ट कराए गए और सभी की रिपोर्ट सामान्य दर्शाई गई। इसके अलावा कई ओपीडी स्लिप पर संबंधित डॉक्टर के हस्ताक्षर भी नहीं पाए गए। ये स्पष्ट नहीं हो पाया कि सभी सदस्यों की जांच क्यों करवाई गई और सभी की रिपोर्ट नेगेटिव है तो इसकी जरूरत क्या थी। हेल्थ विभाग के अनुसार दस्तावेजों की प्रारंभिक जांच में कई अन्य प्रशासनिक और प्रक्रियात्मक खामियां भी सामने आई हैं। मामले में वित्तीय अनियमितता की आशंका को देखते हुए विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस अब दर्ज एफआईआर के आधार पर सेंटर के रिकॉर्ड, क्लेम दस्तावेज और संबंधित अधिकारियों से पूछताछ कर रही है।

फूलडोल महोत्सव 3 मार्च से

शाहपुरा। अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय अपना 260 वां वार्षिक महाकुंभ फूलडोल महोत्सव 6 दिवसीय होली के दूसरे दिन 3 मार्च 26 मंगलवार से 8 मार्च 26 रविवार तक मनाया जाएगा इस फूलडोल महोत्सव में देश-विदेश से अनेक संत, महात्मा एवं भक्तजनों श्रद्धालुओं का आगमन रामनिवास धाम राम द्वारा में रहेगा। आचार्य स्वामी जगतगुरु रामदयाल जी महाराज ने बताया कि 23 तारीख सोमवार को शाहपुरा रामद्वारा में पधारेंगे। रामनिवास धाम ट्रस्टी रामगोपाल सोमानी ने बताया कि 27 फरवरी 26 शुक्रवार एकादशी को संतों का आगमन के साथ ही प्रात: 10:30 बजे नया बाजार स्थित राम मेडिया से बैंड बाजा के साथ श्री वाणी जी महाराज एवं थाल शोभायात्रा सदर बाजार, त्रिमूर्ति चौराहा, बस स्टैंड, होते हुए श्री रामनिवास धाम राम द्वारा परागण में प्रवेश करेंगे।

पीएम से मुलाकात का समय मांगा

अजमेर। अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आगामी अजमेर यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात के लिए संभागीय आयुक्त के माध्यम से समय की मांग की है। डॉ. जयपाल ने संभागीय आयुक्त से मुलाकात कर प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव को संबोधित पत्र सौंपा है, जिसमें अजमेर दौरे के दौरान प्रधानमंत्री से मुलाकात हेतु समय प्रदान करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री को अजमेर की वास्तविक स्थिति, विकास कार्यों की सच्चाई तथा स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत जनता के करोड़ों रुपये के हुए नुकसान के संबंध में तथ्यात्मक जानकारी देंगे। डॉ. राजकुमार जयपाल ने स्मार्ट सिटी परियोजना में बड़े स्तर पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि अरबों रुपये खर्च होने के बावजूद शहर की स्थिति में कोई ठोस सुधार दिखाई नहीं देता।

सुपर 8 चरण में भारत को कड़ी चुनौती नहीं मिली और मजबूत टीमों के खिलाफ गेंदबाजी की असली क्षमता अब परखी जाएगी।

- वीरेंद्र सहवाग

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, भारतीय टीम की गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शाहिद अफरीदी

पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज शाहिद अफरीदी ने कहा जब हम क्रिकेट खेलते थे, तब भी पुराने क्रिकेटर हमारे बारे में बहुत कुछ कहते थे। उन्होंने लानत है भी कहा था। हमने इसे बर्दाश्त किया और परफॉर्मेंस से जवाब दिया, छोटी टीमों के खिलाफ नहीं, बल्कि बड़ी टीमों के खिलाफ। हमने परफॉर्मेंस से जवाब दिया।'' उन्होंने आगे कहा''शादाब, तुमने नामीबिया के खिलाफ अच्छा परफॉर्म किया, अब न्यूजीलैंड के खिलाफ भी करो। बेटा, परफॉर्मेंस दो। मुश्किल समय में, हम तुम्हारे साथ खड़े रहे। तुमने एग्रेसिव क्रिकेट नहीं खेला, फिर भी तुम पाकिस्तान टीम में वापस आ गए।

क्या आप जानते हैं ?... सर्वश्रेष्ठ कप्तान (वनडे):रोहित शर्मा सबसे सफल वनडे कप्तानों में से एक हैं, जिन्होंने 2021 के बाद से कप्तानी संभाली है।

ICC MEN'S T20 WORLD CUP

आज के मैच

न्यूजीलैंड व पाकिस्तान के बीच शाम 7 बजे

जयपुर में राष्ट्रीय वॉलीबॉल का महाकुंभःदेशभर के16 विश्वविद्यालयों की टक्कर

जयपुर, 20 फरवरी। जयपुर मेंअखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय वॉलीबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट 2025-26 का भव्य शुभारंभ

किया गया। 20 से 25 फरवरी तक आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप में देश के चारों जोनों का प्रतिनिधित्व करते हुए 16शीर्ष विश्वविद्यालयों की टीमें भाग ले रही हैं। उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा, प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. करुणाकर ए. कोटेगर, कुलसचिव डॉ. अमित सोनी तथा डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. मधुरा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा समारोह मेंएसोसिएसन आफ ईंडियन यूनिवर्सिटिज (एआईयू) के पर्यवेक्षक डॉ. आर. मोहन कृष्णन तथामणिपाल एकाडेमी आफ हायर एजुकेशन के कुलसचिव (मूल्यांकन) डॉ. विनोद वी. थॉमस की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। उनकी उपस्थिति ने इस चैम्पियनशिप के राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित किया।कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिभागी टीमों और अधिकारियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुई, जो शिक्षा के साथ-साथ खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के विश्वविद्यालय के संकल्प को दर्शाता है। कुलपति डॉ. नीति निपुण शर्मा ने अपने प्रेरक संबोधन में खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन और टीमवर्क की सच्ची भावना बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

आईपीएल मैच के लिए राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट, एमएनआईटी जयपुर और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने स्टेडियम का दौरा किया

जयपुर, 20 फरवरी। जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग का इंतजार कर रहे क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। सरकार ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल मैचों के आयोजन की तैयारियां तेज कर दी हैं। राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी शुक्रवार को स्टेडियम पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान स्टेडियम की मौजूदा सीटिंग कैपेसिटी बढ़ाने को लेकर भी मंथन किया गया।

दरअसल, राज्य सरकार जयपुर में फिर से आईपीएल मुकाबले कराने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इसी कडी में प्रदेश के मुख्य सचिव ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन को पत्र लिखकर जयपुर को मैचों की मेजबानी देने का आग्रह किया था। इसके बाद रॉयल्स प्रबंधन ने स्टेडियम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एमएनआईटी जयपुर और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने स्टेडियम की मौजूदा स्थिति, सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों की जानकारी दी। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम आईपीएलमैचों के लिए तैयार है। वहीं दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए सीटिंग कैपेसिटी बढ़ाने के विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है।

खेल विभाग के सचिव नीरज कुमार पवन के अनुसार सरकार आईपीएलमुकाबलों के आयोजन को लेकर गंभीर है। स्टेडियम की हर व्यवस्था को बेहतर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा- जल्द ही सीटिंग कैपेसिटी को लेकर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। सरकार को पूरा विश्वास है कि इस बार जयपुर में फिर से आईपीएलमैचों का आयोजन होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्डकप में आखिरी मैच जीता:ओमान को 9 विकेट से हराया

कैंडी, 20 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीत के साथ खत्म किया। टीम ने शुक्रवार को आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में ओमान को 9 विकेट से हरा दिया। कैंडी के पल्लेकेले स्टेडियम में पहले बैटिंग करने उतरी ओमान 104 रन पर सिमट गई। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड ने 93 रन की पार्टनरशिप कर कंगारू टीम को जीत दिला दी।

ऑस्ट्रेलिया के लिए गेंदबाजी में लेग स्पिनर एडम जम्पा ने 4 विकेट लिए। ग्लेन मैक्सवेल और जैवियर बार्टलेट को 2-2 विकेट मिले। कप्तान मार्श ने फिफ्टी लगाई, वहीं ट्रैविस हेड 32 रन बनाकर आउट हुए। ओमान के लिए वसीम अली ने सबसे ज्यादा 32 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया को 2 हार मिली ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप-बी में श्रीलंका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हार कर बाहर हो गई। टीम ने आयरलैंड और ओमान को हराया, लेकिन ये अगले राउंड में पहुंचने के लिए काफी नहीं था। टीम 2009 के बाद पहली बार ग्रुप स्टेज को भी पार नहीं कर सकी।

पाकिस्तान हॉकी की बदहाली!
सडकों पर खिलाडी, अब क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी करेंगे मदद

नई दिल्ली, 20 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया में एफआईएच प्रो लीग के मुकाबलों के लिए गई टीम को जिन मुश्किलों का सामना करना पडा, उसकी खबर सार्वजनिक होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने देश के हॉकी महासंघ और खिलाडियों का समर्थन करने के लिए तुरंत कदम उठाया। पीएचएफ के कुप्रबंधन का खुलासा तब हुआ जब टीम के कप्तान अम्माद शकील बट ने ऑस्ट्रेलिया में टीम की दयनीय स्थिति का खुलासा किया। इस हंगामे के बीच, नक़वी ने कहा कि देश का क्रिकेट बोर्ड हॉकी टीम की मदद करेगा और देश की प्रतिष्ठा सर्वोपरि है। नकवी ने कहा कि हम हॉकी खिलाडियों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। हॉकी से जुडे मामलों को सुचारू बनाने के लिए हम पूरा सहयोग देंगे। नक़वी ने आगे कहा कि आपको सिर्फ खेल पर ध्यान देना चाहिए। पाकिस्तान की प्रतिष्ठा सर्वोपरि है। हम किसी भी परिस्थिति में देश की गरिमा को धूमिल नहीं होने देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें फेडरेशन का प्रमुख बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन वे आंतरिक संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं हॉकी फेडरेशन का अध्यक्ष नहीं बन रहा हूँ, लेकिन जब तक यह उथल-पुथल समाप्त नहीं हो जाती, हम खिलाडियों की सहायता करेंगे।

मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे विजेंदर सिंह और रोहन बोपन्ना

नई दिल्ली, 20 फरवरी। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह और स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना रविवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से 11वीं कॉग्निजांट नयी दिल्ली मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे। इस मैराथन में 30,000 से ज्यादा लोगों के हिस्सा लेने की उम्मीद है और यह देश की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता से एक बनने वाली है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से प्रमाणित, 'एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल मैराथन एंड डिस्टेंस रेस' से मान्यता प्राप्त और विश्व एथलेटिक्स से स्वीकृत यह मैराथन वैश्विक एथलेटिक कैलेंडर में अपनी जगह मजबूत कर रही है। इस चरण में 31 देशों, 490 शहरों और भारत के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोग हिस्सा लेंगे जिसका आयोजन चार वर्ग फुल मैराथन, हाफ मैराथन, 10के और 5के में किया जाएगा भारत का प्रतिनिधित्व एक एलीट टीम करेगी।

ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रचने उतरेगी भारतीय महिला टीम, 20 सीरीज जीतने के लिए बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

नई दिल्ली, 20 फरवरी। भारतीय महिला टीम को अगर ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पहली बार ऐतिहासिक श्रृंखला जीतनी है तो उसकी बल्लेबाजों को यहां शनिवार को तीसरे और आखिरी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मेजबान टीम की अनुभवी गेंदबाजी इकाई के खिलाफ एकजुट होकर आक्रामक प्रदर्शन करना होगा। भारतीय महिला टीम अभी तक ऑस्ट्रेलिया में तीनों प्रारूपों में कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीत पाई है। इसे बदलने के लिए भारत को यहां बेहतर बल्लेबाजी की जरूरत है, जिसकी शुरुआत सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा से होगी।

भारतीय महिला टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला

स्मृति और शेफाली दोनों ने शुरुआत तो की है लेकिन बडी पारी नहीं खेल पाईंजिससे दूसरे मैच में भारत 164 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा नहीं कर सका। किम गार्थ, अनाबेल सदरलैंड और सोफी मोलिनू की अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई तिकडी ने इस मौके का फायदा उठाया। इन्होंने भारत की पांच बल्लेबाजों को सिर्फ सात रन के अंदर आउट कर दिया। लेकिन एडिलेड की पिच कैनबरा की पिच के मुकाबले अलग है और भारतीय बल्लेबाजों को यहां अपने पिक-अप शॉट्स पर भरोसा करना चाहिए। एक बेहतरीन आउटफील्ड भी बल्लेबाजी के लिए बेहतर है। कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष को बल्ले पर आती गेंद पसंद है और उन्हें यहां कुछ मदद मिलने की उम्मीद है। हालांकि मैदान की सतह चिकनी होने से जिम्मेदारी भारतीय तेज गेंदबाजों रेणुका सिंह, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड और अमनजोत कौर पर होगी कि वे अपनी लाइन एवं लेंथ में स्थिर रहें क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज किसी भी ढील का आसानी से फायदा उठा सकती हैं।

युवा खिलाडी जॉर्जिया वोल सबसे बडा खतरा हो सकती हैं जिन्होंने अब संन्यास ले चुकी मेग लैनिंग और एलिसा हीली के जाने के बाद पारी के आगाज की भूमिका को जिम्मेदारी से संभाला है। इनकी जगह भरना बहुत बडी बात है लेकिन 22 साल की यह खिलाडी अब तक कमाल की रही है। भारतीय तेज गेंदबाजों को वोल को रोकना होगा और स्पिनरों दीप्ति शर्मा और श्री चरणी को भी बीच के ओवरों में योगदान देना होगा। वहीं सदरलैंड और ऐश गार्डनर के अलावा फोबे लिचफील्ड को शांत रखना भी जरूरी है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, भारती फूलमाली, क्रांति गौड, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमालिनी, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, जेमिमा रोड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

ऑस्ट्रेलिया:सोफी मोलिनू (कप्तान), तहलिया मैकग्रा, डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस, फोबे लिचफील्ड, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगान शुट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम। मैच दोपहर 1.45 बजे शुरू होगा।

टी20 विश्व कप: अभिषेक शर्मा के लिए साउथ अफ्रीका का स्पेशल प्लान, कप्तान एडन मार्कराम रचेंगे स्पिन का चक्रव्यूह

नई दिल्ली, 20 फरवरी। मौजूदा टी20 विश्व कप में अभिषेक शर्मा उतने ही चर्चा का विषय बने हुए हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट हुए हैं, जिनमें से दो बार स्पिनरों ने उन्हें आउट किया। पिछले दो मैचों में पाकिस्तान के सलमान आगा और नीदरलैंड के आर्यन दत्त ने सलामी बल्लेबाज को आउट किया, जिससे भारत की वह कमजोरी उजागर हुई है जिसे 22 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर एट्स के मुकाबले से पहले दूर करना जरूरी है।

इस बीच, प्रोटियाज़ ने अभिषेक से निपटने की योजना बनाना शुरू कर दिया है। मैच से दो दिन पहले अभ्यास सत्र के

दौरान, कप्तान एडन मार्कराम को बाएं हाथ के बल्लेबाज को राउंड द विकेट गेंदबाजी करते देखा गया। वह आर्यन दत्त की उस गेंद को दोहराने की कोशिश कर रहे थे, जिसने पिछले मैच में अभिषेक को आउट किया था। केशव महाराज ने भी नेट पर जमकर अभ्यास किया और इससे संकेत मिलता है कि वे पावरप्ले में स्पिनरों पर काफी भरोसा करेंगे।

लगातार तीन मैचों में शून्य पर आउट होने के बावजूद, अभिषेक की जगह संजू सैमसन को टीम में शामिल करने का कोई सवाल ही नहीं उठता। पंजाब के इस बल्लेबाज से जल्द ही फॉर्म में लौटने और अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में आने की उम्मीद है, जो पिछले साल स्पष्ट रूप से दिखाई दी थी और जिसकी बदौलत वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नंबर एक बल्लेबाज बने थे। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में भारत की टीम में बदलाव की संभावना है।

पिछले मैच में बेंच पर बैठे अक्षर पटेल वाशिंगटन सुंदर की जगह वापसी कर सकते हैं। इसके अलावा, सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इस बीच, यह बडा मुकाबला सुपर एट्स के ग्रुप ए का भविष्य तय कर सकता है। विजेता टीम के शीर्ष स्थान पर रहने की उम्मीद है, हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब कुछ भी निश्चित नहीं है। जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज, जो इस टूर्नामेंट में दो और अपराजित टीमें हैं, भी उलटफेर कर सकती हैं।

जोनाथन ट्रॉट का अफगानिस्तान संग चार साल का भावनात्मक सफर समाप्त

नई दिल्ली, 20 फरवरी। साल 2022 में बेलफास्ट में जब जोनाथन ट्रॉट ने अफगानिस्तान पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभाला, तब परिस्थितियां आसान नहीं थीं। मौजूद जानकारी के अनुसार वह अपनी यात्रा का खर्च स्वयं वहन कर आयरलैंड पहुंचे थे और शुरुआती दिनों में उनके पास आधिकारिक किट तक उपलब्ध नहीं थी। उस समय शायद ही किसी ने अनुमान लगाया होगा कि यह नियुक्ति अफगान क्रिकेट के लिए परिवर्तनकारी साबित होगी।

ट्रॉट को यह जिम्मेदारी अप्रत्याशित रूप से मिली। यह पद पहले उनके मेंटर ग्राहम थोर्पे को प्रस्तावित किया गया था, लेकिन निजी कारणों से उन्होंने इसे स्वीकार नहीं किया। इसके बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ट्रॉट पर भरोसा जताया। उस समय टीम के पास स्वाभाविक प्रतिभा तो भरपूर थी, लेकिन पेशेवर संरचना, योजना और अनुशासन की स्पष्ट प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता थी। गौरतलब है कि ट्रॉट ने कार्यभार संभालते ही बुनियादी ढांचे और पेशेवर संस्कृति पर ध्यान केंद्रित किया। समय पालन, अभ्यास सत्रों की नियमितता, फिटनेस मानक और मैच पूर्व तैयारी को संस्थागत रूप दिया गया। सांस्कृतिक समन्वय भी उनके लिए महत्वपूर्ण पहलू रहा। अभ्यास कार्यक्रम और नमाज के समय के बीच संतुलन स्थापित करने जैसे विषयों पर संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया गया, जिससे टीम के भीतर विश्वास और सम्मान का वातावरण बना।

अफगान खिलाडियों की सामाजिक पृष्ठभूमि ने भी कोचिंग प्रक्रिया को प्रभावित किया। कई खिलाडी संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में पले-बढ़े थे।

दिव्यांग खेल गतिविधि का आयोजन, 20 से 25 दिव्यांगो ने लिया भाग

जयपुर, 20 फरवरी। विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर एक दिवसीय खेल का आयोजन दिव्यांगों के लिए (सवाई मानसिंह) स्टेडियम में दिव्यांग खेल गतिविधि महोत्सव का आयोजन किया गया। उक्त अयोजन के संबंध में करण सिंह, खेल अधिकारी, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर एवं मानसिंह, प्रभारी अधिकारी, चौगान स्टेडियम, जयपुर द्वारा बताया गया कि शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए खेल गतिविधियों का अयोजन किया गया, जिसमें 20 से 25 दिव्यांग प्रतिभागियों ने भाग लिया।

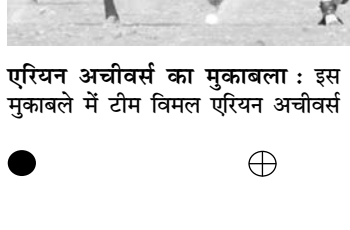

सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिव्यांग प्रतिभागियों द्वारा (बॉल-पासिंग) गेम खेला गया एवं 100 मी. दौड में भी भाग लिया, साथ ही विभिन्न प्रकार के जम्पिंग एवं मनोरंजन गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस प्रतियोगिता के आयोजन में सहयोग हेतु सुरेन्द्र सिंह (एथलेटिक कोच) विनोद पूनिया (एथलेटिक कोच) एवं वीर सिंह, विष्णु, रामरस, लक्ष्मी नारायण, जे.पी. सिंह आदि उपस्थित रहे।

विनीसियस जूनियर पर नस्लवादी टिप्पणी, रियल मैड्रिड का यूईएफए में बड़ा एक्शन

नई दिल्ली, 20 फरवरी। यूरोपीय क्लब फुटबॉल में नस्लवाद का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में आ गया है। चैंपियंस लीग मुकाबले के दौरान हुई घटनाओं के बाद रियल मैड्रिड ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ किया है कि क्लब ने यूईएफए की जांच में पूरा सहयोग किया है। गौरतलब है कि राउंड ऑफ 32 के पहले चरण में लिस्बन में खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने बेनफिका को 1-0 से हराया था। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच के दौरान विनीसियस जूनियर के साथ नस्लीय टिप्पणियों की कथित घटनाएं सामने आईं, जिसके बाद यूईएफए ने जांच शुरू की। इसी संदर्भ में क्लब ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर बयान जारी किया।

मार्कस स्टोइनिस ने युवराज सिंह को बताया अपना मार्गदर्शक और गुरु

नई दिल्ली, 20 फरवरी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने भारत के स्टार ऑलराउंडर युवराज सिंह को मार्गदर्शक बताया और कहा कि वे उनका अत्यंत सम्मान करते हैं। स्टोइनिस ने वीडियो में कहा कि मैंने आईपीएल में युवराज सिंह के साथ खेला है। हालांकि मैं उनके साथ खेल रहा था, लेकिन मैं उन्हें एक मार्गदर्शक के रूप में देखता हूं। मैं काफी युवा था, और वे जाहिर तौर पर बहुत अनुभवी थे। उन्होंने यह भी याद किया कि युवराज सिंह उनके लिए बहुत मददगार थे और उन्हें अच्छा इंसान बताया।

स्टोइनिस ने वीडियो में आगे कहा कि बेहद प्रतिभाशाली, शालीन, शक्तिशाली। वह उस तरह की शक्ति नहीं थी जो शायद आज दुनिया भर में चर्चित है। उनकी शक्ति अधिक सहज और लयबद्ध थी। बहुत अच्छे इंसान, बहुत मददगार। मेरा मतलब है, आईपीएल में आने वाले एक युवा विदेशी खिलाडी के

लिए, वे बहुत अच्छे थे। मैं उनका अत्यंत सम्मान करता हूं। ऑस्ट्रेलिया के हालिया क्रिकेट प्रदर्शन की बात करें तो, आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने आर प्रेमदासा स्टेडियम में टूर्नामेंट के 14वें मैच में आयरलैंड पर 67 रनों की शानदार जीत के साथ अपने अभियान की दमदार शुरुआत की। हालांकि, अगले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया को उसी स्टेडियम में जिम्बाब्वे के हाथों करारी हार का सामना करना पडा, जहां वे 170 रनों का पीछा करने में नाकाम रहे और 146 रनों पर ऑल आउट हो गए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया को एक और झटका लगा जब श्रीलंका के खिलाफ उन्हें आठ विकेट से हार का सामना करना पडा, क्योंकि श्रीलंका ने 182 रनों का लक्ष्य मात्र 18 ओवरों में हासिल कर लिया। श्रीलंका के खिलाफ इस हार के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के क्वालीफाई करने की उम्मीदें खत्म हो गईं, क्योंकि अब उनकी उम्मीदें जिम्बाब्वे के खिलाफ आयरलैंड की जीत पर टिकी थीं। बारिश के कारण मैच रद्द हो गया, जिससे जिम्बाब्वे और आयरलैंड दोनों को एक-एक अंक मिला और ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट से बाहर हो गया। ऑस्ट्रेलिया शुक्रवार को पल्लेकेले स्टेडियम में अपने अभियान के आखिरी मैच में ओमान का सामना करेगा।

मैक्स वेस्टापेन ने नियमों को बताया एंटी-रेसिंग

नई दिल्ली, 20 फरवरी। फॉर्मूला 1 में 2026 से लागू होने वाले नए तकनीकी नियमों को लेकर चर्चा तेज है, लेकिन खेल के शीर्ष नेतृत्व का मानना है कि घबराने की जरूरत नहीं है। फॉर्मूला 1 के सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने साफ कहा है कि अगर ऊर्जा प्रबंधन की वजह से रेसिंग की रोमांचकता प्रभावित होती है तो बदलाव किए जाएंगे, हालांकि फिलहाल वह किसी तरह की पैनिक को सही नहीं मानते हैं।

गौरतलब है कि 2026 से एफ1 में नए पावर यूनिट नियम लागू होंगे, जिनमें हाइब्रिड सिस्टम और इलेक्ट्रिक पावर का अनुपात बढ़ाया जाएगा। शुरुआती परीक्षणों में यह संकेत मिले हैं कि नई कारें ऊर्जा के लिहाज से सीमित महसूस हो रही हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, कुछ ट्रैकों पर ड्राइवरों को ऊर्जा बचाने के लिए रफ्तार कम करनी पड़ सकती है।

भारत बनाम पाकिस्तान महामुकाबले ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 20 फरवरी। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के आधिकारिक डिजिटल और प्रसारण सहयोगी जियोस्टार ने शुक्रवार को घोषणा की कि जियोहॉटस्टार पर भारत बनाम पाकिस्तान मैच ने पहुंच और उपभोग के मामले में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाए हैं। एक विज्ञिप्त के अनुसार, इस मैच की डिजिटल पहुंच अभूतपूर्व 163 मिलियन तक पहुंच गई, जो टी20 प्रारूप में किसी भी आईसीसी आयोजन के लिए सबसे अधिक है। यहां तक कि इसने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल के दर्शकों की संख्या को भी पीछे छोड़ दिया। भारत के शानदार प्रदर्शन ने डिजिटल माध्यम पर आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में भारत बनाम पाकिस्तान मैच की तुलना में पहुंच में 56 की वृद्धि सुनिश्चित की। मोबाइल पर, इस गेम ने आईसीसी टी20 टूर्नामेंट के लीग चरण में सबसे अधिक दर्शक संख्या दर्ज की और आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में हुए।

विमल एरियन अचीवर्स और कैरेसिल सुहाना के बीच फाइनल टक्कर आज

जयपुर, 20 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत जयपुर ओपन फॉर ब्रिगेडियर एचएच महाराजा सवाई भवानी सिंह, एमवीसी कप (14 गोल्स) टूर्नामेंट के लिए चार टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहला सेमीफाइनल मैच टीम जयपुर अरावली और टीम विमल एरियन अचीवर्स के बीच हुआ। वहीं, दूसरा मुकाबला टीम कैरेसिल सुहाना और टीम जिंदल पोलो के बीच राजस्थान पोलो क्लब ठाउंड (आरपीसी) पर खेला गया। इस कप का फाइनल मुकाबला शनिवार, 21 फरवरी को राजस्थान पोलो क्लब ठाउंड पर दोपहर 3.30 बजे आयोजित होगा।

टीम जयपुर अरावली और विमल एरियन अचीवर्स का मुकाबला : इस मुकाबले में टीम विमल एरियन अचीवर्स विजेता बनी। टीम ने जयपुर अरावली को 11-10 के स्कोर से पराजित किया। विजेता टीम विमल एरियन अचीवर्स की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8 गोल किए, जबकि अलेजो अरामबुरु ने 3 गोल किए। टीम से सलीम आजमी और डेनियल ओटामेंडी भी खेले। इसी प्रकार, टीम जयपुर अरावली की ओर से लांस वॉटसन ने 6 गोल और मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे ने 2 गोल किए। टीम के लिए हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और प्रताप सिंह कानोता ने 1-1 गोल हासिल किए।

टीम कैरेसिल सुहाना और टीम जिंदल पोलो के बीच टक्कर : दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में टीम कैरेसिल सुहाना 9-8 के स्कोर से जिंदल पोलो को हराकर विजेता बनी। विजेता टीम से माटियास वायल ने 4 गोल हासिल किए। वहीं, मैनुअल प्रराडो और अशोक चांदना ने 2-2 गोल किए। भवानी सिंह कलवी ने टीम के लिए 1 गोल किया। दूसरी ओर, टीम जिंदल पोलो से मैक्स चार्ल्टन ने 7 गोल किए। वहीं, सिद्धांत शर्मा ने 1 गोल बनाया। नवीन जिंदल और सिमरन शेरगिल भी टीम का हिस्सा रहे।

राजस्थान की प्रियंका शर्मा मध्य क्षेत्र सीनियर वीमेन टीम की कोच नियुक्त

मध्य क्षेत्र टीम में राजस्थान की सोनल , संगीता व सुमन का चयन , सुमित्रा सुरक्षित खिलाडी

जयपुर, 20 फरवरी। बीसीसीआई की राष्ट्रिय सीनियर वीमेन ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर रही राजस्थान सीनियर वीमेन टीम की कोच प्रियंका शर्मा को आगामी मार्च माह में बीसीसीआई द्वारा आयोजित होने वाली वीमेन सीनियर जोनल ट्रॉफी में भाग लेने वाली मध्य क्षेत्र टीम का कोच नियुक्त किया गया है ।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली मध्य क्षेत्र सीनियर वीमेन टीम में राजस्थान की सोनल कलाल , संगीता कुमावत, सुमीन मीणा का चयन मध्य क्षेत्र सीनियर वीमेन चयन कमेटी ने किया। राजस्थान की सुमित्रा जाट का चयन टीम में सुरक्षित खिलाडी के रूप में किया है। मध्य क्षेत्र सीनियर चयन कमेटी मीटिंग में राजस्थान का प्रतिनिधित्व गंगोत्री चौहान ने किया।

अन्डर-23 महिला टीम जो 3 मार्च, 2025 से हरियाणा में खेले जाने वाले -23 वन डे नेशनल चैंपियनशिप मैचों के लिए चुनी गई है :-

सिद्धि शर्मा (कप्तान), शानू, सीजे भाटी, डिंपल, अनाया गर्ग, नव्या, तनिका शर्मा, वंशिका यादव, अंजलि जाट, रितु लोढ़ा, मैना सियोल, नंदिनी पालीवाल, भाविनी भार्गव, अर्चना योगी, कंचन हुड्डा, अक्षिता शारदा, खुशी जैन।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में "राज-उन्नति" की बैठक को वीसी के माध्यम से संबोधित किया।

'कार्मिक पूरी निष्ठा से दायित्व निभाएं, लापरवाही हुई तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी'

'कार्मिक पूरी निष्ठा से दायित्व निभाएं, लापरवाही हुई तो कड़ी कार्यवाही की जाएगी'सब हैडिंग-24-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास में वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए राज उन्नति की बैठक को संबोधित करते हुए चेतावनी दी

- राज उन्नति मुख्यमंत्री के निर्देश पर शुरु की गई पहल है, इसमें चयनित परियोजनाओं व कार्यों पर चर्चा की जाती है। मुख्य सचिव ने राज उन्नति की पहली बैठक के निर्देशों की रिपोर्ट भी पेश की।

जयपुर, 20 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार जन सेवा को सर्वोपरि मानकर कार्य कर रही है। अधिकारी जनता की समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्मिक पूर्ण निष्ठा से अपने राजकीय दायित्वों का निर्वहन करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में "राज-उन्नति" की बैठक को वीसी के माध्यम से संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की 84 हजार 282 करोड़ रुपये की परियोजनाओं और योजनाओं पर चर्चा की तथा अधिकारियों को इनके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने पावर ग्रिड के प्रोजेक्ट्स को गुणवत्ता के साथ, समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने 765 केवी डी/सी ब्यावर-दौसा ट्रांसमिशन लाइन से संबंधित कार्य में गति लाने और 765 केवी डी/सी सीकर-खेतड़ी ट्रांसमिशन लाइन को भी जल्द शुरू करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने उद्योग विभाग को भीलवाड़ा में बन रहे टेक्सटाइल पार्क में समस्त कार्य शीघ्र पूर्ण करते हुए भूखण्ड आवंटन प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र में आरएफआईडी एवं जीपीएस आधारित निगरानी प्रणाली को चरणबद्ध रूप से लागू करने के लिए मुख्य सचिव पाक्षिक रूप से बैठक करें।

मुख्यमंत्री ने कौशल विकास कार्यक्रम के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं की जिला कौशल समितियों को और अधिक सक्रिय करने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष में 1 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कालीबाई भील उड़ान योजना के तहत, महिलाओं एवं बालिकाओं को निःशुल्क सेनेटरी नेपकिन वितरण के लिए वितरण केन्द्रों पर सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा 5 साल में 6 लाख युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार देने का लक्ष्य रखा है। अब तक 2 लाख से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि गत वर्ष की लंबित बजट घोषणाओं को शीघ्र पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि 'एक जिला-एक उत्पाद' नीति के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं।

इस दौरान मुख्य सचिव ने राज उन्नति की प्रथम बैठक में दिए गए निर्देशों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज उन्नति की पहल की गई है। इसमें चयनित परियोजनाओं, योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत चर्चा कर प्रदेश के विकास को गति दी जा रही है। इसमें आमजन से जुड़े कार्यों और परिवेदनाओं को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। जैसलमेर के धन्नाराम सहित, अन्य परिवादियों ने मुख्यमंत्री का समस्याओं के समाधान के लिए आभार जताया। बैठक में वीसी के माध्यम से मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव तथा जिला कलक्टर्स जुड़े।

'मां बाप को बताए बिना शादी नहीं कर पाएंगे गुजरात में'

अहमदाबाद, 20 फरवरी। गुजरात में अब चुपके से या घरवालों को बताए बिना शादी करना आसान नहीं होगा। गुजरात विधानसभा में आज मैरिज रजिस्ट्रेशन के नए नियमों की घोषणा हुई है। इस नियमों ने यह साफ कर दिया है कि अब हर शादी से पहले माता-पिता को अनिवार्य रूप से बताया जाएगा। यानी भागकर शादी करने वाले कपल्स के लिए यह प्रस्तावित बदलाव एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। सरकार ने इसके लिए मैरिज रजिस्ट्रेशन एक्ट के नियम 44 में भी बदलाव का प्रस्ताव पेश किया है। गुजरात सरकार ने इसे जनहित का मुद्दा बताया गया है। इस बदलाव का मुख्य हिस्सा किसी भी शादी से पहले माता-पिता को सूचना देना और माता-पिता की जानकारी जमा करना है। इसे शादी रजिस्टर करने की कानूनी प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनाया गया है। प्रस्तावित नियमों में पूरी प्रक्रिया को कागजी रिकॉर्ड से हटाकर एक राज्य सरकार के सेंट्रलाइज्ड ऑनलाइन पोर्टल पर ट्रांसफर किया जाएगा।

- गुजरात सरकार मैरिज रजिस्ट्रेशन एक्ट में इस सम्बंध में बदलाव करने जा रही है।

ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को आरएएफ एयरबेस नहीं देगा ब्रिटेन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की इस घोषणा से डॉनल्ड ट्रंप भारी गुस्से में हैं

- ट्रंप ने स्टार्मर के उस समझौते को समर्थन देने से इन्कार कर दिया जिसके तहत चागोस द्वीप मॉरीशस को सौंपने की प्रक्रिया चल ? रही थी।

वॉशिंगटन, 20 फरवरी। ईरान को लेकर बढ़ ते तनाव के बीच ब्रिटेन ने अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन कथित तौर पर ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई की तैयारी के तहत हिंद महासागर स्थित डिएगो गार्सिया और ब्रिटेन के आरएएफ फेयरफोर्ड एयरबेस का उपयोग करना चाहता था, लेकिन लंदन ने इसकी मंजूरी नहीं दी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्रिटेन के इस फैसले से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नाराज बताए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि उन्होंने ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के उस समझौते से समर्थन वापस ले लिया है, जिसके तहत चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को सौंपने की प्रक्रिया आगे बढ़ रही थी। हालांकि इस पर आधिकारिक स्तर पर कोई संयुक्त बयान सामने नहीं आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका संभावित सैन्य विकल्पों पर विचार करते हुए दो प्रमुख ठिकानों डिएगो गार्सिया (हिंद महासागर) और आरएएफ फेयरफोर्ड (ब्रिटेन) का इस्तेमाल करना चाहता है। डिएगो गार्सिया चागोस द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप है और 1970 के दशक से यह ब्रिटेन और अमेरिका का साझा सैन्य अड्डा है। यह ठिकाना रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि यहां से एशिया, अफ्रीका और मध्य-पूर्व तक लंबी दूरी के सैन्य अभियान संचालित किए जा सकते हैं। ब्रिटेन के पुराने रक्षा समझौतों के अनुसार, उसके किसी भी सैन्य ठिकाने का इस्तेमाल करने के लिए ब्रिटिश प्रधानमंत्री की अनुमति आवश्यक होती है। अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत भी यदि कोई देश यह जानते हुए कि सैन्य कार्रवाई अवैध या विवादित है, उसमें सहयोग करता है, तो उसे भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चागोस आइलैंड्स को लेकर ब्रिटेन की नीति की आलोचना की है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि डिएगो गार्सिया जैसा महत्वपूर्ण सैन्य अड्डा छोड़ना बहुत बड़ी गलती होगी। उनका तर्क है कि यदि ईरान के साथ कोई समझौता नहीं होता, तो अमेरिका को हिंद महासागर में मौजूद इन एयरफील्ड्स का इस्तेमाल करना पड़ सकता है, ऐसे में इनका नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है।

ब्रिटिश सरकार का कहना है कि मॉरीशस के साथ चागोस द्वीप समूह को लेकर किया गया समझौता सुरक्षा और कानूनी स्थिरता के लिहाज से आवश्यक है। लंदन का तर्क है कि यह कदम लंबे और महंगे अंतरराष्ट्रीय कानूनी विवादों से बचने के लिए उठाया जा रहा है। अनुमान है कि पूरे समझौते की लागत करीब 35 बिलियन पाउंड तक पहुंच सकती है।

फिर से राजस्थान हाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कराओ, दोपहर 12 बजे तक हाईकोर्ट खाली कर दो, यहां आरडीएक्स प्लांट किया गया है। इस सूचना के बाद पूरे परिसर में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। पिछले चार महीनों में 10वां अवसर है, जब कोर्ट को डराने की कोशिश की गई है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज के अनुसार, धमकी मिलते ही बम निरोधक दस्ता (बीडीडीएस) और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचे। कोर्ट रूम से लेकर पार्किंग तक चप्पा-चप्पा छाना गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद जब कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली, तब प्रशासन ने राहत की सांस ली। तलाशी के कारण न्यायिक कार्य प्रभावित हुआ और सुबह 10:30 के बजाय करीब 11 बजे सुनवाई शुरू हो सकी। इधर पुलिस की साइबर टीम धमकी भरे मेल की जांच कर रही है, जिससे पता लगाया जा सके कि यह ई-मेल किस आईपी एड्रेस से भेजा गया है। गौरतलब है कि शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस चीफ सूर्यकांत जयपुर के दौरे पर रहे। ज्ञात रहे कि 31 अक्टूबर 2025 को पहली बार मेल आया था। इसके बाद 5, 8, 9, 10 और 11 दिसंबर को लगातार धमकियां मिलीं। साल 2026 में भी 6, 17 और 19 फरवरी के बाद, अब शुक्रवार को फिर यह हरकत दोहराई गई।

'एआई सूनामी जैसा है, दुनियाभर में इससे 40 प्रतिशत नौकरियां प्रभावित होंगी'

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- इन्टरनैशनल मॉनेटरी फंड की प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जीवा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में यह भी कहा कि उन्नत देशों में एआई 60 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा।

नई दिल्ली, 20 फरवरी। इन्टरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जीवा ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (एआई) "सुनामी की तरह" है, जो वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगी और उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में यह असर 60 प्रतिशत तक हो सकता है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में बोलते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि प्रवेश-स्तर (एंट्री-लेवल) की नौकरियाँ सबसे अधिक जोखिम में हैं और सरकारों से तत्काल नीतिगत कदम उठाने का आग्रह किया।

उन्होंने भारत के डिजिटल सुधारों की सराहना करते हुए अनुमान जताया कि एआई भारत की वार्षिक आर्थिक ग्रोथ में 0.7 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकता है। समिट में ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि एआई को लेकर भारत का आशावाद पश्चिमी देशों से कहीं अधिक है। उन्होंने कहा कि भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े एआई प्रतिभा-भंडारों में से एक है।

एआई सम्मेलन स्थल पर कांग्रेस का प्रदर्शन

- युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने टी शर्ट उतारकर प्रदर्शन किया और ट्रेड डील का विरोध किया, पुलिस ने चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

नई दिल्ली, 20 फरवरी। राजधानी में एआई इम्पैक्ट सम्मेलन स्थल पर हुए विरोध प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को भारतीय युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मामले में व्यापक साजिश की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान आरोपितों की सुरक्षा कर्मियों और पुलिसकर्मियों के साथ लंबी धक्का-मुक्की हुई। इसी दौरान प्रदर्शनी कक्ष के भीतर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि क्या इस पूरे घटनाक्रम के पीछे कोई बड़ी साजिश थी।

जानकारी के मुताबिक, सम्मेलन स्थल के प्रदर्शनी कक्ष संख्या-5 के भीतर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के एक समूह ने 'टी शर्ट उतार कर' प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ नारे लिखी टी-शर्ट लहराईं, जिससे परिसर में हंगामा खड़ा हो गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पहले करीब 15 लोगों को हिरासत में लिया गया था और उन्हें तिलक मार्ग थाने ले जाया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून-व्यवस्था भंग करने की किसी भी कोशिश पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कर क्यूआर कोड के माध्यम से सम्मेलन स्थल में प्रवेश किया था और बाद में अंदर जाकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। घटना के दौरान कुछ उपस्थित लोगों और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बाहर निकाल दिया।

पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस कथित साजिश में अन्य किन-किन लोगों की भूमिका हो सकती है। विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

एक अप्रैल से सिर्फ फास्टैग या यूपीआई से ही कटेगा टोल टैक्स

- केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक देशभर में 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यह व्यवस्था लागू होगी।

नई दिल्ली, 20 फरवरी। केन्द्र सरकार ने देश भर के सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा पर नकद भुगतना बंद करने का ऐलान किया है। देश में एक अप्रैल से टोल शुल्क केवल फास्टैग या यूपीआई से ही लिया जाएगा। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यह व्यवस्था लागू होगी। यह पहल भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के उस लक्ष्य के अनुरूप है, जिसके तहत तकनीक-आधारित, तेज और निर्बाध राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क तैयार किया जा रहा है।

रील के प्रबंध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया कि उक्त मामले में रीको एक कंपनी के माध्यम से रील में 49 प्रतिशत तक की निवेशक है जो पूर्णतः केन्द्र सरकार द्वारा संचालित कंपनी है इसलिए पूर्व में कभी भी एम डी के चयन प्रक्रिया में राज्य के मुख्य सचिव को पक्षकार नहीं बनाया गया और न ही आगे बनाया जाएगा। सुनवाई के दौरान कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस पी शर्मा ने भी यह टिप्पणी की कि गाइडलाइन केवल एक दिशा सूचक की तरह कार्य करती है, परंतु वह एक नियम या कानून नहीं है। अदालत ने आगे यह टिप्पणी की कि हाल ही में अतिरिक्त महाधिवक्ता पद्मेश मिश्रा की नियुक्ति को रद्द करने के लिए दायर याचिका को खारिज करते समय उन्हीं की अदालत ने इस सिद्धांत को आधार बनाते हुए फैसला दिया था कि गाइडलाइन नियम या कानून का दर्जा नहीं ले सकती। बाद में इसी सिद्धांत को सुप्रीम कोर्ट ने भी सही ठहराया था।

'मेरे नाम से ही आए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तब यह कई लोगों को असंभव लगता था। आज सब्जीवाला ऑनलाइन पैसा ले रहा है। यहां तक कि पहले की तरह घर से निकलने पर पैसा संभाल कर रखने की जरूरत भी खत्म हो गई है, लेकिन प्रगति के साथ चुनौती भी आती है। नित नए तरीके के अपराध सामने आ रहे हैं। व्यक्ति के मन में लालच आने से भी ठगी हो जाती है। सीएम ने कहा कि न्याय बड़े शहरों तक ही सीमित न रहे, दूरदराज बैठे व्यक्ति को भी न्याय मिलना चाहिए।

यूपी के बाल यौन शोषण कांड में दो दोषियों को फांसी

- पॉक्सो कोर्ट ने यह एतिहासिक फैसला सुनाया और आरोपी राम भवन व उसकी पत्नी दुर्गावती को फांसी की सजा सुनाई।
- आरोप है कि दम्पति चित्रकूट में किराए के मकान में रहते थे उन्होंने 33 नाबालिग बच्चों का यौन शोषण किया उनके दो लाख से ज्यादा वीडियो बनाकर विदेश भेजे।

बांदा, 20 फरवरी। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जनपद में नाबालिग बच्चों के साथ हुए संगठित यौन शोषण के अत्यंत जघन्य मामले में विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट, बांदा ने कड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। न्यायालय ने मुख्य दोषी निलम्बित जेई राम भवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को मृत्युदंड (फांसी) की सजा सुनाई है।

लोक अभियोजक सौरभ सिंह के अनुसार, इस मामले की जांच सीबीआई, दिल्ली द्वारा की गई थी। इसकी रिपोर्ट अक्टूबर 2020 में दर्ज की गई थी। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक धारा सिंह ने अदालत में प्रभावी पैरवी की। जांच में सामने आया कि आरोपित दम्पति, जो थाना नरैनी क्षेत्र के निवासी हैं, ने चित्रकूट में किराये के मकान में रहकर करीब 33 नाबालिग बच्चों का यौन शोषण किया। इतना ही नहीं, उन्होंने बच्चों के आपत्तिजनक वीडियो बनाकर उन्हें विदेशों में भेजा। जांच एजेंसियों के अनुसार, लगभग 2 लाख से अधिक वीडियो तैयार कर करीब 47 देशों में भेजे गए, जिनका उपयोग ब्लैकमेलिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों में किया गया। मुकदमे के दौरान कुल 74 गवाह अदालत में पेश किए गए। सभी साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपितों को दोषी ठहराते हुए कहा कि यह अपराध दुर्लभतम श्रेणी का है, इसलिए इन्हें तब तक फांसी पर लटकाया जाए, जब तक उनकी मृत्यु न हो जाए। अदालत ने भारतीय दंड संहिता की धारा 377 (अप्राकृतिक अपराध), 506 (आपराधिक धमकी), 120 बी (आपराधिक साजिश), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67-बी तथा पॉक्सो अधिनियम, 2012 की विभिन्न धाराओं के तहत दोष सिद्ध किया। साथ ही मृत्युदंड के अलावा आजीवन कारावास, कठोर कारावास और भारी जुर्माने की सजा भी सुनाई गई। न्यायालय ने सभी पीड़ित बच्चों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश भी पारित किया है। साथ ही जुर्माने की राशि भी पीड़ितों को दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। अपने फैसले में अदालत ने कहा कि ऐसे अपराध न केवल बच्चों का जीवन बर्बाद करते हैं, बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी हिला देते हैं। यदि ऐसे मामलों में कठोर दंड नहीं दिया गया, तो यह समाज के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

भारत ने अमेरिका के नेतृत्व वाले "पैक्स ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हेलबर्ग की अटकलों ने 12 अक्टूबर 2020 के मुंबई बिजली कटौती को लेकर लंबे समय से चली आ रही आशंकाओं की पुष्टि कर दी।

हेलबर्ग की यह टिप्पणी उस समय आई, जब अमेरिका और भारत ने पैक्स सिलिका घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिससे महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर और उभरती प्रौद्योगिकियों में रणनीतिक सहयोग और गहरा हुआ।

अपने संबोधन में हेलबर्ग ने बढ़ते आर्थिक दबाव और साइबर खतरों को लेकर चेतावनी दी। उन्होंने महत्वपूर्ण इन्फ्रास्ट्रक्चर में कमज़ोरियों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, "हम देख रहे हैं कि हमारे मित्र और सहयोगी रोज़ आर्थिक दबाव और ब्लैकमेल की धमकियों का सामना कर रहे हैं, जहाँ उन्हें अपनी संप्रभुता और समृद्धि के बीच चुनाव करने को मजबूर किया जाता है।"

उन्होंने आगे कहा, "हमने देखा है कि सीमा पार से एक की-स्ट्रोक के ज़रिए एक महान भारतीय शहर की बत्तियाँ बुझा दी गईं...।"

हेलबर्ग संभवतः मुंबई ब्लैकआउट की ओर संकेत कर रहे थे, जिसे व्यापक रूप से चीनी साइबर घुसपैठ से जुड़ा माना गया था।

पैक्स सिलिका घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुए, जिससे दिसंबर 2025 में शुरू किए गए इस गठबंधन में भारत औपचारिक रूप से शामिल हो गया। इस पहल में वे देश शामिल हैं, जो अपनी सेमीकंडक्टर और एआई आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक सुरक्षित और कम संवेदनशील बनाना चाहते हैं। ऐसे समय में जब महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी पर नियंत्रण एक रणनीतिक मुद्दा बन चुका है, इस प्रकार की साझेदारियाँ केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहीं; वे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से जुड़ी हैं।

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस साझेदारी को 21वीं सदी की आर्थिक और तकनीकी व्यवस्था को परिभाषित करने वाली बताया। भारत का सह-संस्थापक के रूप में स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने जीतने का विकल्प चुना है। उन्होंने इस गठबंधन को ऐसी व्यवस्था बताया, जो प्रौद्योगिकी की निर्णायक ऊँचाइयों को स्वतंत्र देशों के हाथों में बनाए रखेगी।

उन्होंने कहा, "यह इस बात पर निर्भर करेगा कि नवाचार बेंगलुरु और सिलिकॉन वैली में होता है या उन निगरानी देशों में, जो प्रौद्योगिकी का उपयोग अपने लोगों की निगरानी और नियंत्रण के लिए करते हैं।

हालाँकि चीन का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया गया, लेकिन व्यापक रणनीतिक संदर्भ स्पष्ट है। अक्टूबर 2025 में बीबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि चीन वैश्विक दुर्लभ खनिज उत्पादन का लगभग 61 प्रतिशत और प्रसंस्करण का 92 प्रतिशत नियंत्रित करता है, जिसका हवाला इन्टरनैशनल एनर्जी एजेंसी के अनुमानों से दिया गया था। दुर्लभ खनिजों का उपयोग सेमीकंडक्टर चिप्स, इलेक्ट्रिक वाहनों, रक्षा उपकरणों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स सहित, अनेक आधुनिक उद्योगों में होता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीन ने हाल के महीनों में दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है और इन्हें विदेश भेजने से पहले सरकारी अनुमति अनिवार्य कर दी है। विश्लेषकों के अनुसार, उत्पादन और प्रसंस्करण में चीन की प्रमुखता उसे व्यापार वार्ताओं में प्रभावशाली बनाती है। ऐसी पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे प्रयासों को साझेदार देशों द्वारा अत्यधिक केन्द्रीकृत आपूर्ति शृंखलाओं पर निर्भरता कम करने और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के लिए वैकल्पिक, विश्वसनीय नेटवर्क विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

दिसंबर 2025 में वॉशिंगटन में शुरू की गई पैक्स सिलिका, यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमैंट ऑफ स्टेट की एआई और सेमीकंडक्टर आपूर्ति शृंखला सुरक्षा पर प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य, गोर के शब्दों में, "पूरे सिलिकॉन स्टैक" को महत्वपूर्ण खनिजों के खनन से लेकर चिप निर्माण संयंत्रों और उन्नत एआई तैनाती तक सुरक्षित रखना है।

गोर ने कहा, "पैक्स सिलिका पूरे सिलिकॉन स्टैक को सुरक्षित करने के लिए बनाई गई है, खदानों से लेकर, जहाँ से हम महत्वपूर्ण खनिज निकालते हैं, फैब्स तक, जहाँ हम चिप्स बनाते हैं, और डेटा केन्द्रों तक, जहाँ हम उन्नत एआई तैनात करते हैं। उन्होंने इसे क्षमताओं का ऐसा गठबंधन बताया जो दबावपूर्ण निर्भरताओं की जगह विश्वसनीय औद्योगिक आधारों के सकारात्मक-सहयोगी नेटवर्क को स्थापित करता है।

साझेदार देशों में इज़राइल, जापान, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, क़तर, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं।

घोषणा-पत्र में कहा गया है कि विश्वसनीय सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाएँ पारस्परिक आर्थिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य हैं और एआई को दीर्घकालिक समृद्धि के लिए परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में मान्यता दी गई है।

केन्द्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पैक्स सिलिका में भारत के प्रवेश को ऐतिहासिक बताया और कहा कि ऐसे समय में, जब आपूर्ति श्रृंखलाओं को हथियार बनाया जा चुका है, सुदृढ़ सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, "सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पूरे विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता है। हमने कोविड के दौरान हुए व्यवधानों को देखा है, और इसे हथियार भी बनाया जा सकता है। इसलिए आज पूरा विश्व भारत को एक विश्वसनीय देश के रूप में देख रहा है।"

देश की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भारत 2-नैनोमीटर चिप्स की डिज़ाइनिंग कर रहा है और विनिर्माण, उपकरण तथा सामग्री का पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। दस सेमीकंडक्टर संयंत्र विभिन्न चरणों में हैं और जल्द ही वाणिज्यिक उत्पादन की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, भारत में एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र उभर रहा है। पैक्स सिलिका इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और भारत के युवाओं को इसका लाभ मिलेगा।

बताया गया कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, जिसे ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन कहा जा रहा है, में 110 से अधिक देशों और 30 अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने भाग लिया, जिनमें लगभग 20 राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष और लगभग 45 मंत्री शामिल थे।

बंगाल में एसआईआर के लिए न्यायिक अधिकारी नियुक्त किया जाए

सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाई कोर्ट को निर्देश जारी किया

- सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में हिंसा की कथित घटनाओं पर स्टेट्स रिपोर्ट भी मांगी है और चुनाव आयोग से 28 फरवरी तक संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित करने को कहा है।

नई दिल्ली, 20 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले पर सुनवाई करते हुए तार्किक 'विसंगति' सूची में डाले गए लोगों की ओर से जमा किए दावों के निपटारे के लिए राज्य के न्यायिक अधिकारियों को तैनात करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस से अनुरोध किया कि वे सेवारत और रिटायर्ड एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज स्तर के न्यायिक अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया के लिए उपलब्ध कराएं।

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल के कलेक्टर और एसपी को निर्देश दिया कि वे न्यायिक अधिकारियों को हर संभव मदद करें, ताकि ये प्रक्रिया पूरी की जा सके। कोर्ट ने राज्य के डीजीपी को निर्देश दिया कि वे एसआईआरके काम में लगे अधिकारियों को मिलने वाली धमकियों पर की गई कार्रवाई के संबंध में हलफनामा दाखिल करें।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि बंगाल में बड़े दुर्भाग्यपूर्ण हालत है, जहां दो संवैधानिक संस्थाएं निर्वाचन आयोग और पश्चिम बंगाल सरकार एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं। दोनों के बीच विश्वास की कमी साफ नजर आती है। इसके चलते एसआईआर प्रकिया अटकी हुई है। इस असाधारण हालात के चलते हमारे पास यह फैसला लेने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं रह गया है।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि एसआईआर से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गयी हैं, ऐसे में राज्य में वोटर्स की अंतिम सूची 28 फरवरी तक प्रकाशित करने की अनुमति दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि निर्वाचन आयोग 28 फरवरी के बाद भी पूरक वोटर लिस्ट प्रकाशित कर सकता है।

उच्चतम न्यायालय ने 9 फरवरी को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह निर्वाचन आयोग के लिए काम कर रहे 8 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को जिला निर्वाचन अधिकारी को रिपोर्ट करना सुनिश्चित करे। 4 फरवरी को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद उच्चतम न्यायालय में दलीलें रखीं। ममता बनर्जी ने कहा था कि उन्हें कहीं इंसाफ नहीं मिल रहा है। इंसाफ दम तोड़ रहा है। ममता ने कहा कि उन्होंने निर्वाचन आयोग को छह पत्र लिखे, लेकिन आयोग ने पत्रों के जवाब तक नहीं दिया, जिसके बाद उन्हें कोर्ट आना पड़ा, मैं न्याय के लिए कहां जाऊं। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि सिर्फ पश्चिम बंगाल को ही टारगेट क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब असम और अन्य उत्तरी राज्य, जहां चुनाव होने वाले हैं, वहां एसआईआर नहीं कराया जा रहा, तो फिर सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही यह प्रक्रिया क्यों अपनाई जा रही है। दूसरे राज्यों में ऐसी शर्ते नहीं रखी जातीं।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908